Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 121
जयपुर, शनिवार, 05 अक्टूबर 2024
पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी सुर्खियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

राष्ट्रपति ने मानगढ़ धाम में 'आदि गौरव सम्मान' समारोह को सम्बोधित किया

गुलामी की मानसिकता को समाप्त करने के राष्ट्रीय लक्ष्य की ओर बढ़ रहा देश: राष्ट्रपति

■ संजीवनी टुडे

बांसवाड़ा/जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि हमारे देश में गुलामी की मानसिकता को समाप्त करने का राष्ट्रीय लक्ष्य तय किया गया है।जनजातीय समाज के लोग गुलामी की मानसिकता से हमेशा मुक्त रहे हैं।उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जनजातीय गौरव के बारे में देश भर में एक नई चेतना का संचार हुआ है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शुक्रवार को बांसवाड़ा स्थित मानगढ़ धाम में आयोजित 'आदि गौरव सम्मान' समारोह के अवसर पर सम्बोधित कर रही थीं।इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि 17 नवंबर 1913 को मानगढ़ धाम में अंग्रेजों ने भील समुदाय के 1500 से अधिक बहादुरों की निर्मम हत्या कर दी थी।साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि इस गौरवशाली बलिदान की शौर्य गाथाओं के बारे में पूरे देश के लोगों को, विशेषकर युवाओं को जानकारी होनी चाहिए।साथ ही उन्होंने इस अवसर पर मानगढ़ आंदोलन से जुड़े भील समुदाय के गीत... भूरेटिया,नई मानूं रे नई मानूं... का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने 'आदि गौरव सम्मान' प्राप्त करने वाले सभी व्यक्तियों को बधाई देते हुए इस बात पर खुशी जताई कि महिलाओं की संख्या सम्मान प्राप्त करने वालों में अधिक रही।साथ ही उन्होंने कहा कि महिलाओं का विकास किसी भी समाज के विकास का आईना है।

देश की संस्कृति को समृद्ध बनाने में आदिवासियों का विशेष योगदान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आदिवासी समुदाय का तीर्थस्थल मानगढ़ धाम पूरे भारत में एक ऐतिहासिक धरोहर है।यहां गोविंद गुरू के नेतृत्व में आदिवासी समुदाय ने अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़कर साहस और बलिदान की अनुपम मिसाल पेश की।साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की संस्कृति को समृद्ध बनाने में आदिवासियों का विशेष योगदान रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।मानगढ़ धाम को एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।जिससे इस क्षेत्र की संस्कृति के प्रचार के साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित हो सकेंगे।साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मां-बाड़ी में कार्यरत शिक्षाकर्मी, महिला सहयोगिनी तथा स्वास्थ्य कर्मियों के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि,आवासीय विद्यालयों सहित राजकीय एवं अनुदानित छात्रावासों में छात्र-छात्राओं के लिए मैस भत्ता 2500 से बढ़ाकर 3000 रुपये करना,टीएसपी फण्ड को 1000 करोड़ से बढ़ाकर 1500 करोड़ रुपये करने सहित विभिन्न निर्णयों से राज्य सरकार आदिवासियों को समृद्ध एवं सशक्त बनाने के लिए निरन्तर कार्य कर रही है।

आदिवासी समुदाय का भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुड़ाव

कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने कहा कि आदिवासी समुदाय का शुरू से ही भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुड़ाव रहा है।इस समुदाय में प्रकृति को सहेजने की परंपरा रही है।हमें आदिवासियों की इसी परंपरा से प्रेरणा लेकर प्रकृति का संरक्षण करना चाहिए।साथ ही उन्होंने कहा कि हमें आदिवासियों द्वारा बनाए जा रहे उत्पादों का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार करना चाहिए,जिससे इन उत्पादों को उचित प्लेटफार्म मिल सके। राज्यपाल बागडे ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व.अटल बिहारी वाजपेयी ने भारतीय समुदाय में जनजातियों की महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए पहली बार अलग से जनजातीय कल्याण मंत्रालय की स्थापना की थी। इसके बाद जनजातियों के विकास के लिए निरन्तर काम किए गए।साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी जनजातियों के कल्याण के लिए कृतसंकल्पित हैं।केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जनजातियों को लाभान्वित किया जा रहा है। राज्यपाल ने कहा कि आज आदि गौरव सम्मान समारोह में खेल शिक्षा, तकनीकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए व्यक्तियों एवं संस्थाओं का सम्मान किया गया है।जो कि राज्य सरकार का सराहनीय कदम है।साथ ही उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में सम्मान का मतलब है सहज मूल्यों का सम्मान तथा इन्हीं प्रयासों के माध्यम से श्रेष्ठ भारत की भावना को फलीभूत किया जा रहा है।

केजरीवाल ने 9 साल बाद सीएम आवास छोड़ा

आप सांसद के बंगले में शिफ्ट हुए, 17 सितंबर को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फ्लैग स्टाफ रोड स्थित सीएम आवास खाली कर दिया है। वे शुक्रवार दोपहर लुटियंस दिल्ली में फिरोजशाह रोड पर बंगला नंबर-5 में शिफ्ट हो गए। यह बंगला पंजाब से आप के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को दिया गया है। केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल, माता-पिता और दोनों बच्चों के साथ शिफ्ट हुए हैं। अशोक मित्तल और उनकी पत्नी ने सभी का अपने घर में स्वागत किया। मित्तल ने न्यूज एजेंसी से कहा कि केजरीवाल गेस्ट के तौर पर मेरे घर में शिफ्ट हुए हैं। केजरीवाल ने 17 सितंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने सीएम आवास और सभी सरकारी सुविधाएं छोड़ने का ऐलान किया था। आप ने कहा था कि केजरीवाल नया घर देख रहे हैं। वे ऐसी जगह ढूंढ रहे हैं, जहां रहने में कोई विवाद न हो। आप ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार से केजरीवाल को नेशनल पार्टी के प्रमुख के तौर पर आवास मुहैया कराने की मांग की गई थी, लेकिन सरकार की ओर से इस पर कोई जवाब नहीं आया था। दिल्ली में कोई आधिकारिक एख्र हाउस नहीं है। केजरीवाल से पहले जो भी एख्र हुए, वे अलग-अलग बंगलों में रह चुके हैं। 1993 में मदनलाल खुराना को 33

शामनाथ मार्ग, उनके बाद साहिब सिंह वर्मा को 9 शामनाथ मार्ग और शीला दीक्षित को पहले एबी-17 मथुरा रोड और दूसरे कार्यकाल में 3 मोतीलाल नेहरू मार्ग वाला बंगला आवंटित किया गया था। दिल्ली में मुख्यमंत्री अपनी सहूलियत के हिसाब से बंगला चुनते हैं। सीएम पद से हटने के बाद उन्हें अपने पुश्तैनी, निजी या किराए का कोई मकान लेकर रहना पड़ता है। इसके लिए अलग से कोई आवास भत्ता भी नहीं दिया जाता। आवास भत्ता कुल प्रतिमाह दी जाने वाली राशि में शामिल होता है। केजरीवाल दिसंबर 2013 में पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बनने से पहले गाजियाबाद के कौशांबी इलाके में रहते थे। मुख्यमंत्री के तौर पर वे मध्य दिल्ली के तिलक लेन स्थित घर में रहे। फरवरी 2015 में आम आदमी पार्टी को बहुमत मिला तो वे उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके में 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित आवास में रहने चले गए।

सोमनाथ मंदिर के पास अवैध निर्माण पर बुलडोजर एक्शन

सुप्रीम कोर्ट बोला- आदेश की अवमानना हुई है तो जिम्मेदार जेल जाएंगे, गुजरात सरकार से जवाब मांगा

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि गुजरात में अधिकारियों ने बुलडोजर एक्शन पर उसके आदेश की अवमानना की है तो हम न केवल अधिकारियों को जेल भेजेंगे, बल्कि उन्हें सारी संपत्तियां दोबारा बनवाने का आदेश दिया जाएगा। यह बात जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कही। बेंच गुजरात में सोमनाथ मंदिर के पास बने अवैध निर्माणों पर 28 सितंबर को हुए बुलडोजर एक्शन के खिलाफ अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में समस्त पाटनी मुस्लिम जमात ने सुप्रीम कोर्ट के 17 सितंबर के आदेश के उल्लंघन को लेकर कार्रवाई करने की मांग की थी। इस दौरान मुस्लिम धार्मिक और आवासीय स्थलों को ज्यों का त्यों रखने की मांग खारिज कर दी गई। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर गुजरात सरकार से जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी। सोमनाथ मंदिर से 340 मीटर दूर बने थे घर और दरगाह याचिका पाटनी मुस्लिम जमात के वकील संजय हेगड़े ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आदेश के बावजूद गुजरात में अधिकारियों ने बुलडोजर एक्शन को अंजाम दिया। यहां 57 एकड़ के क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय की करीब 5 दरगाहें, 10 मस्जिदें और 45 घरों पर बुलडोजर चलवाया गया। गुजरात के अधिकारियों की

ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ये संरचनाएं समुद्र से सटी हुई थीं और सोमनाथ मंदिर से करीब 340 मीटर दूर थीं। 1 अक्टूबर तक बुलडोजर एक्शन नहीं होगा। अगली सुनवाई तक देश में एक भी बुलडोजर कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। जब केंद्र ने इस ऑर्डर पर सवाल उठाया कि संवैधानिक संस्थाओं के हाथ इस तरह नहीं बांधे जा सकते हैं। तब जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन ने कहा- अगर कार्रवाई दो हफ्ते रोक दी तो आसमान नहीं फट पड़ेगा। हालांकि, कोर्ट ने यह साफ कर दिया था कि अवैध अतिक्रमणों को हटाने पर कोई रोक नहीं होगी। सड़क हो, रेल लाइन हो, मंदिर हो या फिर दरगाह, अवैध अतिक्रमण हटाया ही जाएगा। हमारे लिए जनता की सुरक्षा ही प्राथमिकता है।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट में क्या हुआ

सुप्रीम कोर्ट बोला- तोड़फोड़ की तो पीड़ित की प्रॉपर्टी दोबारा बनानी होगी एक अक्टूबर की सुनवाई में कहा- अगर आदेश नहीं माना गया तो एक्शन को सुधारा जाएगा। प्रॉपर्टी का नवीनीकरण होगा और पीड़ित को मुआवजा दिया जाएगा। सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने सुझाव दिया कि मुआवजे की रकम तोड़फोड़ करने वालों से ली जाए। इसके बाद जस्टिस गवई ने जस्टिस विश्वनाथन की ओर इशारा करते हुए कहा- मेरे भाई यह पहले ही कह चुके हैं। केंद्र बोला- हाथ न बांधें, कोर्ट ने कहा- आसमान नहीं फट पड़ेगा सुप्रीम कोर्ट ने 17 सितंबर को कहा था।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में मारे गए 30 नक्सली

दंतेवाड़ा-नारायणपुर बॉर्डर पर हुई मुठभेड़, एके-47 समेत ऑटोमेटिक हथियार भी बरामद

■ संजीवनी टुडे

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में 30 नक्सलियों को मारे जाने की खबर है। शुक्रवार को दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले के बॉर्डर पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। सर्च ऑपरेशन में 14 नक्सलियों के शव मिले हैं। वहीं एक-47, एसएलआर समेत अन्य हथियार भी बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ ओरछा थाना इलाके के नेंदुर और थुलथुली गांव के बीच जंगल में हुई है। इस दौरान शव और ऑटोमैटिक वेपन्स बरामद हुए। एक दिन पहले नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले से जवानों को एंटी नक्सल ऑपरेशन पर भेजा गया था। शुक्रवार को जंगल में 2 घंटे तक रुक-रुककर फायरिंग होती रही। इसके बाद जब फायरिंग रुकी तो सर्च ऑपरेशन चलाया गया। जवानों ने शाम 6 बजे तक 14 नक्सलियों के शव समेत भारी मात्रा में सामान बरामद किया है। हालांकि नक्सलियों के मारे जाने की संख्या 23 बताई जा रही है। इसकी फिलहाल पुष्टि नहीं हुई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी आज ही दंतेवाड़ा दौरे पर थे। यहां शुक्रवार को उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के साथ 167.21 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया।

सुकमा से नक्सल सामग्री बरामद

इधर सुकमा जिले में कल मुठभेड़ के बाद भारी मात्रा में नक्सलियों की सामग्री बरामद की गई थी। यहां 10 दिन में कल दूसरी बार मुठभेड़ हुई। 10 दिन पहले 24 सितंबर को भी सुकमा जिले में मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान एनकाउंटर में 2 नक्सलियों को ढेर किया गया था। हालांकि दोनों शव को उनके साथी अपने साथ ही ले गए।

एक महीने पहले 3 महिला नक्सली ढेर

29 अगस्त को नारायणपुर और कांकेर बॉर्डर पर अबूझमाड़ इलाके में मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में 3 वर्दीधारी महिला नक्सलियों को ढेर किया गया था। इनकी शिनाख्त उत्तर बस्तर डिवीजन कमेटी और पीएलजीए कम्पनी नंबर 05 के सदस्य के रूप में हुई। स्व-सहायता समूह की बहनों को बसों के संचालन की चाबी भी सौंपी। 2024 में अब तक 160 से ज्यादा नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है। पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज सुन्दरराज पी ने दंतेवाड़ा मुठभेड़ से पहले बताया था कि बस्तर संभाग में मानसून सीजन में ही 212 से ज्यादा नक्सली गिरफ्तार हुए हैं। नक्सल विरोधी अभियान के दौरान 201 नक्सलियों ने सरेंडर भी किया है।

पुणे में 21 साल की लड़की से गैंगरेप, दोस्त के साथ बोपदेव घाट घूमने गई थी

■ संजीवनी टुडे

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में 21 साल की लड़की के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई है। कोंडवा पुलिस के मुताबिक यह घटना गुरुवार रात को पुणे के बोपदेव घाट इलाके में हुई। लड़की अपने दोस्त के साथ घाट पर गई थी, जहां रात करीब 11 बजे तीन लोगों ने उसके साथ रेप किया। हालांकि, घटना की खबर शुक्रवार सुबह 5 बजे पुलिस को दी गई। पुणे के जॉइंट सीपी रंजन कुमार शर्मा ने बताया कि मामले में एक संदिग्ध राजेखान करीम पठान को गिरफ्तार किया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। बाकी 2 आरोपियों की तलाश की जा रही है। इसके लिए क्राइम ब्रांच और डिटेक्टिव ब्रांच की 10 टीमें बनाई गई हैं, जो कोंढवा इलाके में छानबीन कर रही हैं। आरोपियों ने दोस्त को पीटा, कपड़े से बांध दिया जॉइंट सीपी रंजन कुमार ने बताया कि शिकायत में कहा गया है कि लड़की अपने दोस्त के साथ घाट के सुनसान इलाके में थी।रिपोर्ट के मुताबिक एक आरोपी राजेखान उनकी कार के पास आया और बोला कि इस इलाके में कपल्स का आना मना है। इसके बाद उसने दोनों की तस्वीरें खींच लीं। इसके बाद आरोपियों में से एक ने लड़की को धमकी देते हुए उसे अपनी कार में जबरन बैठा लिया। दूसरी जगह ले जाने के बाद उन्होंने कार रोकी और उसके साथ गैंगरेप किया। इससे पहले आरोपियों ने उसके दोस्त को कपड़े से बांध दिया था। लड़की अस्पताल में है, उसका इलाज चल रहा है। पुलिस आज ही लड़की का बयान दर्ज करेगी। सुप्रिया ने राज्य में कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए सुप्रिया सुले ने ड्रु पर एक पोस्ट में लिखा- ''पुणे में क्या हो रहा है? बोपदेव घाट में एक लड़की से गैंगरेप की घटना सामने आई है। पुणे और पूरे राज्य में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। गृह विभाग इन्हें रोकने के लिए कुछ भी नहीं कर रहा है। दुर्भाग्य से यह कहना होगा कि महाराष्ट्र महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं है। सरकार को उक्त घटना के आरोपियों को गिरफ्तार करना चाहिए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

मंत्री खर्रा बोले-सरकार के काम से कांग्रेस बौखला गई है

जिन्होंने पांच साल छिप-छिपकर सरकार चलाई, वो किस मुंह से बयान दे रहे हैं

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा है कि पिछले 10 महीनों में सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में सरकार बेहतर काम कर रही है। सरकार ने जनहित और प्रदेश के विकास में कई निर्णय लिए हैं। सरकार के कामों को देखकर कांग्रेस पूरी तरह से बौखला गई है। यह लोग विकास कार्यों में अड़ंगा लगाने और उन्हें रोकने का प्रयास कर रहे हैं। इनके प्रदेशाध्यक्ष बिना मतलब का प्रलाप करके जिस तरह के बयान दे रहे हैं। उन्हें यह ध्यान देना चाहिए कि जिन्होंने पूरे पांच साल होटलों में बैठकर सरकार चलाई। छिप-छिपकर सरकार चलाई। वो किस मुंह से हमारी सरकार के खिलाफ अनर्गल बयान दे रहे हैं। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एसआई भर्ती मामले में किरोड़ीलाल मीणा के बयान को लेकर सरकार पर तंज कसा। डोटासरा ने ड्रु पर लिखा- जब एक मंत्री कहे कि सरकार का मुखिया लीपापोती कर रहा है तो इसके क्या मायने हैं? जब एक मंत्री अपने ही मुख्यमंत्री की निर्णय क्षमता पर सवाल उठाए तो इसके क्या मायने हैं?

खर्ची का बंदोबस्त करने वाले सलाखों के पीछे होंगे

मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा- हमारी सरकार ने पेपर लीक करने वालों, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों और संगठित अपराध करने वाले गिरोह के खिलाफ जिस तरह से कड़ी कार्रवाई की है। उस कार्रवाई से कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से बौखला गई है। उन्होंने कहा- कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष अपने बयानों से सोशल मीडिया पर केवल झूठी वाहवाही लूटना चाहते हैं। मंत्री ने कहा- ऐसा सुनने में आता है कि पिछली कांग्रेस सरकार के पनपाए हुए भ्रष्टाचारी जो कांग्रेसी नेताओं की खर्ची का बंदोबस्त करते थे, वे जरूर सलाखों के पीछे होंगे।

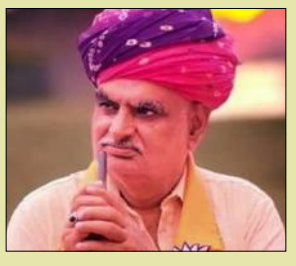

डोटासरा लगातार सरकार पर हमलावर है

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पिछले कई दिनों से लगातार सरकार पर हमलावर है। उन्होंने दो दिन पहले सीकर में कहा था कि दिसंबर से पहले कई मंत्रियों की पर्ची बदलेगी और कोई बड़ी बात नहीं कि बड़ी पर्ची भी बदल जाए। किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफ़े पर उन्होंने कहा- सीएम भजनलाल शर्मा क्यों गले में जिंदा सांप को डालकर घूमना चाहते हैं। भाजपा में आपस में जूते बज रहे हैं। किरोड़ीलाल मीणा कहते हैं कि मुख्यमंत्री जी मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लो। आखिर ऐसी क्या मजबूरी है कि सरकार का ही एक आदमी उनसे छुटकारा चाहता है। उसे नेतृत्व में विश्वास नहीं है। गांधी जयंती पर राजस्थान यूनिवर्सिटी में छुट्टी कैंसिल होने पर गोविंद सिंह डोटासरा ने एक्स पर लिखा- गोडसे के पद चिन्हों पर चलने वाले क्या कभी गांधी के हो सकते हैं? ये सवाल इसलिए क्योंकि गांधी जी के लिए संघ की शाखाओं से निकली नफरत किसी न किसी रूप में भाजपा सरकारों के निर्णयों में बाहर आ ही जाती है।

एससी रिजर्वेशन में कोटे में कोटा मामला

सुप्रीम कोर्ट ने पुनर्विचार याचिका खारिज की, कहा- फिर से विचार करने जैसा कुछ नहीं

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। राज्य सरकारें अनुसूचित जाति रिजर्वेशन में कोटे में कोटा दे सकेंगी। सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की संविधान पीठ ने इसके खिलाफ लगी पुनर्विचार याचिकाओं को शुक्रवार को खारिज कर दिया। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस बी आर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बेला त्रिवेदी, जस्टिस पंकज मित्तल, जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा- 'पुराने फैसले में ऐसी कोई खामी नहीं है, जिस पर फिर से विचार किया जाए।' पुर्नविचार याचिकाओं में सुप्रीम कोर्ट के 1 दिसंबर को दिए गए फैसले को खारिज करने का कोई आधार नहीं बताया गया है। इसलिए पुर्नविचार याचिकाएं खारिज की जाती हैं। 1 अगस्त को कोर्ट ने क्या कहा था सुप्रीम कोर्ट ने 1 अगस्त को फैसला सुनाया था कि राज्य सरकारें अब अनुसूचित जाति, यानी एससी के रिजर्वेशन में कोटे में कोटा दे सकेंगी। अदालत ने 20 साल पुराना अपना ही फैसला पलट दिया। तब कोर्ट ने कहा था कि अनुसूचित जातियां खुद में एक समूह हैं, इसमें शामिल जातियों के आधार पर और बंटवारा नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने राज्य सरकारों को 2 निर्देश दिए थे कोर्ट ने अपने नए फैसले में राज्यों के लिए जरूरी हिदायत भी दी। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकारें मनमर्जी से फैसला नहीं कर सकतीं। अनुसूचित जाति के भीतर किसी एक जाति को 100% कोटा नहीं दे सकतीं। अनुसूचित जाति में शामिल किसी जाति का कोटा तय करने से पहले उसकी हिस्सेदारी का पुख्ता डेटा होना चाहिए। 24 सितंबर को कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया कोर्ट ने 24 सितंबर को ही इन याचिकाओं पर सुनवाई की थी, लेकिन फैसला सुरक्षित रख लिया था। इन याचिकाओं को संविधान बचाओ ट्रस्ट, अंबेडकर ग्लोबल मिशन, ऑल इंडिया एससी-एसटी रेलवे एम्प्लॉयी एसोसिएशन समेत कई संस्थाओं की ओर से दायर किया गया था।

जयपुर समेत देशभर के 100 एयरपोर्ट को धमकी भरा मेल: लिखा

दुनिया के सबसे ताकतवर देशों से अकेले टक्कर लेते हैं, सब जगह होगा बूम...बूम...बूम

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ ही देशभर के 100 से अधिक एयरपोर्ट पर शुक्रवार दोपहर धमकी भरा मेल भेजा गया। मेल एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की ऑफिशियल आईडी पर करीब 1.21 बजे भेजा गया है। मेल में लिखा- दुनिया के सबसे ताकतवर देशों से अकेले टक्कर लेते हैं। सब जगह होगा बूम...बूम...बूम। एयरपोर्ट पर धमकी भरा मेल मिलने के तुरंत बाद सुरक्षा जवानों के साथ ही बम निरोधक दस्ता की टीम ने एयरपोर्ट पर ऑपरेशन चलाकर सर्च किया। एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से एयरपोर्ट थाने को भी शिकायत दी गई। सुरक्षा एजेंसियों के अलर्ट के साथ ही साइबर टीम भी जांच में जुट गई। डीसीपी (ईस्ट) तेजस्विनी गौतम ने बताया- शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे पता चला कि एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की ऑफिशियल आईडी पर धमकी भरा मेल मिला है। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ ही देशभर के 100 से अधिक एयरपोर्ट पर धमकी भरा मेल किया गया है। अज्ञात व्यक्ति ने धमकी भरा मेल भेजने पर एयरपोर्ट प्रशासन ने सर्च ऑपरेशन चलाया।

ये लिखी मेल में धमकी

सीआईएसएफ की मेल पर भेजे धमकी भरे मेल में लिखा गया- याद रखना। दुनिया के सबसे ताकतवर देशों से अकेले टक्कर लेते हैं। हमने सबको फ्रस्टेशन में डाल दिया है, रिजल्ट के लिए तैयार रहे। सब जगह होगा, बूम...बूम...बूम...बूम। ऑल द बेस्ट। इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है। साइबर की टीमें मेल भेजने वाले को ट्रेस करने की कोशिश कर रही है। साइबर की टीमें मेल भेजने वाले को ट्रेस करने की कोशिश कर रही है। जयपुर एयरपोर्ट पर बम की अफवाह की खबर कोई नई नहीं है। इससे पहले भी कई बार एयरपोर्ट पर बम होने की अफवाह फैल चुकी है। 15 फरवरी को जयपुर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। जयपुर एयरपोर्ट की ऑफिशियल आईडी पर डॉन ऑफ इंडिया नाम की आईडी से ई-मेल भेजकर धमकी दी गई थी। जांच में सुरक्षा एजेंसी और पुलिस को कोई संदिग्ध सामान नहीं मिला था। पिछले साल 27 दिसंबर को भी जयपुर सहित करीब आधा दर्जन से अधिक एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। ऑफिशियल कस्टमर केयर आईडी पर ईमेल मिलने के बाद जयपुर एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी मच गई थी।

खबरें फटाफट

सेवा सप्ताह के तहत हुआ पीस पोस्टर प्रतियोगिता का किया आयोजन

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। शुक्रवार को लायंस क्लब राजगढ़ द्वारा सेवा सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन लायंस क्लब अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाबू लाल शर्मा रहे। लायंस क्लब के सचिव लायन एडवोकेट भूपेंद्र शर्मा ने मीडिया कर्मी राजकुमार गुप्ता को बताया कि पीस पोस्टर प्रतियोगिता में लक्ष्मी बाल विद्या मंदिर विद्यालय के छात्र छात्राओं ने पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक लायन वीरेन्द्र शर्मा, मदन लाल शर्मा, अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, लायन खेम सिंह आर्य, लायन एन एल वर्मा, लायन लोकेश रावत, विद्यालय स्टाफ छात्र छात्राओं उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में बोले जूली, किसानों की फसल खराबे पर तुरंत एक्शन ले राज्य सरकार

संजीवनी टुडे

अलवर। नेता प्रतिपक्ष एवं अलवर ग्रामीण विधायक टीकाराम जूली ने जनसुनवाई में कहा कि किसानों की फसल खराबे पर राज्य सरकार तुरंत एक्शन ले। जूली बोले सर्वे रिपोर्ट के आधार पर किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। जूली शुक्रवार को अलवर में अपने मोती डूंगरी स्थित कार्यालय पर जनसुनवाई कर रहें थे। उन्होंने जन सुनवाई के दौरान आमजन की परिवेदनाओं को सुनकर समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए अधिकारियों को फोन कर निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान बरसात से हुए खराबे को लेकर उन्होंने चिंता जताई। उन्होंने प्रदेश की पर्ची वाली सरकार से मांग करते हुए कहा कि राजस्थान प्रदेश के अन्नदाता को राज्य सरकार की ओर से उचित मुआवजा दिया जाए।

बाबा बालकनाथ ने अवधूत आश्रम पहुंचकर श्याम भारती महाराज की समाधि पर की श्रद्धा सुमन अर्पित

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। अलवर के पूर्व सांसद व तिजारा विधायक महंत बाबा बालकनाथ ने शुक्रवार को अवधूत आश्रम राजगढ़ पहुंचकर ब्रह्मलीन श्याम भारती महाराज की समाधि पर श्रद्धा सुमन अर्पण किये। महंत बाबा बालकनाथ ने अमन भारती महाराज व अन्य शिष्यों को सांत्वना दी। उन्होंने स्वामी अमन भारती महाराज को चादर ओढ़ाकर व भेंट देकर आशीर्वाद दिया। इस दौरान बाबा बालकनाथ ने स्वामी अमन भारती महाराज से बातचीत कर आश्रम की मूलभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी लेकर गुरू मंत्र प्रदान किया। इस अवसर पर भाजपा नेता विजय समर्थ लाल मीना, प्रेमनाथ धामाणी, डॉ खेमसिंह आर्य, शेखर तंबोली, अखिलेश वशिष्ठ, मदनलाल शर्मा, प्रकाश दीक्षित सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

खेड़ापति बलाजी यात्रा को रेनवाल मांजी में प्रसादी वितरण की

संजीवनी टुडे

रेनवाल मांजी। सीतारामपुरा लाखना से खेड़ापति बालाजी धाम के लिए निकले 9वीं पैदल यात्री संघ को रेनवाल मांजी में प्रसादी वितरण की। रतन प्रजापति ने बताया कि पहाड़िया मोड़ पैदल यात्री संघ को प्रसादी वितरण की। यात्री संघ ने समाजसेवियों का आभार जताया। इस दौरान धन्नालाल प्रजापति, ओम प्रकाश, रामधन, सिंगर गेंदी लाल, गुल्लू, मुकेश प्रजापति, गोपाल प्रजापति, दिनेश, नोसर, शिवराज, मुकेश प्रजापति रेनवाल मांजी, बलजीत, किशोर व अंकुश शर्मा मौजूद रहे। यात्री संघ बालाजी धाम पहुंच कर बालाजी के दर्शन कर क्षेत्र में अमन चैन की मन्नत की।

10 को शोभा यात्रा व विशाल छप्पन भोग, 11 को भजन संध्या का होगा आयोजन

संजीवनी टुडे

चाकसू। यहां शुक्रवार को श्री श्याम निशान संघ परिवार के द्वादशम श्री श्याम महोत्सव वार्षिकोत्सव भजन संध्या आगामी 11 अक्टूबर शुक्रवार के कार्यक्रम के निमित्त श्री गणेश जी महाराज के निमंत्रण के लिए मंडल सदस्यों द्वारा तहसील चौराहे चाकसू पर श्री गणेश मंदिर पर पूजा अर्चना कर गणेश जी को आमंत्रित किया और इस अवसर पर भजन संध्या कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया और मंडल के सक्रिय सदस्य एडवोकेट अमित बाहेती ने बताया कि श्री श्याम निशान संघ परिवार चाकसू के तत्वावधान में द्वादशम वार्षिकोत्सव विशाल भजन संध्या ''रंगीलो म्हारो श्याम महोत्सव'' 10 एवं 11 अक्टूबर को श्री ज्ञानेश्वर महादेव मंदिर के बाहर गांधी स्मारक रोड, सब्जी मंडी, चाकसू पर आयोजित होगा जिसमें 10 अक्टूबर 2024 गुरुवार को विशाल छप्पन भोग, शोभा यात्रा का आयोजन होगा शोभा यात्रा शाम 5:15 बजे श्री राम मंदिर, तहसील चौराहा, चाकसू से रवाना होकर मुख्य बाजार, निचला बाजार, मामोडिया

मोहल्ला, सरकारी अस्पताल, नगर पालिका, टोंक रोड, फागी मोड होते हुए कार्यक्रम स्थल गांधी स्मारक रोड चाकसू तक पहुंचेगी और शोभायात्रा में घोड़ा बग्गी में बाबा की झांकी सजाकर शाही सवारी निकाली जाएगी।

11 अक्टूबर 2024 शुक्रवार को भजन संध्या में श्री धन्ना पीठाधीश्वर बजरंगाचार्य जी महाराज तामडिया धाम, श्री बालकानंद जी महाराज हरभावता धाम, स्वामी श्री बालमुकन्दाचार्य जी महाराज मंदिर श्री दक्षिण मुखी बालाजी हाथोज धाम अध्यक्ष अखिल भारतीय संत समिति राजस्थान विधायक हवामहल , जगदीशदास महाराज श्री बावनदास आश्रम चाकसू, सांवरिया सेठ निज मंदिर के पुजारी श्री हिमांशु महाराज पधारेंगे जिनका चाकसू वासियों द्वारा भव्य स्वागत किया जायेगा और वही कार्यक्रम स्थल गांधी स्मारक रोड, सब्जी मंडी, चाकसू पर सायं 7:15 बजे से विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा जिसमें भव्य दरबार, आकर्षक श्रृंगार, इत्र एवं पुष्प वर्षा, अखंड ज्योत, छप्पन भोग मुख्य आकर्षण रहेंगे वहीं कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायक कलाकार अबोहर से मयंक अग्रवाल, दिल्ली से प्रिया प्राची ठाकुर, लक्ष्मणगढ़ से प्रेम शर्मा, रामगंजमंडी से नानी बाई को मायरो कथा प्रवक्ता सुश्री ममता राजपूत मेवाड़ी, निवाई से अनिल बावरा, चाकसू से दीपक जांगिड़, जयपुर से नीतू गुप्ता, हेमंत माखीजा, रिदेश अरोड़ा, श्रेष्ठ सोनी कलाकारों द्वारा भजन प्रस्तुत किए जाएंगे। इस अवसर पर कैलाश शर्मा पूर्व कृषि मंडी अध्यक्ष चाकसू, पार्षद त्रिवेणी श्याम शर्मा, राजेंद्र प्रसाद मामोडिया, पुरुषोत्तम घीया, रमन खंडेलवाल, मोनू शर्मा, सूरज शर्मा, सीताराम चौधरी, मोहन यादव, गणेश गुर्जर, श्याम कूलवाल, घनश्याम मानक बोहरा, अमित बाहेती एडवोकेट, महेंद्र माहेश्वरी, नवीन खंडेलवाल, विवेक अग्रवाल, अवधेश बजाज, सोनू बजाज, मनोज अग्रवाल, देवी सिंह गोगावत, पंडित रामबाबू शर्मा, मोहित अग्रवाल, सुनील गुप्ता, योगेश कुमावत, राजू जायसवाल, हर्ष सैनी, विवेक बडेरा, अर्पित अग्रवाल, राजेश गुप्ता, नीरज कुमावत, राजू प्रजापत, महावीर स्वामी, रामचरण बागड़ा, आर्किटेक्ट रामअवतार शर्मा, वीरेंद्र बिंदल, नवीन ओसवाल, अशोक अग्रवाल, अनिल पोद्दार, महेश शर्मा, राकेश बागड़ा सहित अन्य श्याम प्रेमियों ने पूजा अर्चना कर पोस्टर विमोचन किया तथा तन मन धन सर्वस्व बाबा श्याम को न्योछावर करते हुए भजन संध्या कार्यक्रम में सभी सदस्यों से अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई और चाकसू में अपना दरबार लगाकर बाबा श्याम सभी श्याम प्रेमियों पर कृपा बरसाएंगे। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए मंडल कमेटी द्वारा उचित प्रबंध किए जा रहे हैं।

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने गरबा रास रंग 16 के पोस्टर का किया विमोचन

संजीवनी टुडे

चौमूं। हर वर्ष की बातें इस वर्ष भी आयोजित होने वाले गरबा रास रंग 16 के पोस्टर का विमोचन यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने किया। कार्यक्रम संयोजक प्रदीप शर्मा ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी फैंटास्टिक इवेंट्स और वेडिंग प्लानर के द्वारा आयोजित 16वां गरबा रास रंग महोत्सव मां नवमी 11 अक्टूबर को कचोलिया रोड स्थित केसरगढ़ हवेली में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान मां दुर्गा की 551 दीपकों की मां आरती के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। इधर पोस्टर का विमोचन विभिन्न धार्मिक गुरु, साधु संतो, शिक्षक, डॉक्टर, समाजसेवियो द्वारा किया गया। वही बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य द्वारा भी पोस्टर विमोचन किया गया। इस दौरान नवदुर्गा मंदिर पुजारी विद्याधर शर्मा, रमेश करीरा, मन शर्मा, हजारी यादव, अशोक शर्मा, अभिषेक गोरा, नितिन खंडेलवाल, संजय सैनी, महेश बागड़ा, हीरालाल जाट, सुनील चौधरी, ललित कुमावत, पुरन भावरिया, जय सिंधी, आशीष गोरा, रामनिवास भोमाका, डॉक्टर शंकर यादव आदि मौजूद रहे।

रात्रि में शराब ठेके के कर्मचारियों के साथ मारपीट व तोडफोड़ मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

एक मोबाईल व मोटरसाईकिल जप्त

फागी। हरसुलिया में स्थित शराब ठेके पर रामसिंह चौधरी, श्रीराम चौधरी, नवाब अली सेल्समेन के साथ मारपीट कर चोरी के मामले में रेनवाल मांजी थाना पुलिस ने कार्रवाई की हैं। 18 जुलाई की रात्रि को तीनो सेल्समेन शराब ठेका बन्द करके ऊपर कमरे मे जाकर खाना खाकर सो गये थे। उसी रात्रि को तीन व्यक्ति एक मोटरसाईकिल से आये व पहले तो ठेके के बन्द शटर को देखा फिर ठेके के ऊपर चले गये तथा जिस कमरे में तीनो सेल्समेन सो रहे थे उसके दरवाजे पर लातों की मारकर दरवाजा तोडकर कमरे में घुस गये। व सेल्समेनो से ठेका खोलकर शराब देने हेतु कहा तो सेल्समेनो ने शराब देने से मना किया तब तीनो सेल्समेनो के साथ लाठी व सरियों से मारपीट की। मारपीट करने

वाले वाले संजय गुर्जर निवासी हरसुलिया तहसील माधोराजपुरा जयपुर व उसके साथ दो अन्य साथी थे जिनके द्वारा मारपीट करने पर सेल्समेन श्रीराम व नवाब अली घबरा कर छत से भागकर अपनी जान बचाई तथा रामसिंह को उन लोगों ने पकड़ लिया जिसके सिर पर गंभीर चोट व शरीर पर लाठी सरियों से काफी मारपीट की व मोबाईल छीन कर ले गये। मामले को लेकर वृताधिकारी माधोराजपुरा पार्थ शर्मा आर.पी. एस. के निर्देशन में रामपाल शर्मा उ. निःथानाधिकारी थाना रेनवाल मांजी के नेतृत्व में टीम गठन कर उक्त मामले में आरोपी अंकुश, संजय गुर्जर, अर्जुन नेहरा को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटर साईकिल व घटनास्थल से चोरी किया गया मोबाईल बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

संजीवनी टुडे

सकट । पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सकट में शुक्रवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। जिसमें विद्यार्थियों ने हस्तकला, व्यर्थ सामान से सम्बंधित विभिन्न मॉडल के द्वारा अपनी प्रतिभा को प्रस्तुत किया। विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए प्रधानाचार्य अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि आज विज्ञान का युग है। छात्र जीवन में वैज्ञानिक सोच, अभिरुचि, जागरूकता को विकसित करने में विज्ञान प्रदर्शनी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसमें छात्र-छात्राओं में प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण का भी विकास होता है। विज्ञान मेला प्रभारी सोनम यादव ने बताया कि विज्ञान मेले का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान विषय के प्रति रुचि पैदा करना होता है। विज्ञान मेले में कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया और मॉडल चार्ट इको, प्लास्टिक मुक्त गतिविधियों में भाग लिया। गतिविधियों में भाग लेकर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा काजल मीना, ? कृष्णा मीना एवं छात्र रवि कुमार मीणा, हंसराज गुप्ता को पुरुस्कृत किया गया। इस अवसर पर व्याख्याता पीड़ी मीना, राजेंद्र मीना, सोनम यादव, अंशु गुर्जर, गुड्डी बाई गुर्जर, श्रीकृष्ण मीना, पुरुषोत्तम सिंह, गुरु सहाय सैनी, आशीष शर्मा, योगेंद्र पाल, चंद्र मोहन शर्मा सहित विद्यालय स्टॉफ मौजूद रहा।

गरीब और बेघर पात्र परिवार दफ्तरों के काट रहे चक्कर, अपात्र लोगों ने उठाया पीएम आवास योजना का लाभ !

संजीवनी टुडे

मालपुरा (टोंक)। प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत 25 जून 2015 को केंद्र सरकार द्वारा की गई थी, इस योजना को राजस्थान के ग्रामीण इलाकों और शहरी इलाकों में चलाया जा रहा है, इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब और बेघर लोगों को आवास हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करना है, ताकि ऐसे नागरिक अपने लिए एक पक्का मकान बना सकें। योजना के तहत लाभार्थियों को पक्का मकान बनाने के लिए तीन किस्तों में आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह सहायता मकान के निर्माण की प्रगति के अनुसार दी जाती है, जिससे गरीब परिवारों को सुरक्षित और स्थायी आवास मिल सके। योजना के अंतर्गत यह पूरा ध्यान रखा जाता है कि पात्र परिवार को ही योजना का लाभ मिल सके। लेकिन सूत्रों की माने तो मालपुरा शहर में कई ऐसे अपात्र परिवारों को मिलीभगत कर के पीएम आवास योजना का लाभ दिया जा रहा है और पात्र गरीब और बेघर परिवारों को योजना के लाभ से वंचित रखा जा रहा है। नगरपालिका क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के नाम पर कुछ अराजक तत्वों का लोगों के आवास स्वीकृत करवाने, किस्त डलवाने के नाम पर धंधे चल रहे है। पीएम आवास योजना के तहत मोटी रकम की वसूली की जा रही है। इसके साथ ही पात्र परिवार जिन्हें छत की जरूरत है वह आज भी नगर पालिका और दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं जबकि जो अपात्र है वह लाभान्वित हो चुके है। अब सवाल यह उठता है कि पीएम आवास योजना में मिलीभगत कर अनुचित तरीके से योजना का लाभ ले चुके अपात्र लोगों से क्या स्थानीय प्रशासन पुनः वसूली करेगा...? क्या ऐसे अपात्र लोगों के विरुद्ध सबंधित विभाग के अधिकारी कोई कानूनी कार्रवाई करेगे या फिर इस मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा ? क्या पात्र गरीब और बेघर परिवारों का हक ऐसे ही भ्रष्टाचार कर के अपात्र लोगों के द्वारा मारा जाता रहेगा? ऐसे ही कई सवाल पीएम आवास योजना से जुड़े अधिकारी - कर्मचारियों पर खड़े होते हैं। साथ ही उनकी कार्यशैली पर भी सवालिया निशान खड़ा करते हैं। आपको बता दें कि ऐसा ही एक मामला राजस्थान के जोधपुर जिले के आगोलाई में उजागर हुआ था। तत्कालीन जिला कलेक्टर ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए जांच के लिए आठ सदस्यों की जिला स्तरीय टीम गठित की और जांच सही पाई जाने पर आगोलाई के ग्राम अधिकारी को तुरंत हटा दिया गया। ग्राम अधिकारी को सस्पेंड करने के साथ ही 6 सीसीए की चार्ज सीट भी दी गई तथा इस योजना के अंदर अन्य जो संलिप्त थे, उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की गई। वहीं जिन लोगों ने गलत तरीके से पीएम आवास योजना का लाभ ले लिया था, उनसे वसूली की गई। इसके साथ ही आगोलाई के सरपंच के विरुद्ध भी धारा 38 के तहत कार्रवाई की गई थी।

राज्य स्तरीय विद्यालयी 19 वर्ष छात्र हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ

मेजबान टीम सत्र पर्यंत फ़तह स्कूल उदयपुर ने बूंदी को 19- 0 से हरा कर धमाकेदार शुरुआत की

संजीवनी टुडे

उदयपुर। 68वीं राज्य स्तरीय विद्यालयी 19 वर्ष छात्र हॉकी प्रतियोगिता आज पीएम श्री राजकीय फतह उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरजपोल में शुरू हुई । उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि उप महापोर नगर निगम उदयपुर पारस सिंघवी थे । समारोह की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के जिला सचिव कुलदीप शर्मा ने की । विशिष्ट अतिथि दिव्य ज्योति जागृति संस्थान की साध्वी चिन्मया भारती , जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक लोकेश भारती, उप जिला शिक्षा अधिकारी शारीरिक शिक्षा लक्ष्मण सालवी, प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक डॉ. गोविंद सिंह राठौड़ शहर विधायक प्रतिनिधि जगदीश शर्मा, हॉकी ओलंपिक समिति के सदस्य एवं जिला सचिव कुलदीप सिंह झाला, पार्षद प्रतिनिधि कालू गुर्जर, खेल सचिव डॉ धर्मेंद्र सिंह शक्तावत, चयन समिति के संयोजक दिग्विजय सिंह राणावत, राजस्थान शारीरिक

शिक्षक संघ के प्रदेश महामंत्री डॉ भैरू सिंह राठौड़, व्याख्याता महिपाल सिंह एवं शंभू सिंह थे। कार्यक्रम का संचालन योगेंद्र सिंह भाटी ने किया।कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के हाथों सरस्वती पूजन एवं बालिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना से की गई । विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों का स्वागत अभिनंदन मेवाड़ी साफा एवं ऊपरना धारण करवा कर तथा स्मृति चिन्ह भेंट करके किया गया। अतिथियों के स्वागत में बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई । इसके बाद प्रदेश भर के खिलाड़ियों के दलो द्वारा ध्वज को सलामी देते हुए मार्च पास्ट किया गया । उसके बाद मुख्य अतिथि सिंघवी द्वारा खेल प्रतियोगिता के उद्घाटन की घोषणा के बाद खिलाड़ियों द्वारा खेल को खेल एल भावना से खेलने की शपथ ग्रहण की गई। अतिथियों के हाथों ध्वजारोहन के बाद गुब्बारे आसमान में उड़ाकर तथा उद्घाटन मैच के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए हॉकी स्टीक से बोल मारकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि पारस सिंघवी ने कहा कि जीवन में खेल हमें बहुत कुछ सीखना है खेल गतिविधियां सदा जीवित रहनी चाहिए । उन्होंने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमारे अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय खिलाड़ियों को समय-समय पर अपने कार्यालय में आमंत्रित करके या देश-विदेश में फोन करके उनकी हौसला अफजाई और उसका उत्सावर्धन करते हैं यह खिलाड़ियों के लिए बड़े गर्व की बात है ।खेल को खेल की भावना से खेले। खेल में हार और जीत खेल भावना से परे होती हैं । स्वागत उद्बोधन प्रतियोगिता के संयोजक एवं प्रधानाचार्य चेतन पानेरी द्वारा प्रस्तुत किया गया। उद्घाटन समारोह को विशिष्ट अतिथि जिला हॉकी ओलंपिक समिति के संयुक्त सचिव कुलदीप सिंह झाला ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा घोषित की गई महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी को उदयपुर में खोले जाने के प्रयास किए जाने चाहिए ताकि यहां पर सभी प्रकार के खेलों को बढ़ावा मिले । चयन समिति के संयोजक दिग्विजय सिंह राणावत ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल प्रदेश की 43 टीमें ले रही है जिसमें 764 खिलाड़ी तथा 139 कोच एवं मैनेजर हैं । विशिष्ट अतिथि दिव्या ज्योति संस्थान की साध्वी चिन्मय भारती ने अपने संबोधन में कहा कि समय का सदुपयोग, लक्ष्य के प्रति फॉकस और मन को स्थिर रखकर लक्ष्य को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। उद्घाटन समारोह को प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक डॉक्टर गोविंद सिंह राठौड़ ने संबोधित किया तथा अध्यक्षीय उद्बोधन कार्यक्रम के अध्यक्ष जिला सेवा विधिक सेवा प्राधिकरण के जिला सचिव कुलदीप शर्मा ने प्रस्तुत किया। अंत में धन्यवाद एवं आभार प्रदर्शन प्रतियोगिता के सह सचिव डॉ धर्मेंद्र सिंह शक्तावत ने प्रकट किया। उद्घाटन मैच चूरू वर्सेस डूंगरपुर के मध्य खेला गया जो ड्रॉ रहा।मेजबान टीम सत्र पर्यंत फ़तह स्कूल उदयपुर ने बूंदी के खिलाफ 19-0 से विजय प्राप्त करते हुए धमाकेदार शुरुआत की ।

ऑनलाइन सेमिनार में नई शिक्षा नीति में स्किल डेवलपमेंट के बारे में दी जानकारी

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के राजकीय महाविद्यालय में शुक्रवार को आइक्यूएसी एवं आर एंड डी सेल, प्लेसमेंट सेल एवं वाणिज्य विभाग की ओर से एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज ऋषि मत्स्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शील सिंधु पांडे रहे। उन्होंने नई शिक्षा नीति में स्किल डेवलपमेंट की भूमिका के बारे में बताया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. आर एस राठौड़ ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन विभिन्न ऑनलाइन स्किल डेवलपमेंट पोर्टल और कोर्स की जानकारी दी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राकेश डांगी ने मॉडल कैरियर सेंटर में विभिन्न तरीके के रोजगार उन्मुखी मॉड्यूल के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. के एल मीना ने की। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अशोक काकोडिया ने किया। कार्यक्रम में आयुषी गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. आंचल मीना, प्रो. गजेंद्र महावर, प्रो. ओ.पी. मीना, प्रो. सुबोध शर्मा, प्रो. जितेंद्र यादव सहित संकाय सदस्य मौजूद रहे।

रखरखाव के कारण विद्युत आपूर्ति रहेंगी बाधित

संजीवनी टुडे

टहला(राजगढ़)। टहला, तालाब व पालपुर जीएसएस से होने वाली विद्युत आपूर्ति शनिवार सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक बंद रहेगी। जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड जीएसएस टहला व गोलाकाबास के कनिष्ठ अभियंता कुशाग्र शर्मा ने बताया कि टहला,पालपुर व तालाब सहित तीनों विद्युत सब स्टेशन लाइन की आवश्यक मरम्मत के कारण 33 केवी जीएसएस तालाब, टहला व पालपुर सब स्टेशन के अंतर्गत आने वाले गांव घेवर, तालाब, टहला, राजड़ोली, नैडोली, पालपुर, रामपुरा, धोलीखान, टोड़ा जयसिंहपुरा आदि गाँवों सहित तीनों सब स्टेशन से विद्युत आपूर्ति होने वाले सभी फीडरो की विद्युत सप्लाई शनिवार सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक बाधित रहेगी।

अमृत रेलवे स्टेशन बिजयनगर की नई बिल्डिंग पर लगा फ्लेक्स बना चर्चा का विषय

संजीवनी टुडे

बिजयनगर। अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत देश के 500 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य किए जा रहे इनमे अजमेर मण्डल मे अजमेर -चित्तौड़गढ़ खंड पर स्थित एनएसजी-4 श्रेणी का बिजयनगर स्टेशन भी शामिल है। अमृत स्टेशन योजना के तहत लगभग 17 करोड़ रुपये की लागत से बिजयनगर स्टेशन पर विकास कार्य तीव्र गति से जारी है। शुक्रवार इसके अंतर्गत बिजयनगर की नई स्टेशन की नयी बिल्डिंग पर एक समाज द्वारा हार्कादिक बधाई का फ्लेक्स लगाया गया जो चर्चा का विषय बना हुआ है। अमृत स्टेशन योजना के तहत विजयनगर स्टेशन पर नये स्टेशन भवन का निर्माण, सर्कुलेटिंग एरिया का विकास, अलग प्रवेश और निकास द्वार, दोपहिया और चार पहिया वाहनों के लिए अलग पार्किंग, यात्रियों के उतरने और चढ़ने के लिए पोर्च, प्रवेश कक्ष, दो लिफ्ट, स्टेशन भवन के अग्रभाग का सुधार, नए प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म स्तर पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं के साथ नए टॉयलेट ब्लॉक और वाटर बूथ, साइनेज का प्रावधान, प्लेटफार्मों पर कोच इंडिकेशन बोर्ड आदि का निर्माण कार्य जारी है। बिजयनगर रेल्वे स्टेशन अधीक्षक एल एन खोरवाल से जानकारी चाही तो गोलमाल जवाब देकर बचते नजर आये।

5.64 करोड़ के टेंडर में 10 गलतियां, निविदा जारी करने की तारीख ही नहीं

संजीवनी टुडे

मावली ।चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में मानव संसाधन सेवाएं उपलब्ध कराने वाली 5.64 करोड़ की निविदा में 10 से ज्यादा गलतियां सामने आईं हैं। चौंकाने वाली बात ये है कि इस निविदा को जारी करने की तारीख का हवाला तक नहीं है। ऐसे ही भरी हुई निविदा को जमा कराने के लिए भी अलग-अलग तारीखों का हवाला दिया है। हकीकत में विभाग के पास ई-ग्रास पर ऑनलाइन खाते जैसी सुविधा नहीं है। बावजूद इसके परफोर्मा के मुख्य पेज पर ही ई-ग्रास पर 25 सौ रुपए ऑनलाइन जमा कराने का जिक्र है। जबकि, निविदा के सब ऑर्डिनेट दस्तावेज में डीडी और बैंकर चेक जैसी सुविधाओं को भी कोट किया है। विभाग की ओर से अनिवार्यता के बावजूद ऑनलाइन निविदा को भारत सरकार के ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम पर ऑनलाइन नहीं किया गया है। केवल एसपीपीपी यानी स्टेट लेवल के सिस्टम पर ही चढ़ाया गया है। निविदा के इस दोहरेपन से विभागीय व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। दूसरी ओर जिम्मेदार भी पूरे मामले में गोलमोल जवाब दे रहे हैं। दरअसल, विभाग की ओर से सितंबर 2024 में एसपीपीपी सिस्टम पर 5 करोड़ 64 लाख 50 हजार लागत वाली दो वर्षीय निविदा ऑनलाइन की गई है। मनिविदा क्रमांक 2024-25 में जारी होने की तारीख वाला कॉलम खाली है। मपहले पेज पर लिखी शर्तों में सीएमएचओ के ई-ग्रास अकाउंट में 25 सौ रुपए जमा कराने को लिखा गया है। जबकि विभाग के पास ऐसे अकाउंट की सुविधा ही नहीं है। मनिविदा में प्री-बीड बैठक की तारीख 30 सितंबर तय की गई, लेकिन बैठक का स्थान इसमें नहीं बताया गया।

केंद्रीय कारागार में मनाया 'अपराधी सुधार दिवस

संजीवनी टुडे

जयपुर। निदेशक एवं शासन सचिव एवं जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार केंद्रीय कारागार जयपुर में समाज कल्याण सप्ताह (1 से 7 अक्टूबर)के तहत गुरुवार को 'अपराधी सुधार दिवसु मनाया गया। कार्यक्रम में दंडित बंदियों को परीवीक्षा अधिनियम 1958, संशोधन नियम 2021संबंधी तथा समाज कल्याण की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारियां दी। कार्यक्रम में अधीक्षक ने बंदियों को मानवीय मूल्यों को ग्रहण करने, महापुरुषों कि जीवनी अध्ययन करने की सलाह दी तथा गरिमा संस्थान की रामायण के हनुमानजी महाराज के व्यक्तित्व से संबंधित विनम्रता का पाठ पढ़ाया। हैतिविक ने मार्मिक संगीत के माध्यम से बंदियों को मंत्र मुक्त किया तथा विधि परामर्श के रूप में एल.आर. मीणा ने व्याख्यान प्रस्तुत किया । इस मौके पर राकेश मोहन अधीक्षक केंद्रीय कारागार, रामफूल मीणा परीवीक्षा एवं कारागार कल्याण अधिकारी जयपुर शहर, जितेंद्र कुमार सेठी परीवीक्षा एवं कारागार कल्याण अधिकारी, जयपुर ग्रामीण, विधि परामर्श के रूप में श्री एलआर मीणा राजस्थान विश्वविद्यालय विधि संकाय, गरिमा संस्थान की ओर से अभय तिवारी सांभर से पार्षद, विजयपाल हेतविक ने भाग लिया।

खबरें फटाफट

रोडवेज बस चालू करने की मांग: कल से जॉइंट एक्शन कमेटी के बैनर तले शुरू होगा अनशन

संजीवनी टुडे

कुम्भलगढ़। कुंभलगढ़ में रोडवेज बंस की मांग को लेकर 5 अक्टूबर से जॉइंट एक्शन कमेटी के बैनर तले आमरण अनशन किया जाएगा। डॉ राम मीणा ने बताया कि कुंभलगढ एक पर्यटक क्षेत्र है। 37 पंचायतों की पंचायत समिति और न्यायालय और उपखण्ड मुख्यालय भी है। लोगों को रोजाना जाना-आना पड़ता है। कुंभलगढ पंचायत समिति के लोग अधिकांश लोग महानगरों में व्यवसाय करते है। रोडवेज बसे बंद होने से आम जन को बहुत ही परेशानियों का सामना करना पड़ता है। राजस्थान सरकार ने छात्र-छात्राओं समेत महिला और वरिष्ठ नागरिक को 50 फीसदी की छूट दे रखी है। रोडवेज ही नहीं है तो छूट का फायदा कैसे मिलेगा।

दो मोटर साईंकिल की भिडंत मे दो की मौत

संजीवनी टुडे

सराड़ा। उदयपुर - अहमदाबाद नेशनल हाइवे 48 पर परसाद थाना क्षेत्र में हाइवे पर दो मोटर साईकिल की जबरदस्त भिडंत हो गई।दुर्घटना में मोटर साईकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार परसाद थाना क्षेत्र के पीपली अ में बुधवार देर रात लालाराम (25)पुत्र सोमा मीणा निवासी कानूवाड़ा बिलखाई अपने मामेरे भाई बारा निवासी नरेश पुत्र रमेश मीणा के साथ बारा से कानूवाडा बिलखाई जा रहे थे।तभी पीपली ए में गलत साईड सामने से आ रही तेज रफ्तार मोटर साईकिल ने जोरदार टक्कर मार दी।जिससे दोनों युवक गंभीर घायल हो गये।जहां राहगीरों ने घायल युवकों को ऋषभदेव हॉस्पिटल पहुंचाया गया।जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद लाला को मृत घोषित कर दिया गया वहीं नरेश की भी हालत गंभीर होने से उदयपुर एमबी अस्पताल उदयपुर रेफर कर दिया।जहां उपचार के दौरान नरेश की भी मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को दोनो युवक का पोस्टमार्टम करवाकर शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सुपुर्द कर दिये।पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है।

ईकेवाईसी,आयुष्मान कार्ड वितरण की समीक्षा की गई

संजीवनी टुडे

सलूंबर। सीएमएचओ डॉ जेपी बुनकर की अध्यक्षता में पंचायत समिति सलूंबर सभागार में शुक्रवार को चिकित्सा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान ईकेवाईसी,आयुष्मान कार्ड वितरण की विस्तार से चर्चा की गई इस दौरान सीएमएचओ डॉ जेपी बुनकर ने कम ईकेवाईसी और आयुष्मान कार्ड वितरण कम होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा की आगामी 15 दिनों में ईकेवाईसी एवं आयुष्मान कार्ड वितरण में गति बढ़ाने और राष्ट्रीय कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने के निर्देश दिए इस दौरान समीक्षा बैठक में सभी ब्लॉक से बीसीएमओ,सीएचओ, एएनएम, पिंटु कुमावत, डिप्टी सीएमएचओ महेंद्र लोहार सहित अन्य उपस्थित रहे।

सलूम्बर जिले के दो जनों को मिला आदिग्रामोत्थान सम्मान, गौरवान्वित क्षेत्र

संजीवनी टुडे

सलूंबर। माननीया राष्ट्रपति महोदया द्रोपदी मुर्मू ने 4 अक्टूबर को बांसवाड़ा जिले के मानगढ़ धाम पर आयोजित आदी गौरव सम्मान समारोह में सलूम्बर जिले से दो जनों को आदिग्रामोत्थान गौरव सम्मान के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान आदिग्रामोत्थान गौरव सम्मान के लिए ग्राम पंचायत अमलोदा की सरपंच भवरी देवी मीणा तथा पंचायत समिति झल्लारा के प्रधान धूलीराम मीणा को आदिग्रामोत्थान गौरव सम्मान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने ग्राम पंचायत अमलोदा और पंचायत समिति झल्लारा की पुरी टीम को बधाई दी ।

अजगर को रेस्क्यू किया

संजीवनी टुडे

उदयपुर। ग्राम पंचायत खेमली क्षेत्र में एक अजगर पकड़ा गया। सरपंच ने वन विभाग को सूचित किया। वन विभाग से शंकरलाल वन्यजीव परीक्षक कमलेश सुथार को सूचित किया। टीम मौके पर आई व करीब आठ फीट लंबे अजगर को पकड़ा । टीम अजगर को ले गई । देवीलाल डांगी मनोज चौधरी, खेलीलाल डांगी, नारायणलाल डांगी मौजूद रहे।

9 लोगों का शिकार करने वाले लेपर्ड का फिर हमला: उदयपुर में आदमखोर का आतंक; मां-बेटी बाल-बाल बची

शूटर की नई टीम बुलाई

संजीवनी टुडे

उदयपुर। आदमखोर लेपर्ड का शिकार होने से एक मां-बेटी बाल-बाल बच गई। दोनों ने घर बंद कर अपनी जान बचाई। वहीं, 9 लोगों को मार चुके लेपर्ड को पकड़ने के लिए अब शूटर्स की नई टीम बनाई गई है। सरिस्का, रणथंभौर और केवलादेव के अधिकारियों को इसमें शामिल किया गया है। टीम को वाइल्डलाइफ सीसीएफ टी मोहन राज लीड करेंगे। पूरे एरिया में वन विभाग के 50 से अधिक कर्मचारी और 12 शूटर्स एक सप्ताह से लेपर्ड को ट्रैक्यूलाइज करने की कोशिश में लगे हैं। दरअसल, जिले के गोगुंदा और झाड़ोल एरिया में बीते करीब 26 दिन ये लेपर्ड लगातार हमले कर रहा है। यहां के 4 से ज्यादा गांवों में दहशत है और ग्रामीणों में वन विभाग व प्रशासन के खिलाफ गुस्सा है। गुरुवार शाम को भी लोगों ने विभागीय कर्मचारियों पर पथराव किया था। गोगुंदा के खेड़ा गांव में लेपर्ड का गुरुवार रात को फिर से मूवमेंट देखा गया है। रात करीब 9 बजे पूनाराम गमेती के बाहर लेपर्ड ने एक मां-बेटी पर अटैक करने की कोशिश की, लेकिन दोनों ने खुद को घर में बंद कर जान बचाई। कुछ देर बाद ग्रामीणों के आने पर परिवार बाहर निकला तो पता चला कि लेपर्ड मुर्गियों का शिकार कर चला गया है। ये गांव कुडाऊ से 3 किलोमीटर की दूरी पर है, जहां 25 सितंबर की रात आदमखोर लेपर्ड ने 5 साल की बच्ची का शिकार किया था। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग यहां पिंजरा लगाए ताकि गांवों में लेपर्ड का आतंक बंद हो। मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक पवन उपाध्याय ने बताया कि लेपर्ड को शूट करने के लिए शुक्रवार से स्पेशल ऑपरेशन शुरू किया गया है। इसमें दो टीम फिल्ड में हैं। पहली टीम 4 से 6 अक्टूबर तक गोगुंदा में रहेगी। टीम को सीसीएफ वाइल्डलाइफ जयपुर टी. मोहन राज लीड कर रहे हैं। इनके साथ टीम में सरिस्का फील्ड डायरेक्टर संग्राम

सिंह और रामगढ़ विषधारी डीसीएफ संजीव शर्मा हैं। मुख्य वन संरक्षक उदयपुर सुनील छिब्बी ने बताया कि स्पेशल ऑपरेशन चलाने के लिए ईआरटी टीम गोगुंदा पहुंच चुकी है। इनके नेतृत्व में ऑपरेशन के लिए रणनीति बनाई गई है। जल्द ही लेपर्ड को पहले ट्रैंकुलाइज किया जाएगा। यदि वह पकड़ में नहीं आता है तो उसे शूट करेंगे। यदि इस टीम को सफलता नहीं मिलती है तो दूसरी टीम 7 से 9 अक्टूबर स्पेशल ऑपरेशन चलाएगी। दूसरी टीम में एपीसीएफ वाइल्ड लाइफ राजेश गुप्ता, रणथंभौर के फील्ड डायरेक्टर अनूप केआर और केवलादेव नेशनल पार्क भरतपुर के डीसीएफ मानस सिंह शामिल हैं। ये 7 अक्टूबर को गोगुंदा आएंगे। उदयपुर जिले के गोगुंदा और झाडोल ब्लॉक में लगातार लेपर्ड के हमलों को लेकर शुक्रवार को उदयपुर में देहात कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट पर धरना देकर प्रदर्शन किया। राज्य सरकार पर नेताओं ने हमला बोला और कहा कि वे जनता की मदद नहीं कर पा रहे है। धरने के दौरान शहर अध्यक्ष फतहसिंह राठौड़ बैरिकेड्स पर चढ़ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इसके बाद कांग्रेस के नेताओं ने मृतकों के परिवारजनों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन भी दिया। कांग्रेस नेताओं का कहना था- किसी के बच्चे की, किसी की मां तो किसी की पत्नी और पिता की जान जा रही है लेकिन वन विभाग लेपर्ड को पकड़ने में नाकामयाब रहा। लेपर्ड उसके उलट इंसानों पर हमले करता ही जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आदमखोर लेपर्ड के हमले में नेताओं ने कहा कि आदमखोर लेपर्ड के हमले में जिनकी जान गई। उनके परिवार को अभी तक उचित मुआवजा भी नहीं मिला है। गोगुंदा क्षेत्र में लगातार बढ़ते हमलों से ग्रामीणों में खासकर वन विभाग के कर्मचारी-अधिकारी के खिलाफ जोरदार गुस्सा देखने को मिल रहा है। एक दिन पहले भी केवलों का खेड़ा गांव में ग्रामीणों ने वन विभाग के कर्मचारियों पर पत्थरबाजी करते हुए उन्हें वहां से दौड़ाया था। कर्मचारियों ने स्कूल में बंद होकर अपनी जान बचाई। बाद में एसडीएम नरेश सोनी, थानाधिकारी शैतानसिंह नाथावत और उप जिला प्रमुख पुष्कर तेली मौके पर पहुंचे और समझाइश की। कई दिनों से जारी आदमखोर तेंदुए के आतंक को लेकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा बोले- सरकार की लापरवाही जानलेवा साबित हो रही कई दिनों से जारी आदमखोर तेंदुए के आतंक को लेकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार की असंवेदनशीलता लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि उदयपुर में लेपर्ड के हमले में कई जिंदगियां जा चुकी है, लेकिन भाजपा सरकार की ओर से न तो उचित मुआवजा दिया गया, न मुआवजे को लेकर एक समान नीति बनाई गई और न ही तेंदुए को पकड़ने का कोई ठोस प्रयास हुआ। उन्होंने कहा कि लोगों की जिंदगी दहशत में है और नीति बनाने वाले गफलत में हैं। इससे भी ज्यादा शर्मनाक ये है कि केंद्र में बैठे वन मंत्री राजस्थान से हैं, फिर भी कोई सुध लेने वाला नहीं है।

गोगुंदा में फिर बने तनाव के हालात: भारी पुलिस बल रहा तैनात, पुलिस प्रशासन ने समझाइश कर पाया हालात पर काबू

संजीवनी टुडे

उदयपुर। गोगुंदा थाना क्षेत्र में समुदाय विशेष के युवक द्वारा एक विवाहिता को भगा ले जाने के मामले में शुक्रवार को तनाव के हालात बन गए। पीड़ित विवाहिता ने थाने में आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दी। जिसमें बताया कि करीब एक वर्ष पहले सोनू नाम की आईडी से इंस्टाग्राम पर एक युवक का मैसेज आया। फिर बात होने लगी। कुछ दिन बाद वो बूझ का नाका बांध के पास एक सूने पड़े कमरे में ले गया और वहां उसके साथ रेप किया। साथ ही महिला की अश्लील फोटो ले ली। आरोपी ने अपना नाम फिराशत खान बताया और ब्लैकमेल कर धर्म परिवर्तन करने व शादी के लिए दबाव बनाने लगा। शुक्रवार को महिला पहाड़ी की ओर जा रही थी। तभी फिराशत खान आया, उसे बाइक पर बिठाकर ले जाने लगा। तभी गांव के फतेह लाल पालीवाल ने आकर उसे छुड़ाया। उसके बाद विवाहिता ने युवक के खिलाफ गोगुंदा थाने में रिपोर्ट दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। ग्रामीणों में जब धीरे-धीरे सूचना फैल गई तो विभिन्न हिंदू संगठनों के सैकड़ों लोग गोगुंदा बस स्टेण्ड पर एकत्रित हो गए। माहौल गर्माता देख भारी पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। इस दौरान एडिशनल एसपी गोपाल स्वरूप

मेवाड़ा व डिप्टी गजेंद्र सिंह पुलिस थाने में मौजूद रहे। विभिन्न हिंदू संगठनों ने गोगुंदा थानाधिकारी पर गाली - गलौज करने का आरोप लगाते हुए थाने के बाहर प्रदर्शन किया। संगठन से जुड़े लोग एसपी के मौके पर आकर ज्ञापन लेने की मांग पर अड़ गए। बाद में एसडीएम डॉ. नरेश सोनी ने ज्ञापन लेकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। थानाधिकारी थानाधिकारी शैतानसिंह ने बताया कि मैं टीम के साथ केलवों का खेड़ा में लेपर्ड के सर्च ऑपरेशन में था। कुछ लोगों द्वारा बाजार बंद करवाने की सूचना मिली, जिस पर मैं उच्चाधिकारियों के निर्देश पर गोगुंदा बसस्टेंड पहुंचा। वहां कुछ लोग दुकानें बंद करवाने का प्रयास कर रहे थे। तब मैंने दुकानें बंद करवाने से रोका। गाली गलौच करने के आरोप झूठे है।

युवक ने थाने में किया सुसाइड, कमरे में लटका मिला शव: रेप केस में पूछताछ करने लाए थे

संजीवनी टुडे

भाई बोला- पुलिसकर्मियों ने शराब पीकर पीटा

जोधपुर। रेप के मामले में हिरासत में लिए गए युवक ने थाने में सुसाइड कर लिया। थाने के एक कमरे में शुक्रवार सुबह युवक का शव फंदे से लटका मिला। घटना फलोदी जिले के देचू थाना की है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस के आलाधिकारी और ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

युवक के भाई ने आरोप लगाया कि पुलिस 3 दिन पहले उसके भाई को पकड़कर ले गई थी। रात को पुलिसकर्मियों ने शराब पीकर उसके भाई के साथ मारपीट की। जानकारी के अनुसार मूक बधिर बालिका से रेप के मामले में पूछताछ के लिए पुलिस एक युवक को थाने लेकर आई थी। यवक को हवालात में को थाने लेकर आई थी। युवक को हवालात में रखने के बजाय एक कमरे में पूछताछ के लिए बैठाया था। देर रात को युवक ने अपने गमछे से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। रात के समय कॉन्स्टेबल भागीरथ राम की ड्यूटी थी। युवक की मौत की जानकारी मिलने पर परिजन और ग्रामीण सुबह करीब 9 बजे थाने के बाहर पहुंचे और धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। युवक के शव को फंदे से उतारकर देचू हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी में रखवाया गया है।

मामले में निष्पक्ष जांच की जाएगी फलोदी एसपी पूजा अवाना ने बताया- एक युवक ने थाने में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। इसको लेकर जांच चल रही है। इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच की जाएगी। फलोदी एसपी पूजा अवाना ने बताया- एक युवक ने थाने में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। इसको लेकर जांच चल रही है। इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच की जाएगी। युवक के भाई ने बताया- उसके भाई को तीन दिन पहले पुलिस पकड़कर लेकर गई थी। गुरुवार रात 8:30 बजे वह उसे खाना देकर आया था। तब वह ठीक लग रहा था। उसने कहा कि उस पर मामला दर्ज है, लेकिन जांच में सब सामने आ जाएगा। युवक के भाई ने आरोप लगाया कि पुलिस थाने में रात 8 बजे बाद शराब पार्टी शुरू हो जाती है। जब वह थाने से निकलने लगा तो शराब की बोतलें रखी हुई थी। रात को पुलिसकर्मियों ने शराब पीकर उसके भाई के साथ मारपीट की। पुलिस अधिकारी शंकर लाल ने कहा था कि अपने भाई को बचाना है तो पर्सनल थाने आकर मिल लें।

युवक को मूक बधिर नाबालिग बच्ची से रेप के मामले में पूछताछ के लिए गुरुवार को थाने लाया गया था। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा।

पूजा अवाना एसपी, फलोदी

सगरून पंचायत क्षेत्र में चोरों की धमाल: 10 मकान के ताले तोड़कर नकदी सहित आभूषण व बाइक चोरी की

संजीवनी टुडे

राजसमंद। सगरून पंचायत क्षेत्र में चोरों ने धमाल मचाते हुए 10 मकान के ताले तोड़कर नकदी सहित ज्वेलरी व बाइक चुरा ली। चोरी की वारदात सीसीटीवी केमरे में कैद हो गई।चोर दिखाई दे रहे है। जानकारी के अनुसार कुछ मकानों से करीब 85 हजार रूपए नकद, आधा किलो चांदी के आभूषण और चार बाइक चुरा ली। बाद में ग्रामीणों को तीन बाइक वापस मिल गई। 10 मकान में से 5 मकान मालिकों के बाहर रहने से घर सुने पड़े थे जिसके बाद चोरों ने धावा बोलकर कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरी की सूचना पर खमनोर थाना पुलिस ने मौका मुआयना किया। चोरी की वारदात में सुख सिह उर्फ शंकर सिंह पुत्र नाथूसिंह के मकान से 40 हजार नकद ओर घरेलू सामान, सोहनी पत्नी दितराम नगारची के मकान से आधा किलो चांदी के आभूषण ओर 3 हजार नकद, भावना के मकान से 45 हजार नकद ओर 4 जोड़ी नए कपड़े, प्रकाश पुत्र फतह लाल लौहार की मोटरसाइकिल चोरी कर के ले गए। वही घटना को लेकर जिला परिषद सदस्य कुक सिंह गौड़, उप सरपंच शंकर सिंह, गुलाब सिंह, प्रकाश लौहार, मांगू सिह, प्रकाश सिंह, कपिल जैन, भावना सहित ग्रामीणों ने पुलिस थाने पहुँच कर सगरून में रात्रि गश्त बढ़ाने और अज्ञात चोरों को पकड़ने की मांग की।

लेपर्ड के हमले से आक्रोश, कांग्रेस का प्रदर्शन

कलेक्ट्रेट पर बैरिकेड्स पर चढ़े नेता, बोले- पीड़ित परिवारों को मुआवजा और सरकारी नौकरी दे सरकार

संजीवनी टुडे

उदयपुर। उदयपुर जिले के गोगुंदा और झाडोल ब्लॉक में लगातार लेपर्ड के हमलों को लेकर ग्रामीणों में विरोध है। आज उदयपुर में देहात कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट पर धरना देकर प्रदर्शन किया। राज्य सरकार पर नेताओं ने हमला बोला और कहा कि वे जनता की मदद नहीं कर पा रहे है। धरने के बाद कलेक्ट्रेट पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शहर अध्यक्ष फतहसिंह राठौड़ बैरिकेड्स पर चढ़ गए। इस दौरान कांग्रेस ने मृतकों के परिवारजनों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन भी दिया। कांग्रेस नेताओं ने कहा- किसी के बच्चे की, किसी की मां तो किसी की पत्नी और पिता की जान जा रही है लेकिन वन विभाग लेपर्ड को पकड़ने में नाकामयाब रहा। लेपर्ड उसके उलट इंसानों पर हमले करता ही जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आदमखोर लेपर्ड के हमले में जिनकी जान गई। उनके परिवार को अभी तक उचित मुआवजा भी नहीं मिला है। पूर्व मंत्री और गोगुंदा के पूर्व विधायक डॉ. मांगीलाल गरासिया ने कहा- दो सप्ताह से ज्यादा समय हो गया है लेकिन अभी तक लेपर्ड को नहीं पकड़ सकें। उन्होंने कहा कि लोगों की मौत का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है

लेकिन सरकार ने इसको गंभीरता से नहीं लिया है। उदयपुर के पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा ने कहा- लेपर्ड को लेकर इस तरह की घटनाएं बढ़ी है तो सरकार और वन विभाग को इसकी तह में जाना चाहिए और सबसे पहले इन गांवों में खौफ में जी रहे लोगों को संबल देते हुए उनकी जान बचाए। धरने में उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष कचरू लाल चौधरी, शहर अध्यक्ष फतहसिंह राठौड़, लोकसभा के कांग्रेस के प्रत्याशी ताराचंद मीणा, मावली विधायक पुष्करलाल डांगी, कांग्रेस नेता जगदीशराज श्रीमाली, वल्लभनगर की पूर्व विधायक प्रीति गजेंद्र सिंह शक्तावत, उदयपुर ग्रामीण से कांग्रेस प्रत्याशी रहे विवेक कटारा, दिनेश श्रीमाली, पंकज शर्मा, नजमा मेवाफरोश, डॉ. संजीव राजपुरोहित, टीटू सुथार, रामसिंह चदाणा सहित गोगुंदा और बड़गांव ब्लॉक के कांग्रेसी कार्यकर्ता भी शामिल हुए। झाला ने कहा कि प्रत्येक मृतकों के परिवार को 50-50 लाख रुपए का मुआवजा देते हुए एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

जिला कलेक्टर ने टेकण में आयोजित जनसुनवाई में आमजन की परिवेदनाओं का किया निस्तारण

संजीवनी टुडे

सलूंबर। राज्य सरकार द्वारा आमजन को संवदेनशील, जवाबदेह, पारदर्शिता के साथ जन समस्याओं का निस्तारण करने के लिए मुख्य सचिव के निर्देशानुसार शुक्रवार को ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत जिले की सभी ग्राम पंचायतों में जनसुनवाई आयोजित की गई। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने शुक्रवार को टेकण ग्राम पंचायत में जनसुनवाई कार्यक्रम का निरीक्षण कर आमजन के अभाव–अभियोग सुनें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का संवेदनशीलता के साथ निस्तारण कर परिवादियों को राहत देना सुनिश्चत करें। उन्होंने निर्देशित किया कि असंतुष्ट परिवादियों को ग्राम पंचायत में बुलाकर उनसें बात करें और प्रयास यह रहे कि परिवादी अपनी समस्या के निदान से संतुष्ट होवे। जिला कलेक्टर ने इस दौरान विभागीय अधिकारियों को सभी समस्याओं का उचित समाधान करवाने का निर्देश दिए और जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणो का मौके पर ही निस्तारण किया गया तथा बाकी परिवादों को संपर्क पोर्टल पर दर्ज कर जल्द से जल्द इनके निस्तारण के लिए जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान तहसीलदार रामजी लाल गुर्जर, विकास अधिकारी, कालु राम मीणा सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी व ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

राजसमंद में बॉक्सर को चाकू मारा, पथराव और आगजनी: रात में कई घंटे तक नारेबाजी

संजीवनी टुडे

6 थानों की पुलिस तैनात, सुबह से इलाके में शांति

राजसमंद। चाकूबाजी की घटना से माहौल गरमा गया। गुस्साए लोगों ने मकानों से भीड़ पर पत्थर फेंके और एक ऑटो में आग लगा दी। इसके बाद भीड़ ने कई घंटे तक जमकर नारेबाजी भी की। दी। इसके बाद भीड़ ने कई घंटे तक जमकर नारेबाजी भी की। तनाव बढ़ता देख 6 थानों की पुलिस के साथ रिजर्व फोर्स की दो कंपनियां भी तैनात की गई हैं। घटना शहर के राजनगर थाना सर्कल में गुरुवार रात करीब 10 बजे की है। हालांकि, आज सुबह से पूरे इलाके में शांति और पुलिस फ्लैग मार्च कर रही है।

एएसपी महेंद्र पारीक ने बताया- कल की घटना के बाद कांकरोली और राजनगर इलाकों में पुलिस ने रूट मार्च किया। इसका उद्देश्य शहर में कानून व्यवस्था कायम रखना है। पुलिस मुस्तैद है और संवेदनशील इलाकों में तैनात है। सोशल मीडिया के जरिए या फिजिकली कोई भी कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करेगा तो कठोर कार्रवाई करेंगे। चाकूबाजी के प्रकरण में

जांच जारी है। जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करेंगे। आमजन से अपील है कि सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरों पर विश्वास न करें, पुलिस से कन्फर्म करें। सुबह घर के बाहर खड़े वाहनों के शीशे टूटे मिले शुक्रवार सुबह जब लोग घरों से निकले तो बाहर खड़े वाहनों के शीशे टूटे मिले। इलाके में एक टैम्पो के शीशे टूटे मिले। वहीं एक बाइक की लाइट भी टूटी हुई मिली।

डिप्टी एसपी विवेक सिंह ने बताया कि भिक्षु निलयम के पास दो युवकों ने कांकरोली के रहने वाले दक्ष प्रजापत (25) नाम के युवक पर चाकू से हमला कर दिया था। युवक पेशे से बॉक्सर है। शाम करीब 6.30 बजे हुई घटना में युवक के हाथ पर चोट आई थी। स्थानीय लोगों की सूचना पर उसे पुलिस हॉस्पिटल ले गई। जहां रात में ही उसे छुट्टी दे दी गई। देर रात पथराव, आगजनी की घटना

शाम को हुई चाकूबाजी की घटना के बाद राजनगर थाने में लोग जुटने लगे। लोग नारेबाजी कर हमलावरों को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे।

नारेबाजी करते हुए जब लोग नायकवाड़ी से गुजरे तो मकानों के ऊपर से उन पर पथराव शुरू हो गया। इसके बाद भगदड़ मच गई। सीआई योगेश चौहान सहित अन्य पुलिस कर्मियों ने लोगों को वहां से हटाया और पथराव करने वालों को चेतावनी दी। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने माणक चौक इलाके में मकानों पर पथराव कर दिया। गुस्साए लोगों ने एक सवारी टेम्पो को आग लगा दी और शीशे फोड़ दिए। सूचना पर मौके पर पहुंचे नगर परिषद की दमकल ने आग बुझाई। डिप्टी एसपी विवेक सिंह ने नायकवाड़ी इलाके में जुटे लोगों को समझाकर शांत किया।

रातभर तैनात रही पुलिस फोर्स

बताया जा रहा है हमलावर युवक नायकवाड़ी के रहने वाले हैं। रात करीब 10 बजे बाद राजनगर क्षेत्र में पत्थरबाजी, आगजनी की घटना से माहौल तनाव पूर्ण हो गया। घटना के बाद राजनगर क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। हमले के बाद कई संगठनों के पदाधिकारी भी राजनगर थाने पहुंचे और आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग की। हमलावारों को पकड़ने के लिए टीमों का गठन किया गया है। इलाके में आधा दर्जन थानों के साथ पुलिस लाइन से अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। फिलहाल पूरे इलाके में शांति है। पुलिस अनुसार 7 दिन पहले भी मामूली झगड़े के कारण राजनगर में तनाव हो गया था।

इनका कहना है

लोग सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरों के झांसे में न आएं। संदेह हो तो पुलिस से कन्फर्म करें। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेंगे।

(महेंद्र पारीक एएसपी राजसमंद)

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

विश्वविद्यालय खोलना चाहती थी राजमाता

ग्वालियर के जिस जयविलास पैलेस को लोग दुनियाभर से देखने आते है उसे राजमाता विजयाराजे सिंधिया जीवाजी विश्वविद्यालय को दान करना चाहती थी ताकि ग्वालियर रियासत के बच्चों को बेहतर उच्च शिक्षा मुहैया हो सके।जय विलास महल दुनिया के सबसे महंगे और आकर्षक महलों में एक है लेकिन राजमाता को इसके कंगूरे,परकोटा,ऐतिहासिक झूमर,डायनिंग टेविल पर चलती खाने की ट्रेन ,घोड़े बग्गी,और शाही वैभव के दूसरे दस्तूर कतई प्रभावित नही करते थे।ऐसा लगता था कि राजमाता सिंधिया ने खुद को सांसारिक सुख सुविधाओं से काफी उपर उठा लिया था।

राजमाता सिंधिया भारतीय जनता पार्टी की संस्थापक सदस्य थी उन्होंने मध्यप्रदेश में संघ और बीजेपी के विस्तार के लिये अपने शाही प्रभाव और ताकत का खुलकर उपयोग किया।हमारे मौजूदा लोकतंत्र में उनके जैसे व्यक्तित्व बिरले ही है जिन्होंने सत्ता पद की अभिलाषा को कभी भी खुद की मौलिकता पर हावी नही होने दिया।आज राजमाता विजयाराजे सिंधिया की राजनीतिक विरासत दोनों ही प्रमुख दलों में है।ज्योतिरादित्य सिंधिया,वसुंधरा राजे सिंधिया,यशोधरा राजे क्रमशः कांग्रेस बीजेपी में ताकतवर नेताओं में शुमार है।लेकिन सवाल यह है कि भारतीय राजनीति में राजमाता का वैशिष्ट्य क्या?क्यों केंद्र सरकार उनकी जन्मशताब्दी बर्ष को सरकारी और पार्टी स्तर पर मना रही है।इसका जबाब बीजेपी में अटल ,आडवाणी जोशी,ठाकरे,प्यारेलाल, युग के नेता बहुत ही प्रमाणिक तरीके से दे सकते है।इस पीढी के नेताओं ने विजयाराजे सिंधिया को जनसंघ,बीजेपी और संघ के मामलों में अपना सब कुछ दांव पर लगाते हुए देखा है।इसलिये संभव है आज की पीढ़ी राजमाता को सिर्फ इतना भर जानती हो कि वे वसुन्धरा राजे और,स्व.माधवराव सिंधिया,यशोधरा राजे की मां है।लेकिन राजमाता के व्यक्तित्व का कैनवास बहुत बड़ा था।वे भारत मे जेन्डर केस स्टडी भी है।दुर्भाग्य से राजमाता सिंधिया को उनके परकोटे के वारिसो ने एक सीमित दायरे में कैद कर दिया है।बीजेपी संगठन के मंचों पर राजमाता के चित्र पर रस्मी माल्यार्पण के अलावा पार्टी में राजमाता को लेकर कोई विचार भाव नजर नही आता है।उनके परिवार के ताक़्तवर सदस्य भी सिर्फ उन्हें त्याग तपस्या की देवी की तरह पूजने के कुछ लोगों के प्रयोजित और विचारशून्य उपक्रम से खुश रहते है। ?क्या राजमाता सिंधिया सिर्फ त्याग की और कतिपय वात्सल्य की मूर्ति थी? जैसा उनके कुछ अनुयायियों द्वारा दावा किया जाता है।हकीकत यह है कि राजमाता को लेकर यह उनका सतही मूल्यांकन है त्याग तो उन्होंने किया यह तथ्य है। वह चाहती तो 1967 में ही मप्र की मुख्यमंत्री बन सकती थीं, ,1977,1989 में फिर उनके पास यही अवसर विनय की मुद्रा लिए खड़े थे।1996,1998,1999,में वह भी राष्ट्रपति भवन में मंत्री पद की शपथ ले सकती थी।वह खुद भैरोसिंह शेखावत की जगह उपराष्ट्रपति हो सकती थी।बीजेपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष तो जब चाहती तब बन सकती थी।लेकिन विजयाराजे सिंधिया ने इन सभी अवसरों दूसरों के लिये छोड़ दिया।यह उनके राजनीतिक त्याग की मिसाल ही है।वाकई आज की पीढ़ी में यह त्यागभाव असंभव है। इसलिये इस त्याग भाव को केवल पूजने से काम नही चलेगा आवश्यकता आज इस बात की है कि उनके इस त्याग भाव को समाज के सामान्य जनजीवन में स्थापित कैसे किया जाए ?इसे सोशल ट्रांसफॉर्मेशन की केस स्टडी बनाकर कैसे आगे बढ़ाया जाए?क्योंकि इसी भावना के लोप ने आज की सियासत को गंदा कर दिया है। ?सवाल यह है कि राजमाता को क्या सिर्फ बीजेपी की एक दिग्गज नेत्री के रूप याद किया जाना चाहिये?असल में राजमाता सिंधिया जम्हूरियत मे लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना।लोकशाही और राजशाही के बीच अद्भुत समन्यव।शाही वैभव के बावजूद सत्ता से सदैव दूरी बनाने।पितृसत्ता को सफलतापूर्वक जमीदोज करने वाली शख्सियत के रूप में याद की जाना चाहिये।राजमाता सिर्फ दूसरे राजाओं की तरह अपनी रियासतों और सुख सविधाओं को बचाने के लिये परकोटे से बाहर नही आई थी उनका अपना सामाजिक राजनीतिक चिंतन था इसलिये वे राजनीति में नेहरू की पहल पर कांग्रेस में शामिल तो हुई लेकिन सत्ता की हनक के आगे जब राजमाता ने आम आदमी खासकर अपनी पुरानी रियासत में (छात्र आंदोलन) दमनभाव को देखा तो भारत की राजनीति के सबसे मजबूत मुख्यमंत्री डीपी मिश्रा से भिड़ने में लेश मात्र संकोच नही किया। क्या आज के नेता यह साहस कर सकते है?भारत के संसदीय इतिहास में राजमाता प्रेरित ऑपरेशन डीपी मिश्रा सियासत में नारी शक्ति की स्वतंत्र ताकत का ही प्रदर्शन था।सियासत में सयंम और शालीनता के गायब हो चुके अपरिहार्य तत्व की तालीम आज के सियासी लोग उनसे हासिल कर सकते है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ड, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, म, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

बीज से वटवृक्ष : संघशक्ति का विस्तार

विचार बिन्दु

लोकेन्द्र सिंह

भारतीय समाज का ताना-बाना मातृशक्ति के आस-पास ही बुना हुआ दिखता है। श्रीमदभगवत गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने समाज धारणा के लिए नारी की सुप्त शक्तियों को आधार रूप माना है। उस शक्ति का जागरण करते हुए, शक्ति को संघटित करते हुए, उसे राष्ट्र निर्माण कार्य में लगाने के उद्देश्य को लेकर श्रीमती लक्ष्मीबाई केलकर ने 1936 में राष्ट्रीय सेविका समिति की स्थापना की थी। संघ की तरह ही विजयादशमी के दिन वर्धा में समिति की स्थापना हुई थी।

डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने 1925 में विजयादशमी के दिन शुभ संकल्प के साथ एक छोटा बीज बोया था, जो आज विशाल वटवृक्ष बन चुका है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक-सामाजिक संगठन के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हमारे सामने है। नन्हें कदम से शुरू हुई संघ की यात्रा समाज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पहुँची है, न केवल पहुँची है, बल्कि उसने प्रत्येक क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। ऐसे अनेक क्षेत्र हैं, जहाँ संघ की पहुँच न केवल कठिन थी, बल्कि असंभव मानी जाती थी। किंतु, आज उन क्षेत्रों में भी संघ नेतृत्व की भूमिका में है। बीज से वटवृक्ष बनने की संघ की यात्रा आसान कदापि नहीं रही है। 1925 में जिस जमीन पर संघ का बीज बोया गया था, वह उपजाऊ कतई नहीं थी। जिस वातावरण में बीज का अंकुरण होना था, वह भी अनुकूल नहीं था। किंतु, डॉक्टर हेडगेवार को उम्मीद थी कि भले ही जमीन ऊपर से बंजर दिख रही है, परंतु उसके भीतर जीवन है। जब माली अच्छा हो और बीज में जीवटता हो, तो प्रतिकूल वातावरण भी उसके विकास में बाधा नहीं बन पाता है। भारतीय संस्कृति से पोषण पाने के कारण ही अनेक संकटों के बाद भी संघ पूरी जीवटता से आगे बढ़ता रहा। अनेक झंझावातों और तूफानों के बीच अपने कद को ऊंचा करता रहा। अनेक व्यक्तियों, विचारों और संस्थाओं ने संघ को जड़ से उखाड़ फेंकने के प्रयास किए, किंतु उनके सब षड्यंत्र विफल हुए। क्योंकि, संघ की जड़ों के विस्तार को समझने में वह हमेशा भूल करते रहे। आज भी स्थिति कमोबेश वैसी ही है। आज भी अनेक लोग संघ को राजनीतिक चश्मे से ही देखने की कोशिश करते हैं। पिछले 97 बरस में इन लोगों ने अपना चश्मा नहीं बदला है। इसी कारण ये लोग संघ के विराट स्वरूप का दर्शन करने में असमर्थ रहते हैं। जबकि संघ इस लंबी यात्रा में समय के साथ सामंजस्य बैठाता रहा और अपनी यात्रा को दसों दिशाओं में लेकर गया। संघ के स्वयंसेवक एक गीत गाते हैं- 'दसों दिशाओं में जाएं, दल बादल से छा जाएं, उमड़-घुमड़ कर हर धरती पर नंदनवन-सा लहराएं'। इसके साथ ही संघ में कहा जाता है- 'संघ कुछ नहीं करेगा और संघ का स्वयंसेवक कुछ नहीं छोड़ेगा'। इस गीत और कथन, दोनों का अभिप्राय स्पष्ट है कि संघ के स्वयंसेवक प्रत्येक क्षेत्र में जाएंगे और उसे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के साथ समृद्ध करने का प्रयत्न करेंगे। संघ का मूल कार्य शाखा के माध्यम से संस्कारित और ध्येयनिष्ठ नागरिक तैयार करना है। अपनी स्थापना के पहले दिन से संघ यही कार्य कर रहा है। यह ध्येयनिष्ठ स्वयंसेवक ही प्रत्येक क्षेत्र में संघ के विचार को लेकर पहुँचे हैं और वहाँ उन्होंने संघ की प्रेरणा से समविचारी संगठन खड़े किए हैं। आज की स्थिति में समाज जीवन का कोई भी क्षेत्र संघ के स्वयंसेवकों ने खाली नहीं छोड़ा है। संघ से प्रेरणा प्राप्त समविचारी संगठन प्रत्येक क्षेत्र में राष्ट्रीय हितों का संरक्षण करते हुए सकारात्मक परिवर्तन के ध्वज वाहक बने हुए हैं। शिक्षा, कला, फिल्म, साहित्य, संस्कृति, खेल, उद्योग, विज्ञान, आर्थिक क्षेत्र सहित मजदूर, इंजीनियर, डॉक्टर, प्राध्यापक, किसान, वनवासी इत्यादि वर्ग के बीच में भी संघ के समविचारी संगठन प्रामाणिकता से कार्य कर रहे हैं।

शिक्षा में हो संस्कार

राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ की प्रेरणा से प्रारंभ होनेवाला सबसे पहला समविचारी संगठन है- अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद। छात्र शक्ति को रचनात्मक दिशा देकर, राष्ट्र निर्माण निर्माण में सहयोगी बनाने के उद्देश्य से 9 जुलाई, 1949 को विद्यार्थी परिषद की स्थापना हुई। शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती और भारतीय शिक्षण मंडल जैसे संगठन सक्रिय हैं। विद्यालयीन शिक्षा के क्षेत्र सरकार के बाद विद्या भारती ही सबसे बड़ा शिक्षा संस्थान है, जो नगरों और गाँवों तक सीमित नहीं है, बल्कि वनवासी क्षेत्रों में भी शिक्षा का उजियारा फैला रहा है। आज लगभग सम्पूर्ण भारत में 86 प्रांतीय एवं क्षेत्रीय समितियाँ विद्या भारती से संलग्न हैं। इनके अंतर्गत कुल मिलाकर 23 हजार 320 शिक्षण संस्थाओं में 1 लाख 46 हजार 643 शिक्षकों के मार्गदर्शन में 34 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा एवं संस्कार ग्रहण कर रहे हैं। इसके साथ ही शिक्षकों के मध्य अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के माध्यम से स्वयंसेवक कार्यरत हैं।

नगर, ग्राम, वनांचल में जगाते हिन्दू स्वाभिमान

हिन्दू समाज के खोये हुए स्वाभिमान को जगाने और समय के साथ व्याप्त भेदभाव को समाप्त कर समरसता लाने के लिए 'विश्व हिन्दू परिषद' बड़े फलक पर कार्य कर रहा है। विहिप के प्रयास से पहली बार हिन्दू संत-महात्माओं को एक मंच पर लाकर 'हिन्दवः सोदराः सर्वे, न हिन्दूः पतितो भवेत' का संदेश समाज को दिया गया। आज श्रीरामजन्मभूमि मंदिर आंदोलन का सुफल परिणाम भी हमें इसी संगठन के प्रयासों से दिख रहा है। वनांचल में हिन्दू समाज को विधर्मियों के षड्यंत्र से बचाने और उनके हितों की चिंता करने के लिए वनवासी कल्याण आश्रम का काम 1952 में ही प्रारंभ हो गया था। इस संगठन में लगभग एक हजार पूर्णकालिक कार्यकर्ता (प्रचारक) कार्य कर रहे हैं, जिनमें से 700 कार्यकर्ता जनजातीय समाज के ही हैं। वनवासी कल्याण आश्रम के तहत शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग प्रशिक्षण और धर्म तथा राष्ट्रभाव जागरण से जुड़े 10 हजार से अधिक प्रकल्प चल रहे हैं।

श्रमिक-किसान बनें भारत की शक्ति

श्रमिकों के क्षेत्र में कम्युनिस्टों की वर्चस्व को खत्म करने का काम भारतीय मजदूर संघ ने किया। आज भारतीय मजदूर संघ भारत का सबसे बड़ा केंद्रीय श्रमिक संगठन है। राष्ट्रऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी ने 23 जुलाई, 1955 को बीएमएस की स्थापना की थी। भारतीय मजदूर संघ की स्थापना से पूर्व भारत में जितने भी मजदूर संगठन कार्यरत थे, वे सब किसी न किसी राजनीतिक दल के हिस्से थे। अर्थात उन मजदूर संगठनों का उद्देश्य श्रमिक वर्ग का भला करना कम, बल्कि अपने राजनीतिक दल के राजनीतिक हितों की पूर्ति करना अधिक था। इसी तरह, भारत के दूसरे बड़े वर्ग किसानों के बीच संघ के स्वयंसेवक 'भारतीय किसान संघ' के माध्यम से कार्य करते हैं। यह संगठन आज किसानों का सबसे बड़ा अखिल भारतीय संगठन है। सेवा के क्षेत्र में प्रामाणिक कार्य करके सेवाभारती ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। कोरोना महामारी में सेवाभारती के कार्यों की सराहना विश्व स्तर पर हुई। यह दुनिया का एकमात्र संगठन है, जो सेवा नित्य सेवा के उपक्रम चलाता है। स्वदेशी का भाव जागरण करने के लिए स्वदेशी जागरण मंच सक्रिय है।

मातृशक्ति के बिना भारत की भक्ति कहाँ

भारतीय समाज का ताना-बाना मातृशक्ति के आस-पास ही बुना हुआ दिखता है। श्रीमदभगवत गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने समाज धारणा के लिए नारी की सुप्त शक्तियों को आधार रूप माना है। उस शक्ति का जागरण करते हुए, शक्ति को संघटित करते हुए, उसे राष्ट्र निर्माण कार्य में लगाने के उद्देश्य को लेकर श्रीमती लक्ष्मीबाई केलकर ने 1936 में राष्ट्रीय सेविका समिति की स्थापना की थी। संघ की तरह ही विजयादशमी के दिन वर्धा में समिति की स्थापना हुई थी। समिति की गतिविधियां लगभग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तरह ही संचालित होती हैं। नित्य शाखा, प्रार्थना से लेकर प्रशिक्षण शिविर तक की रचना है। राष्ट्र सेविका समिति का ध्येयसूत्र है - 'स्त्री राष्ट्र की आधारशीला है।'

दसों दिशाओं में जाएं, दल-बादल से छा जाएं

इसके अलावा संघ से प्रेरित होकर समाज के बीच काम करनेवाले बड़े संगठनों के नाम इस प्रकार हैं- राष्ट्रीय मुस्लिम मंच, राष्ट्रीय सिख संगत, संस्कार भारती, चित्र भारती, आरोग्य भारती, क्रीडा भारती, भारत विकास परिषद, भारतीय इतिहास संकलन योजना, सहकार भारती, लघु उद्योग भारती, सीमा जनकल्याण समिति, विज्ञान भारती, संस्कृत भारती और प्रज्ञा प्रवाह इत्यादि। इस प्रकार जब हम समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में नजर दौड़ाते हैं, तो प्रत्येक क्षेत्र में संघ की विचारधारा की मजबूत उपस्थिति पाते हैं। आज ढूंढ़ने से भी ऐसा क्षेत्र नहीं मिलेगा, जहाँ संघ कार्य नहीं पहुँचा है। संघ की शाखा से निकल कर स्वयंसेवकों ने प्रत्येक क्षेत्र में समविचारी संगठनों के माध्यम से कार्य प्रारंभ किया है। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, विवेकानंद केंद्र, हिंदू स्वयंसेवक संघ, विश्व संवाद केंद्र, इस प्रकार के बड़े संगठनों के नामों की श्रृंखला बहुत बड़ी है। संघ के स्वयंसेवक जिस गीत (दसों दिशाओं में जाएं...) को दोहराते हैं, उसको वह जी रहे हैं और सिद्ध भी कर रहे हैं।

मां कात्यायनी की आराधना से मिलते हैं चारों पुरुषार्थ

शक्ति के छठे रूप को मां कात्यायनी के नाम से जाना जाता है। इनकी उपासना से जीवन के चारों पुरुषार्थों अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष की आसानी से प्राप्त हो जाती है। तो आइए हम आपको मां कात्यायनी की महिमा के बारे में बताते हैं। मां कात्यायनी अद्भुत रूप वाली हैं। नवरात्र के छठे दिन साधक का मन आज्ञा चक्र में स्थित रहता है। योग साधना में आज्ञा चक्र का खास महत्व होता है। जातक का मन आज्ञा चक्र में स्थित होने के कारण देवी कात्यायनी के आसानी से दर्शन मिलते हैं। मां कात्यायनी का रूप भव्य तथा प्रभावशाली होता है। उनका रूप सोने की तरह चमकीला है। देवी कात्यायनी की चार भुजाएं हैं। दायीं ओर का ऊपर वाला हाथ अभयमुद्रा में स्थित होता है तथा नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में विद्यमान होता है। मां के बायीं ओर वाले हाथ में तलवार होता है व नीचे वाले हाथ में कमल का फूल मौजूद रहता है। मां कात्यायनी सदैव शेर पर सवार रहती हैं। मां कात्यायनी को प्रसन्न करने के लिए विशेष प्रकार से आराधना करें। इसके लिए पहले फूलों से देवी मां को प्रणाम कर मंत्र का जाप करें। नवरात्र के छठे दिन दुर्गा सप्तशती के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करना चाहिए। देवी को फूल और जायफल प्रिय हैं इसलिए उन्हें पुष्प तथा जायफल अर्पित करें। देवी के साथ ही शंकर जी की भी पूजा करें। देवी कात्यायनी को शहद पसंद है इसलिए इस दिन लाल रंग के कपड़े पहनकर

मां को शहद चढ़ाएं। नवरात्र के छठे दिन मां कात्यायनी की विधिवत स्तुति करने से सुखद वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद मिलता है और सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। जिन साधकों को शादी से जुड़ी परेशानी है वह मां को हल्दी की गांठ चढ़ाएं। मां दुर्गा के छठवें रूप की पूजा से राहु और काल सर्प दोष से जुड़ी परेशानियां दूर हो जाती हैं। देवी की विधिवत पूजा से कार्यक्षेत्र में साधक सफल होता है तथा रास्ते में आने वाली कठिनाइयां दूर हो जाती हैं। ऐसा माना जाता है कि मां कात्यायनी की आराधना से त्वचा, मस्तिष्क, संक्रमण, अस्थि आदि बीमारियों में लाभ मिलता है। जब महिषासुर नाम के राक्षस का अत्याचार बहुत बढ़ गया तो ब्रह्म, विष्णु और महेश ने अपना तेज देकर देवी कात्यायनी को पैदा किया। महर्षि कात्यायन की यह इच्छा थी कि देवी उनके घर पुत्री के रूप में पैदा हों। इसके बाद देवी अश्विन मास की कृष्ण चतुर्दशी को पैदा हुईं। कात्यायन ऋषि ने उनका पालन पोषण किया। उसके बाद महर्षि कात्यायन की प्रार्थना स्वीकार कर देवी ने दशमी के दिन महिषासुर का वध कर देवताओं को उसके आतंक से मुक्त कराया था। उसके बाद शुम्भ तथा निशुम्भ नाम के राक्षस भी इन्द्र, नवग्रह, वायु तथा अग्नि को परेशान करने लगे। इन असुरों से त्रस्त देवताओं ने हिमालय पर्वत पर जाकर विष्णुमाया नाम की दुर्गा की आराधना की। उसके बाद मां कात्यायनी ने ही देवताओं को इन दुष्ट असुरों से मुक्ति दिलायी थी।

05 अक्टूबर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1793	फ्रांसीसी क्रांति के दौरान फ्रांस में ईसाई धर्म विस्थापित हुआ।
1796	स्पेन ने इंग्लैंड के ख़िलाफ़ युद्ध की घोषणा की।
1805	भारत में ब्रिटिश राज के दूसरे गवर्नर जनरल व कमांडर इन चीफ लार्ड कार्नवालिस का गाजीपुर में निधन।
1864	कलकत्ता शहर में चक्रवात से लगभग 50,000 लोगों की मौत।
1915	बुल्गारिया ने प्रथम विश्व युद्ध में हिस्सा लिया।
1946	पहले कान फिल्म समारोह का समापन।
1948	तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्क़ाबात में भूकंप से 110,000 लोगों की मौत।
1962	जेम्स बॉन्ड सीरीज की पहली फिल्म 'डॉ. नो' रिलीज हुई।
1988	ब्राजील की संविधान सभा ने संविधान को मंजूरी दी।
1989	न्यायमूर्ति मीरा साहिब फ़ातिमा बीबी सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज बनी।
1995	आयरलैंड के कवि एवं साहित्यकार हीनी को वर्ष 1995 के साहित्य पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा।
1997	राजधानी कम्पाला से नील नदी को स्रोत जिन्जा में प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल ने महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया, भारतीय टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस तथा महेश भूपति ने जिम कूरियर तथा एलेक्स ओ ब्रायन को पराजित कर 'चाईना ओपन टेनिस टूर्नामेंट' का ख़िताब जीता।
1999	भारत ने व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) पर होने वाली विशेष बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया।

भगवान का स्वरूप है महिलायें

विचार बिन्दु

शहनाज हुसैन

हालांकि समय परिवर्तनशील है लेकिन माँ हमेशा निस्वार्थ भाव से काम करते हुए आत्म बलिदानी की तरह अपने बच्चों की खुशी को स्वयं से ज्यादा महत्वपूर्ण मानती है।

एक दार्शनिक ने कहा है कि ''भगवान हर जगह नहीं पहुच सकते, इसलिए उन्होंने माँ बना दी'' मातृत्व महिलाओं को भगवान की असीम कृपा से मिलता है। माँ को विश्वभर में स्नेह से पूजा जाता है। माँ तथा बच्चे के बीच अतुल्नीय रिश्ता होता है। पूरे भ्रमाण्ड में माँ एक जैसी पाई जाती है तथा यह अन्य सभी प्राणियों के मुकाबले कहीं ज्यादा सबल, सशक्त, प्रबल तथा तेज होती है। एक महिला होने के नाते मुझे माँ बनने का असीम आनन्द अनुभव हुआ है। माँ बच्चे के बीच के अदभूत रिश्ते के आनन्द को पाने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मेरी नजर में मातृत्व बिना किसी शर्त के माँ और बच्चे के बीच असीम तथा निःस्वार्थ प्यार को दर्शाता है जिसमें कोई चाहत नहीं होती। भगवान की कृपा से मुझे 16 वर्ष की छोटी आयु में ही बेटी का वरदान मिला तथा मैं बेटी नीलोफर की माँ बनी। कम उम्र में माँ बनने के काफी फायदें भी होते है। हम दोनों माँ बेटी एक दोस्त की तरह बड़ी हुई तथा बहनों की तरह व्यवहार करती थी। अपने बच्चे के साथ-साथ बड़े होने का बहुत ही सुखद अनुभव होता है। मुझे उन दोनों में अपनी लन्दन यात्रा आज भी रोमांचित लगती है जब हम दोनों दोस्त की तरह शापिंग करते हुए स्कूली सहलियों की तरह हंसी-मजाक करती थी। एक माँ के रूप में मुझे एक पुत्र की मौत का सदमा भी लगा है। एक बच्चे के खो देने की अपूर्णीय क्षति को समझना या अहसान करना ही अत्यन्त कठिन होता है। लेकिन अपने बेटे के खो देने के बाद मैंने अपने आपको प्रभू के चरणों में समर्पित कर दिया तथा भगवान की इच्छा के आगे समर्पण कर दिया जिससे मुझे आन्तरिक शक्ति मिली तथा मैं शोक एवं आपदा के बावजूद पहले से मजबूत होकर उभरी। महिला दिवस पर मैं अपनी पूज्नीय माता जो की भावभीनी श्रृदांजलि अर्पित करती हूं। वह हैदराबाद के शाही परिवार के निजाम के परिवार की राजकुमारी थी। मेरी माताश्री एक सौम्य, सुन्दर, आकर्षक तथा शालीन महिला थी। उनका दूध और गुलाब जैसा साफ गोरा रंग रूप था। मेरी माँ की प्रेरणा से ही मैंने प्राकृतिक के महत्व को जाना। मेरी माताश्री अपनी त्वचा व बालों के लिए घर की रसोई तथा बगीची में विद्यमान विभिन्न जड़ी बूटियों तथा प्राकृतिक उत्पादों से सौन्दर्य प्रसाधन बनाकर उपयोग करती थी जिससे मुझे भी यह आदत पड़ गई तथा बाद में यह मेरी धुन तथा शौक बन गया।

मैंने अपना पहला हर्बल क्लीनिक अपने घर में ही खोला था इसलिए मैं अपने बच्चों के लिए हमेशा उपलब्ध रहती थी। मेरे बच्चे जब भी स्कूल से वापिस आते तो मुझे घर में पाकर प्रफूलित होकर लिपट जाते थे। मेरी बेटी अक्सर मेरे क्लीनिक में मेरी छोटी-मोटी मदद करती रहती थी। मेरे जीवन का यह समय सबसे ज्यादा रोचक और रोमांचक था क्योंकि उस समय हमारा व्यापार धीरे-धीरे सुदृढ़ता से बढ़ रहा था तथा मेरी बेटी मेरी सफलता में महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो रही थी। अपने जीवन के अत्यन्त व्यस्त तथा चुनौती भरे क्षणों में भी मैं हमेशा अपने बच्चों के साथ पारिवारिक छुट्टियों मनाने हर साल लन्दन जाती थी। मेरे बच्चे जब बहुत छोटे थे तो उनके साथ परिवार में बिताए पलअब भी मेरे जीवन के सबसे महत्वपूर्ण क्षण है। मैं साप्ताह के अन्त में शनिवार, रविवार को अपने बच्चों के साथ दिल्ली में हमारे जडी-बूटी तथा फूलों के फार्म में क्वालिटी समय व्यतीत करती थी। उस स्थल पर भी अपने बच्चों के साथ आत्मीय क्षणों को गुजार कर अपने आपको तरोताजा, आरामदेह तथा तनावमुक्त रखती थी। आज महिलाओं को पत्नी, माँ, व्यवसायिक कैरियर प्रोफैशनल आदि अनेक भूमिकाऐं अदा करनी पड रही है।

महिलाओं को भारतीय समाज के परिपेक्ष में पारिवारिक रिश्तों और सामाजिक सम्बन्धों में पहले की अपेक्षा ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी पड रही है। आधुनिक समाज में कामकाजी महिलाओं के बच्चे स्वतंत्र एवं जिम्मेदारी से बड़े हो रहे है। वास्तव में आधुनिक समय के बच्चें अपनी माताओं की विभिन्न भूमिकाओं को सराहते है तथा पसन्द भी करते है। कामकाजी महिलाऐं ज्यादा स्वास्थ्य उदारचित, स्वतन्त्र विचारों की वाहक होती है। वह आज के प्रतिस्पर्धापूर्ण माहौल में बच्चों को बेहतर सलाह नेतृत्व, मार्गदर्शन तथा नेतृत्व प्रदान कर सकती है।

हालांकि समय परिवर्तनशील है लेकिन माँ हमेशा निस्वार्थ भाव से काम करते हुए आत्म बलिदानी की तरह अपने बच्चों की खुशी को स्वयं से ज्यादा महत्वपूर्ण मानती है। कहा जाता है कि माँ के प्यार में भगवान का आशीस मिलती है। इस महिला दिबस पर अपनी माताश्री की कद्र करते हुए उनका सम्मान कीजिए।

आया मानसून बुखार से जरा बचके

रिमझिम फुहारों के साथ बरसात का मौसम अपने साथ कई तरह की बीमारियां भी लाता है, जिनमें बुखार बड़ा कॉमन है। डेंगू के मामले भी बढ़ रहे हैं। डेंगू, टायफाइड और मलेरिया के बारे में आइए विस्तार से जानें

FEVERS

क्या है बुखार

जब हमारे शरीर पर कोई बैक्टीरिया या वायरस हमला करता है तो शरीर अपने आप ही उसे मारने की कोशिश करता है। इसी मकसद से शरीर जब अपना टेम्प्रेचर बढ़ाता है तो उसे बुखार कहा जाता है। अगर शरीर का तापमान सुबह के समय 99 डिग्री फारनहाइट से ज्यादा और शाम के वक्त 99.9 डिग्री फारनहाइट से ज्यादा है, तो बुखार माना जाता है। अब 98.4 नॉर्मल टेम्प्रेचर का कॉन्सेप्ट बदल चुका है। मलेरिया और डेंगू में बुखार 101 से लेकर 103 डिग्री फारनहाइट तक पहुंच जाता है, जबकि वायरल में बुखार की रेंज को बता पाना काफी मुश्किल होता है।

खुद क्या करें

बुखार अगर 102 डिग्री तक है और कोई और खतरनाक लक्षण नहीं हैं तो मरीज की देखभाल घर पर ही कर सकते हैं। इसमें तीन चार दिन तक इंतजार कर सकते हैं। मरीज के शरीर पर सामान्य पानी की पट्टियां रखें। पट्टियां तब तक रखें, जब तक शरीर का तापमान कम न हो जाए। अगर इससे ज्यादा तापमान है तो फौरन डॉक्टर को दिखाएं। मरीज को एसी में रख सकते हैं, तो बहुत अच्छा है, नहीं तो पंखे में रखें। कई लोग बुखार होने पर चादर ओढ़कर लेट जाते हैं और सोचते हैं कि पसीना आने से बुखार कम हो जाएगा, लेकिन इस तरह चादर ओढ़कर लेटना सही नहीं है। साफ-सफाई का पूरा ख्याल रखें। मरीज को वायरल है, तो उससे थोड़ी दूरी बनाए रखें और उसके द्वारा इस्तेमाल की गई चीजें इस्तेमाल न करें। मरीज को पूरा आराम करने दें, खासकर तेज बुखार में। आराम भी बुखार में इलाज का काम करता है। मरीज छींकने से पहले नाक और मुंह पर रुमाल रखें। इससे वायरल होने पर दूसरों में फैलेगा नहीं।

बरतें ऐहतियात

ठंडा पानी न पीएं, मैदा और बासी खाना न खाएं। खाने में हल्दी, अजवाइन, अदरक, हींग का ज्यादा-से-ज्यादा इस्तेमाल करें। इस मौसम में पत्ते वाली सब्जियां, अरबी, फूलगोभी न खाएं। हल्का खाना खाएं, जो आसानी से पच सके। पूरी नींद लें। मिर्च मसाले और तला हुआ खाना न खाएं, भूख से कम खाएं, पेट भर न खाएं। खूब पानी पीएं। छाछ, नारियल पानी, नीबू पानी आदि खूब पिएं। नाक के अंदर की तरफ सरसों का तेल लगाकर रखें। इससे तेल की चिकनाहट बाहर से बैक्टीरिया को नाक के अंदर जाने से रोकती है। खाने में हल्दी का इस्तेमाल ज्यादा करें। सुबह आधा चम्मच हल्दी पानी के साथ या रात को आधा चम्मच हल्दी एक गिलास दूध के साथ लें। लेकिन अगर आपको नजला, जुकाम या कफ आदि है तो दूध न लें। तब आप हल्दी को पानी के साथ ले सकते हैं। 8-10 तुलसी के पत्तों का रस शहद के साथ मिलाकर लें या तुलसी के 10 पत्तों को पौने गिलास पानी में उबालें, जब वह आधा रह जाए तब उस पानी को पीएं।

डेंगू कैसे और कब

डेंगू मादा एडीज इजिप्टी मच्छर के काटने से होता है। इन मच्छरों के शरीर पर चीते जैसी धारियां होती हैं। ये मच्छर दिन में, खासकर सुबह शरीर के निचले हिस्सों पैरों आदि पर काटते हैं। डेंगू बरसात के मौसम और उसके फौरन बाद के महीनों यानी जुलाई से अक्टूबर में सबसे ज्यादा फैलता है। काटे जाने के 3-5 दिनों के बाद मरीज में डेंगू बुखार के लक्षण दिखने लगते हैं। शरीर में बीमारी पनपने की मियाद 3 से 10 दिनों की भी हो सकती है।

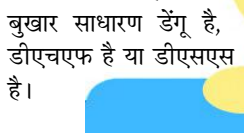

डेंगू के 3 रूप

- क्लासिकल (साधारण) डेंगू बुखार
- डेंगू हैमरेजिक बुखार
- डेंगू शॉक सिंड्रोम

इन तीनों में से दूसरे और तीसरे तरह का डेंगू सबसे ज्यादा खतरनाक होता है। साधारण डेंगू बुखार अपने आप ठीक हो जाता है और इससे जान का खतरा नहीं होता लेकिन अगर किसी को डीएचएफ या डीएसएस है और उसका फौरन इलाज शुरू नहीं किया जाता तो जान जा सकती है। इसलिए यह पहचानना सबसे जरूरी है कि बुखार साधारण डेंगू है, डीएचएफ है या डीएसएस है।

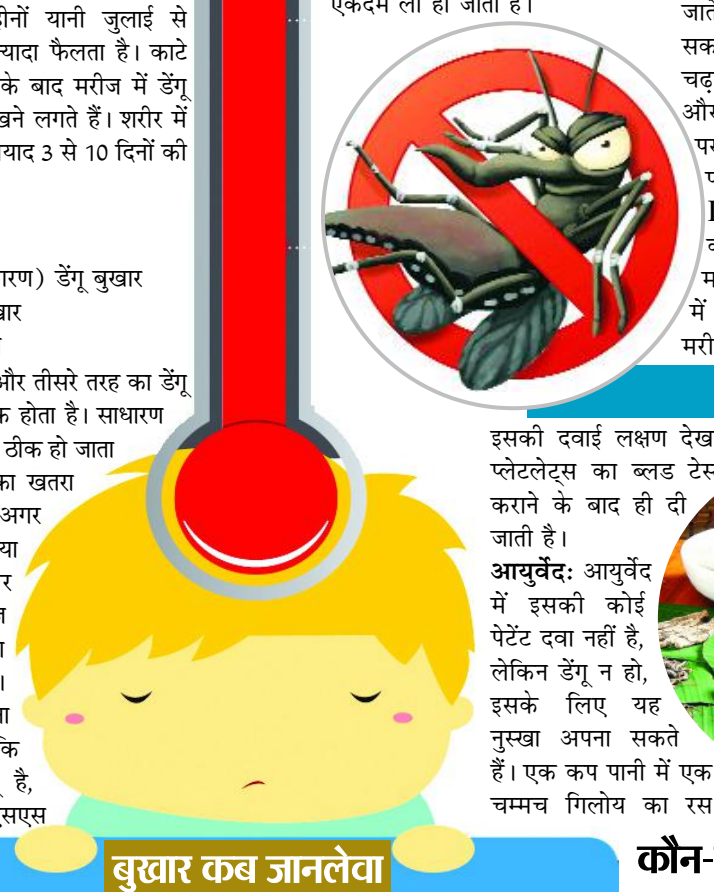

बुखार कब जानलेवा

सभी बुखार जानलेवा या बहुत खतरनाक नहीं होते, लेकिन अगर डेंगू में हैमरेजिक बुखार या डेंगू शॉक सिंड्रोम हो जाए, मलेरिया दिमाग को चढ़ जाए, टायफायड का सही इलाज न हो, प्रेग्नेंसी में वायरल हेपटाइटिस या मेंनिंजाइटिस हो जाए तो खतरनाक साबित हो सकते हैं। बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है इसलिए बीमारी उन्हें जल्दी जकड़ लेती है। ऐसे में उनकी बीमारी को नजरअंदाज न करें। खुले में ज्यादा रहते हैं इसलिए इन्फेक्शन होने और मच्छरों से काटे जाने का खतरा उनमें ज्यादा होता है। बच्चों को घर से बाहर पूरे कपड़े और जूते पहनाकर भेजें। मच्छरों के मौसम में बच्चों को निकर व टी-शर्ट न पहनाएं। रात में मच्छर भगाने की क्रीम लगाएं। बच्चा बहुत ज्यादा रो रहा हो, लगातार सोए जा रहा हो, बेचैन हो, उसे तेज बुखार हो, शरीर पर रैशेज हों, उलटी हो या इनमें से कोई भी लक्षण हो तो फौरन डॉक्टर को दिखाएं।

डेंगू शॉक सिंड्रोम

इस बुखार में डीएचएफ के लक्षणों के साथ-साथ 'शॉक' की अवस्था के भी कुछ लक्षण दिखाई देते हैं।

जैसे- मरीज बहुत बेचैन हो जाता है और तेज बुखार के बावजूद उसकी स्किन ठंडी महसूस होती है। मरीज धीरे-धीरे होश खोने लगता है। मरीज की नाड़ी कभी तेज और कभी धीरे चलने लगती है। उसका ब्लडप्रेशर एकदम लो हो जाता है।

लक्षण क्या-क्या साधारण डेंगू बुखार

ठंड लगने के बाद अचानक तेज बुखार। -सिर, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द -आंखों के पिछले हिस्से में दर्द होना, जो आंखों को दबाने या हिलाने से और बढ़ जाता है। बहुत ज्यादा कमजोरी लगना, भूख न लगना और जी मिचलाना। गले में हल्का-सा दर्द होना। शरीर खासकर चेहरे, गर्दन और छाती पर, लाल-गुलाबी रंग के रैशेज। क्लासिकल साधारण डेंगू बुखार करीब 5 से 7 दिन तक रहता है और मरीज ठीक हो जाता है। ज्यादातर मामलों में इसी किस्म का डेंगू बुखार होता है।

डेंगू हॅमरेजिक बुखार

नाक और मसूढ़ों से खून आना। शौच या उलटी में खून आना। स्किन पर गहरे नीले-काले रंग के छोटे या बड़े रैशेज पड़ जाना। साधारण डेंगू बुखार के लक्षणों के साथ ये लक्षण भी दिखाई दें तो वह डीएचएफ हो सकता है। ब्लड टेस्ट से इसका पता लग सकता है।

इलाज

अगर मरीज को साधारण डेंगू बुखार है तो उसका इलाज व देखभाल घर पर की जा सकती है। अगर बुखार 102 डिग्री फारनहाइट से ज्यादा है तो मरीज के शरीर पर पानी की पट्टियां रखें। सामान्य रूप से खाना देना जारी रखें। बुखार की हालत में शरीर को और ज्यादा खाने की जरूरत होती है। मरीज में DSS या DHF का एक भी लक्षण दिखाई दे तो उसे जल्दी-से-जल्दी डॉक्टर के पास ले जाएं। DSS और DHF बुखार में प्लेटलेट्स कम हो जाते हैं, जिससे शरीर के जरूरी हिस्से प्रभावित हो सकते हैं। डेंगू बुखार के हर मरीज को प्लेटलेट्स चढ़ाने की जरूरत नहीं होती, सिर्फ डेंगू हैमरेजिक और डेंगू शॉक सिंड्रोम बुखार में ही जरूरत पड़ने पर प्लेटलेट्स चढ़ाई जाती हैं। अगर सही समय पर इलाज शुरू कर दिया जाए तो DSS और DHF का पूरा इलाज मुमकिन है। इलाज कराने और हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद मरीज को थोड़ी कमजोरी रहती है, जो 10 दिन में ठीक हो जाती है। पूरी तरह स्वस्थ होने में मरीज को 10 दिन लगते हैं।

एलोपैथी में इलाज

इसकी दवाई लक्षण देखकर और प्लेटलेट्स का ब्लड टेस्ट कराने के बाद ही दी जाती है।

आयुर्वेद: आयुर्वेद में इसकी कोई पेटेंट दवा नहीं है, लेकिन डेंगू न हो, इसके लिए यह नुस्खा अपना सकते हैं। एक कप पानी में एक चम्मच गिलोय का रस (अगर इसकी डंडी मिलती है तो चार इंच की डंडी लें), दो काली मिर्च, तुलसी के पांच पत्ते और अदरक मिलाकर पानी में उबालकर काढ़ा बनाएं और 5 दिन तक लें। दिन में दो बार, सुबह नाश्ते के बाद और रात में डिनर से पहले लें।

कौन-से टेस्ट

अगर तेज बुखार हो, जॉइंट्स में तेज दर्द हो या शरीर पर रैशेज हों तो पहले दिन ही डेंगू का टेस्ट कराएं। लक्षण नहीं हैं, पर तेज बुखार है तो भी एक-दो दिन बाद फिजिशन के पास जाएं। शक होने पर डॉक्टर डेंगू की जांच कराएगा। डेंगू की जांच के लिए शुरुआत में एंटिजन ब्लड टेस्ट किया जाता है। इस टेस्ट में डेंगू शुरू में ज्यादा पॉजिटिव आता है, जबकि बाद में धीरे-धीरे पॉजिटिविटी कम होने लगती है। अगर तीन-चार दिन के बाद टेस्ट कराते हैं तो एंटिबॉडी टेस्ट (डेंगू सिरॉलजी) कराना बेहतर है। डेंगू की जांच कराते हुए वाइट ब्लड सेल्स का टोटल काउंट और अलग-अलग काउंट करा लेना चाहिए। इस टेस्ट में प्लेटलेट्स की संख्या पता चल जाती है।

ताकि चलती रहे कामकाजी जिंदगी

हर समय घर-दफ्तर की भागदौड़ और इससे तालमेल बैठाने की कोशिश करते आप..मानो पूरा जीवन ही मशीनी हो गया है। पर यह मशीन लंबे समय तक साथ देती रहे, इसके लिए जरूरी है नियमित व्यायाम। वैसे ही जैसे आप दूसरे सब काम करते हैं। 15 मिनट का समय निकाल कर कौन से आसन जरूर करें। कामकाजी लोगों के पास समय की बड़ी कमी होती है। व्यायाम न कर पाने के सौ बहाने हमेशा तैयार रहते हैं। यूं भी सेहत के प्रति लापरवाह नजरिया हम भारतीयों में आसानी से देखने को मिलता है। सारा दिन कंप्यूटर, कुर्सी, टेबल, फोन तथा घर-ऑफिस के कामों में ही बीत जाता है। न चैन से भोजन करना, न चैन से सोना। यही कारण है कि अधिकांश युवा व कामकाजी वर्ग कम उम्र में ही उच्च व निम्न रक्तचाप, मधुमेह, मोटापे, स्लिप डिस्क, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, उदर रोग, अपचन, वायु रोग, मानसिक तनाव, जोड़ों में दर्द तथा थकावट का शिकार हो रहा है। आधुनिक चिकित्सा के पास मनुष्य को संपूर्ण शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन तथा पूर्ण कार्यक्षम बनाने की कोई दवा नहीं है। योग के निरंतर तथा नियमित अभ्यास से जरूर इसका समाधान संभव है। यहां कुछ आसान क्रियाएं दी जा रही हैं, जिनके लिए घर व ऑफिस में कुछ समय निकाल कर अपनी कामकाजी जिंदगी को दीर्घायु बना सकते हैं..

1. ऑफिस में कुर्सी पर बैठ कर करने वाली यौगिक क्रियाएं

2. घर/ ऑफिस में एकांत में की जाने वाली यौगिक क्रियाएं

ऑफिस में कुर्सी पर बैठ कर करने वाली यौगिक क्रियाएं

इन क्रियाओं को सूक्ष्म यौगिक क्रियाएं कहते हैं। इन्हें आप ऑफिस की कुर्सी पर बैठे-बैठे कभी भी आसानी से कर सकते हैं। ये क्रियाएं गर्दन, हाथ, पैर तथा रीढ़ के लिए अलग-अलग होती हैं। इनके अभ्यास की विधि इस प्रकार है..

गर्दन की क्रियाएं: कुर्सी पर रीढ़, गर्दन व सिर को सीधा रख कर बैठ जाएं। दो गहरी सांस लें और छोड़ें। चेहरे को पांच बार दाएं और बाएं कंधे की ओर ले जाएं। इसके बाद पांच बार आगे व पीछे की ओर सिर झुकाएं। अंत में सिर को पांच बार घड़ी की सुई की दिशा में तथा इतनी ही बार विपरीत दिशा में घुमाएं। सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस की स्थिति में सिर को आगे की ओर झुकाना तथा वृत्ताकार घुमाना मना होता है।

लाभ: ऐसा करते रहने से सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस होने के खतरे से बच सकता है। **हाथ की क्रियाएं:** कुर्सी पर रीढ़, गर्दन व सिर को सीधा कर बैठें। दो गहरे सांस लें व छोड़ें। अब दाएं हाथ के कंधे को हल्का कड़ा करें, फिर ऊपरी बांह, निचली बांह, कलाई व हथेली को कड़ा करें। हाथ को 10 सेकेंड तक कड़ा रखें, फिर हथेली, कलाई, निचली व ऊपरी बांह तथा कंधे को क्रम से ढीला करें। यह क्रिया 5 बार करें। बाएं हाथ से दोहराएं। इससे शोल्डर फ्रीजिंग, कलाई व उंगलियों में दर्द की आशंका नहीं रहती। कंप्यूटर पर देर तक काम करने वालों के लिए यह अच्छी क्रिया है। **यौगिक श्वसन:** इसका अभ्यास उठते, बैठते, चलते-फिरते तथा लेटे हुए कभी भी किया जा सकता है। कुर्सी पर रीढ़, गला व सिर को सीधा रख कर बैठ जाएं। अब एक गहरी सांस लेकर पहले श्वास पेट में तथा उसके बाद सीने में भरें। श्वास निकालते समय पहले सीने को खाली करें। फिर पेट खाली करें। इसे 25 से 30 बार दोहराएं। **रीढ़ की क्रिया:** कुर्सी पर रीढ़, गला व सिर को सीधा रख कर बैठें। दो गहरी सांस लें व छोड़ें। अब दोनों हाथ की हथेलियों को सिर के पीछे रख कर धड़ को आगे, पीछे, दाएं व बाएं मोड़ें। यह क्रिया 5 बार दोहराएं। यह क्रिया रीढ़ की प्रत्येक वर्टिबा को सशक्त करती है।

पैर के लिए व्यायाम

कुर्सी पर रीढ़, गला व सिर को सीधा कर बैठ जाएं। दो गहरी सांस लें व छोड़ें। इसके बाद दाएं पैर के क्रमशः नितंब, जांघ, पिंडली, एड़ी, पंजे तथा उंगलियों को हल्का, मध्यम तथा तीव्र कड़ा करें। इसके बाद उल्टी दिशा से उंगलियों से लेकर नितंब को धीरे-धीरे ढीला छोड़ दें। यह क्रिया 5 बार दोहराएं।

माइग्रेन: कैसे पाएं चैन...

क्या आपको अचानक सिर के किसी एक हिस्से में बेहद दर्द होता है, जो झकझोर के रख देता है? क्या इस कारण रोजमर्रा के कामों को करने में परेशानी होती है? ऐसा लगता है, मानो जब तक आराम न आ जाए, तब तक अंधेरे कमरे में लेटे रहें? दर्द के साथ चक्कर या उलटी की शिकायत भी होती है? यदि आपका जवाब हां हैं तो यह दर्द माइग्रेन हो सकता है। खुद से ही दर्द निवारक दवाओं द्वारा इसे रोकने से बेहतर है कि आप तुरंत किसी डॉक्टर से संपर्क करें। पिछले कुछ समय में किशोरों व युवाओं में इसके मामले तेजी से बढ़े हैं।

तेज रफ्तार जिंदगी व अस्वस्थ जीवनशैली के कारण आज सिरदर्द की समस्या आम हो गई है। लंबे समय तक चलने वाला सिरदर्द आगे चल कर माइग्रेन का रूप धारण कर लेता है। माइग्रेन का दर्द कुछ घंटे से लेकर कई दिनों तक रह सकता है। पहले माना जाता था कि माइग्रेन मस्तिष्क की रक्त नलिकाओं के फैलने और सिकुड़ने के कारण होता है, लेकिन कई अनुसंधानों में यह बात सामने आई है कि माइग्रेन केंद्रीय तंत्रिका तंत्र की गड़बड़ी के कारण होता है, जिससे न्यूरोट्रांसमीटर्स का संचरण प्रभावित होता है, विशेष रूप से सेरोटोनिन हार्मोन में असंतुलन उत्पन्न हो जाता है।

महिलाएं हैं आसान शिकार

बचपन में सिरदर्द लड़कियों की तुलना में लड़कों को अधिक होता है, लेकिन किशोरावस्था में पहुंचते ही लड़कियों में सिरदर्द की समस्या लड़कों के मुकाबले ज्यादा होती है। महिलाओं में माइग्रेन की समस्या पुरुषों के मुकाबले तीन गुना ज्यादा होती है। उम्र के साथ यह समस्या बढ़ती जाती है। महिलाओं में पीरियड्स, गर्भावस्था और मेनोपॉज के दौरान होने वाले हार्मोन परिवर्तनों का माइग्रेन से सीधा संबंध है। गर्भनिरोधक दवाओं का सेवन भी माइग्रेन के खतरे को बढ़ा देता है।

सर्विकोजेनिक हेडेक: सर्विकोजेनिक हेडेक क्रॉनिक हेडेक का सबसे सामान्यकारण है। इसकी उत्पत्ति सर्वाइकल स्पाइन से होती है। यह केवल एक ओर होता है। बहुत कम मामलों में ही देखा जाता है कि यह मस्तिष्क की मध्य रेखा को पार करता है। गर्दन का पॉश्चर या गति ठीक नहीं रखने से यह और गंभीर हो जाता है। कम्प्यूटर पर काम करने वाले लोगों में यह अक्सर देखा जाता है। अगर कंप्यूटर की स्क्रीन अधिक ऊंची है, तब गर्दन को ऊंचा करके देखना पड़ता है, जिससे सिरदर्द हो जाता है। गंभीर सर्विकोजेनिक हेडेक में ऑपरेशन की आवश्यकता भी पड़ सकती है।

सर्विकल स्पॉन्डिलोसिस: यह उम्र से संबंधित समस्या है, जो गर्दन के जोड़ों को प्रभावित करती है। सर्विकल स्पॉन्डिलोसिस सर्विकल स्पाइन की उपस्थितियों और हड्डियों में टूट-फूट के कारण होता है। इसे नेक अर्थराइटिस भी कहते हैं। यह 90त्न उन लोगों में होता है, जिनकी उम्र 65 वर्ष से अधिक होती है। यह गर्दन में लगी किसी चोट या आनुवंशिक कारणों से हो सकता है। इसके कारण सिरदर्द भी होता है।

माइग्रेन के प्रकार

माइग्रेन के दो प्रकार होते हैं, क्लासिकल और नॉन क्लासिकल। जब माइग्रेन का दर्द ऑरा यानी दृष्टि संबंधी गड़बड़ी के बाद शुरू होता है, तब इसे क्लासिकल माइग्रेन कहते हैं। क्लासिकल माइग्रेन में आमतौर पर सिरदर्द के 10-15 मिनट पहले ऑरा के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। जब सिरदर्द बिना 'ऑरा' और दूसरे लक्षणों के साथ शुरू होता है, तब इसे नॉन क्लासिकल या सामान्य माइग्रेन कहते हैं। सामान्य माइग्रेन बच्चों और किशोरों में अधिक होता है। माइग्रेन के जो कुल मामले देखे जाते हैं, उनमें से 70 से 85 प्रतिशत सामान्य माइग्रेन और 15 से 30 प्रतिशत क्लासिकल माइग्रेन वाले होते हैं। छोटे बच्चों में माइग्रेन के दौरे शाम को पड़ते हैं।

माइग्रेन के ट्रिगर

वैसे माइग्रेन के वास्तविक कारणों का पता नहीं है, पर देखा जाता है कि माइग्रेन एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होता है। मनोवैज्ञानिक समस्याएं जैसे उत्तेजना और गहरा अवसाद या न्यूरॉटिक डिसऑर्डर जैसे पक्षाघात और मिरगी भी माइग्रेन के खतरे को बढ़ा देते हैं।

कुछ अन्य ट्रिगर भी निम्न हैं..

तनाव और नींद की कमी। हार्मोंस में बदलाव विशेषकर महिलाओं में। सामान्य खान-पान की शैली में बदलाव। शुगर का स्तर कम हो जाना। कैफीन और अल्कोहल का सेवन। मौसम में बदलाव। गर्भनिरोधक गोलियां और अस्थमा का उपचार। यात्रा करना। कुछ खाद्य पदार्थ जैसे चॉकलेट, मांस, नूडल्स, बीयर, रेड वाइन आदि। शारीरिक क्षमता से अधिक कार्य या एक्सरसाइज करना। पूरी नींद ना लेना या रात में देर तक जागना या बहुत ज्यादा सोना। डीहाइड्रेशन।

लक्षण

माइग्रेन के लक्षण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में बदलते रहते हैं, बच्चों में यह सिर के अगले भाग और दोनों तरफ के हिस्सों को प्रभावित करता है। किशोरावस्था और प्रौढ़ावस्था में दर्द सिर के एक हिस्से को प्रभावित करता है। माइग्रेन के सामान्य लक्षण इस प्रकार हैं.. तेज सिरदर्द के साथ चक्कर आना, जी मिचलाना, उल्टी होना या पेट दर्द। रोशनी और आवाजों के प्रति संवेदनशीलता। मस्तिष्क के एक भाग में धुक-धुक की आवाज के साथ तेज दर्द होना। ध्यान केंद्रित करने में समस्या होना। सोचने की क्षमता प्रभावित होना। कभी-कभी बोलते समय उपयुक्त शब्द की तलाश न कर पाना। त्वचा का पीला पड़ जाना। चक्कर आना। उल्टी होना या पेट दर्द।

'सिकंदर' के सेट पर किया 'किक 2' का ऐलान

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टा सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। वहीं, इस बीच अब सलमान खान के प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। सलमान खान की एक ओर नई फिल्म का ऐलान हो गया है। वह फिल्म 'किक 2' है। अब सलमान सिकंदर के बाद 'किक' के सीक्वल में नजर आएंगे। किक 2 की आधिकारिक घोषणा 4 अक्टूबर को की गई। निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने इस खबर के साथ सुपरस्टार का एक कैंडिड फोटोशूट साझा किया। सलमान खान की 2014 की फिल्म 'किक' ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया, जो नाडियाडवाला की निर्देशन में पहली फिल्म थी। किक व्यावसायिक रूप से सफल रही।

लाइफ Style

अनन्या

गलती से लीक कर दिया था सुहाना का नंबर

एजेंसी ⏭ मुंबई

अनन्या पांडे शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान की बचपन की दोस्त हैं। एक बार गलती से अनन्या सुहाना खान का नंबर इंस्टाग्राम स्टोरी पर लगा चुकी हैं। इतना ही नहीं, एक इंटरव्यू के दौरान अनन्या ने बताया एक बार उनका नंबर भी इंटरव्यू के बीच लीक हो गया था। इसे यूट्यूब पर डाल दिया गया था।

अनन्या पांडे नेटफ्लिक्स इंडिया के यूट्यूब चैनल पर कुछ कॉमेडियन्स के साथ थीं। इस दौरान उन्होंने अपनी लाइफ से जुड़ी फनी घटना बताई। उन्होंने बताया कि कैसे दो बार गलती से अपना और अपनी बेस्ट फ्रेंड सुहाना का नंबर लीक कर चुकी हैं। अनन्या ने बताया, 'मैं एक बार गलती से अपना नंबर लीक कर चुकी हूं। मैं एक इंटरव्यू कर रही थी। वहां प्रेस कॉन्फ्रेंस थी और मेरा इंटरव्यू शुरू हो रहा था। कोई रिपोर्टर आए और किसी काम से नंबर मांगा और सवाल पूछने लगे। मैंने नंबर दे दिया, लेकिन इंटरव्यू शुरू हो चुका था। उन्होंने इसे मेरे नंबर के साथ यूट्यूब पर डाल दिया। तब ये लीक हो गया था।' अनन्या ने बताया कि एक बार सुहाना खान का नंबर भी लीक कर चुकी हैं।

अनन्या बोलीं, 'एक बार मैं गलती से सुहाना का नंबर भी लीक कर चुकी हूं। मैं उससे फेसटाइम कर रही थी। सुहाना ने पिक नहीं किया तो मैंने इसका स्क्रीनशॉट लिया और इसे इंस्टाग्राम पर लगा दिया, इसमें उसका नंबर दिख रहा था।' अनन्या ने जब तक फोटो डिलीट की नंबर लीक हो चुका था। अनन्या ने बताया, 'फिर सुहाना का कॉल आया। वह बोली, सुनो मेरा नंबर हैक हो गया है। मैंने कहा, ओह माई गॉड क्या हुआ सुहाना।' फिर किसी ने

हॉलीवुड मसाला

दुनिया का सबसे अमीर एक्टर

लॉस एंजिल्स। दुनिया के सबसे अमीर एक्टर हैं टायलर पेरी। अमीर एक्टर्स की लिस्ट में सबसे ऊपर टायलर पेरी न केवल एक्टर हैं, बल्कि प्रड्यूसर और प्ले राइटर अरबपति हैं। ब्लूमबर्ग, फोर्ब्स आदि की रिपोर्ट के मुताबिक, उनका नेट वर्थ करीब 1.4 बिलियन डॉलर (11,500 करोड़ रुपए) है। ये आंकड़ा दुनिया के किसी भी एक्टर्स के नेट वर्थ से कई गुना अधिक है। इस लिस्ट में एक और हैरान करने वाला नाम है और वो हैं कॉमेडियन जेरी सीनफील्ड, जिनके पास 1 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति है।

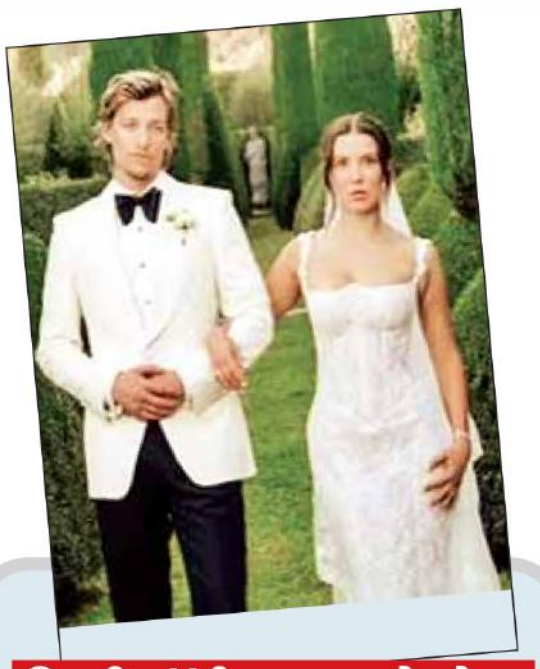

मिली बॉबी ब्राउन ने जेक बोंगियोवी से की शादी

लॉस एंजिल्स। 'स्ट्रेंजर थिंग्स' से चर्चा में आने वाली हॉलीवुड एक्ट्रेस मिली बॉबी ब्राउन ने बॉयफ्रेंड जेक बोंगियोवी से शादी कर ली है। उन्होंने इस शादी की किसी को कानों-कान खबर नहीं होने दी और अचानक सोशल मीडिया पर ढेर सारी फोटोज शेयर फैंस को चौंका दिया। मिली ने जेक से पिछले साल सगाई की थी। 'स्ट्रेंजर थिंग्स' की एक्ट्रेस मिली बॉबी ब्राउन ने सोशल मीडिया पर तब तहलका मचा दिया, जब उन्होंने बॉयफ्रेंड जेक बोंगियोवी के साथ शादी की खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। उनके पोस्ट पर बधाइयों का सिलसिला जारी है। दुल्हन के लिबास में मिली बेहद खूबसूरत दिखीं। पति संग उनकी केमिस्ट्री की भी जमकर तारीफ हो रही है। मिली बॉबी ब्राउन ने एक तस्वीर रिसेप्शन पार्टी की भी शेयर की है। फोटो में मस्ती का माहौल साफ दिख रहा है। मिली सफेद मिनी ड्रेस में पसीने से लथपथ हैं। उनका मेकअप पूरी तरह से बिगड़ गया है। उन्होंने पति जैक की 'बो टाई' भी अपने गले में पहन ली है।

अगले साल दिसंबर में रिलीज होगी 'अल्फा'

नई दिल्ली। आलिया भट्ट की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'अल्फा' की रिलीज तारीख सामने आ चुकी है। यह फिल्म आदित्य चोपड़ा निर्मित पहली महिला-प्रधान वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फिल्म है। शुक्रवार को यशराज फिल्म्स ने फिल्म के रिलीज तारीख की घोषणा अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा करते हुए की है। निर्माताओं ने आलिया के प्रशंसकों के लिए क्रिसमस के उपहार की पूरी तैयारी कर ली है, लेकिन यह तोहफा इस साल क्रिसमस पर नहीं, बल्कि अगले साल मिलेगा। अभी फैंस को थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। बता दें कि 'अल्फा' 5 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बॉलीवुड की सुपरस्टार अभिनेत्री आलिया भट्ट इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। उनके साथ इंडस्ट्री की उभरती हुई कलाकार शरवरी वाघ भी शामिल होंगी।

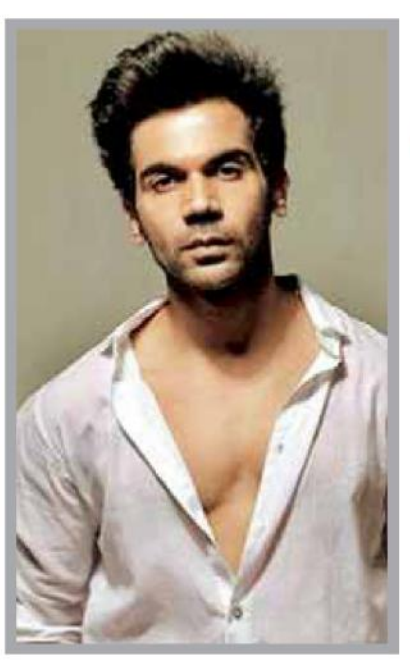

मुझे अपनी फिल्मों पर गर्व है : राजकुमार

मुंबई। अभिनेता राजकुमार राव जल्द ही अपनी फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में नजर आने वाले हैं। इससे पहले राजकुमार राव ने 'स्त्री 2' की सफलता को लेकर बात की है। राजकुमार राव ने कहा कि एक अभिनेता के तौर पर मुझे अपनी फिल्मों पर गर्व है। उन्होंने कहा, कभी-कभी वो समय होता है जब फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फिल्म अच्छा नहीं कर पाती है। 'ट्रैप्ड' फिल्म का जिक्र करते हुए राजकुमार ने कहा कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर इतनी खास नहीं रही लेकिन मेरे लिए बहुत खास है। आगामी फिल्मों की बात करें तो राजकुमार राव की फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' 11 अक्टूबर पर बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली है।

टीवी मसाला

'कोई ट्रॉफी लेकर सोए, तो किसी ने ट्रॉफी के साथ सेल्फी ली'

नई दिल्ली। भारत जैसे क्रिकेट के प्रति जुनूनी देश में, वर्ल्ड कप जीतने की खुशी की बराबरी शायद कुछ पल ही कर सकता है - खास तौर पर जब यह टी20 वर्ल्ड कप हो। इस साल, भारतीय क्रिकेट टीम ने ऐसा ही करके इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो के सीजन 2 के एपिसोड में, वर्ल्ड कप चैंपियन ने कई मजेदार और दिल को छू लेने वाले किस्से सुनाए, जिससे दर्शकों को ऐसा लगा कि मानो क्रिकेट टीम खुद ट्रॉफी पकड़े हुए उनके सामने है। रोहित शर्मा ने मस्ती की शुरुआत की, फिनाले के बाद कैरिबियन में हुए एक अनोखे रोमांच का खुलासा किया। तूफान के कारण बारबाडोस से उनके प्रस्थान में देरी हुई, इसलिए प्रत्येक खिलाड़ी को अपने होटल के कमरे में ट्रॉफी के साथ 15 मिनट बिताने का मौका मिला। रोहित ने हंसते हुए कहा, 'कोई ट्रॉफी लेकर सोए, तो किसी ने ट्रॉफी के साथ सेल्फी ली...'। इनमें से सबसे मजेदार क्या था? सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी की एक मजेदार फोटो, जिसमें ट्रॉफी उनके बीच रखी हुई थी, जिसे कपिल शर्मा ने दर्शकों को दिखाने के लिए तैयार की थी। दूसरी ओर, अर्शदीप सिंह को ट्रॉफी के साथ उतना समय बिताने का मौका नहीं मिला, जितनी उन्हें उम्मीद थी। अर्शदीप सिंह ने कहा, '10 मिनट के लिए, मैं अपने माता-पिता के साथ था। मेरे पिताजी हमारी फोटो व्हाट्सएप ग्रुप पर शेयर कर रहे थे, और मेरी माँ ने इसे अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर रखा था। मैं ट्रॉफी के साथ सिर्फ 1 या 2 फोटो ही ले पाया।' अक्षर पटेल ने दर्शकों को जीत के बाद के अवास्तविक अनुभव के बारे में बताया। बारबाडोस में फंसे, नाश्ते और दोपहर के भोजन के लिए कतार में खड़े क्रिकेट टीम को ऐसा बिल्कुल भी नहीं लग रहा था कि वे अभी-अभी वर्ल्ड चैंपियन बने हैं। 'जब तक हम भारत वापस नहीं आए, तब तक हमें इसका एहसास ही नहीं हुआ', लेकिन सबसे बड़ा सरप्राइज क्या था? अंग्रेजी में इंटरव्यू देना! उन्हें मोहम्मद सिराज की कही बात याद आयी।

तारक मेहता के निर्माताओं को मिली नई सोनू

नई दिल्ली। शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' घर-घर लोकप्रिय है। शो में 'जेठालाल' का किरदार निभाने वाले दिलीप जोशी इस शो के मुख्य कलाकार हैं। हालांकि, दर्शकों को शो के हर किरदार की परफॉर्मेंस काफी पसंद आती है। पिछले दिनों शो में सोनू की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री पलक सिंधवानी ने शो छोड़ दिया है। इसके बाद मेकर्स नई 'सोनू' की तलाश में जुटे हुए थे। अब, निर्माताओं ने अभिनेत्री खुशी माली को 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में नई 'सोनू' के रूप में घोषित किया है।

1980 में बनी इस फिल्म के चक्कर में रेलवे को हुआ था भारी नुकसान

नई दिल्ली। साल 1980 में एक फिल्म रिलीज हुई थी। फिल्म महाभारत बनाने वाले बीआर चोपड़ा के प्रोडक्शन हाउस के तहत बनी थी। फिल्म को बीआर चोपड़ा के बेटे रवि चोपड़ा ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में धर्मेंद्र, विनोद खन्ना, जीतेंद्र, हेमा मालिनी, परवीन बॉबी, नीतू सिंह और डैनी डेन्जोंगपा जैसे कलाकार नजर आए थे। फिल्म में उस वक्त के बड़े सितारों को कास्ट किया गया था, लोगों को फिल्म से काफी उम्मीद भी थी। हालांकि, फिल्म जब रिलीज हुई तो बॉक्स ऑफिस पर महाफ्लॉप साबित हुई। इतना ही नहीं, इस फिल्म की शूटिंग के चलते रेलवे को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा था।

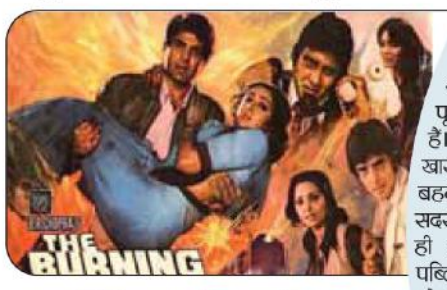

क्या थी फिल्म की कहानी

फिल्म का नाम था 'द बर्निंग ट्रेन'। लगभग पूरी फिल्म को एक ट्रेन के अंदर ही शूट किया गया था। फिल्म की कहानी कुछ इस तरह होती है कि पटरियों पर दौड़ती एक ट्रेन में एक साजिश के तहत आग लग जाती है। साथ ही, ट्रेन के ब्रेक भी काम करना बंद कर देते हैं। इसके बाद, फिल्म के हीरो और हिरोइन ट्रेन के यात्रियों को बचाते नजर आते हैं। इस फिल्म में ट्रेन में आग को तो स्पेशल इफेक्ट्स से दिखाया गया है। कहा जाता है कि स्पेशल इफेक्ट्स के लिए हॉलीवुड से एक्सपर्ट्स को बुलाया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म के लिए प्रोड्यूसर्स ने रेलवे से ट्रेन किराए पर ली थी। वहीं, शूटिंग के दौरान ना सिर्फ ट्रेन को बल्कि रेलवे की और प्रॉपर्टी को भी भारी नुकसान पहुंचा था।

रानी और काजोल पहुंची दुर्गा पूजा पंडाल

मुंबई। हर साल की तरह इस बार भी दुर्गा पूजा के अवसर पर काजोल और रानी मुखर्जी दुर्गा पूजा पंडाल पहुंच चुकी है। पूरे साल में ये ऐसा खास मौका है जिसे ये बहनें परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर ही नहीं, बल्कि आम पब्लिक के बीच खड़े होकर सेलिब्रेट करती हैं। इस वक्त रानी मुखर्जी और काजोल के कुछ वीडियोज सामने आए हैं जिनमें दोनों बहनें पंडाल में कैमरे पर पोज देती दिख रही हैं। फिर दोनों आपसे में कुछ बातें करते हैं और गले मिलकर दोनों एक-दूसरे पर प्यार लुटाती दिख रही हैं। काजोल रानी से कुछ बता रही हैं, जिसे सुनकर वो हंस पड़ती हैं। रानी मुखर्जी और काजोल आपस में चचेरी बहनें हैं। रानी मुखर्जी के पिता राम मुखर्जी और काजोल के पिता सोमू मुखर्जी का रिश्ता आप में चचेरे भाई का रहा है। रानी और काजोल को साथ देखकर लोगों को 26 साल पहले रिलीज हुई 'कुछ कुछ होता है' फिल्म की टीना और अंजलि की याद आ गई है। काफी लोगों ने ये सवाल भी किया है कि राहुल कहां है? याद दिला दें कि इस फिल्म में रानी और काजोल के अलावा शाहरुख खान भी थे जो राहुल के किरदार में दिखे थे। कुछ यूजर ने कहा है- राहुल अमन के साथ व्यस्त है। दरअसल, फिल्म में सलमान खान अमन के किरदार में दिखे थे। बता दें कि साल 1998 में रिलीज हुई फिल्म 'कुछ कुछ होता है'। एक बार काजोल ने बताया था कि फिल्म में रानी मुखर्जी के रोल को लेकर उनका करण जौहर से झगड़ा हुआ था।

गोविंदा को मिली अस्पताल से छुट्टी

मुंबई। अभिनेता गोविंदा को शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। अस्पताल से बाहर आकर वे मीडिया और फैंस से रूबरू हुए और हाथ जोड़कर आभार व्यक्त किया। गोविंदा ने कहा, 'मैं सभी का धन्यवाद देना चाहता हूं। डॉक्टरों का, पुलिस का, प्रशासन का। हर उस शख्स का जिसने मेरे लिए दुआ की। देश के बड़े-बुजुर्गों का। उन सभी का आभार जो मुझे बहुत प्यार करते हैं। मैं अब ठीक हूं, सुरक्षित हूं। अभिनेता को व्हील चेयर पर बाहर लाया गया। इस दौरान वे हंसते-मुस्कुराते हुए फैंस से मिले। छुट्टी मिलने से पहले गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा अस्पताल पहुंचीं। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'इससे अच्छी क्या फीलिंग होगी कि मेरे पति सही-सलामत घर जा रहे हैं। उनकी तबीयत भी एकदम ठीक है। थोड़े ही दिन में फिर से नाचना-गाना शुरू हो जाएगा। सबका आशीर्वाद है। माता रानी का आशीर्वाद है। डॉक्टरों ने गोविंदा का छह हफ्ते आराम करने की सलाह दी है।

'सिलसिला' के क्लाइमैक्स शूट में रेखा की इस हरकत पर उड़ गए थे सबके होश

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अमिताभ बच्चन, रेखा और जया बच्चन की फिल्म 'सिलसिला' के क्लाइमैक्स का जब शूट चल रहा था, तो रेखा ने कुछ ऐसा किया था कि सब देखते रह गए थे। अमिताभ ने भी नहीं सोचा था कि ऐसा कुछ होगा, पर उनका गुस्सा जया बच्चन पर निकला था। अमिताभ बच्चन और रेखा ने भले ही दशकों से साथ काम न किया हो, भले ही वो एक-दूसरे के सामने आने से बचते हों, पर आज भी उनके रिश्ते की चर्चा होती है। दोनों की जोड़ी खूब पसंद की जाती है। अमिताभ और रेखा ने साथ में कई हिट फिल्में दीं। इनमें से एक फिल्म रही यश चोपड़ा की 'सिलसिला', जिसमें जया बच्चन भी थीं। अमिताभ और रेखा के अफेयर की कहानियों से जया अच्छी तरह वाकिफ थीं, पर तमाम मतभेदों और असुरक्षा की भावना के साथ वह यश चोपड़ा के समझाने पर 'सिलसिला' में साथ काम करने को तैयार हो गई थीं। लेकिन 'सिलसिला' के क्लाइमैक्स शूट के दौरान रेखा ने कुछ ऐसा कर दिया था कि अमिताभ का सारा गुस्सा जया बच्चन पर निकल गया था। वह बेचारी खड़ी रोती रहीं।

जया पर भड़के थे अमिताभ

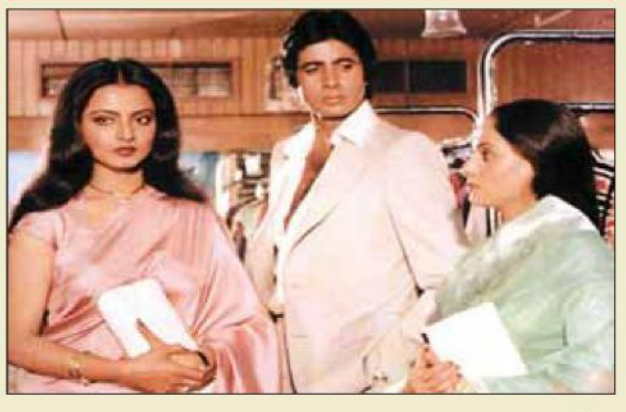

जया ने रेखा को दिया धक्का, फ्रेम से हो गईं बाहर

रेखा ने कहा था कि वह उस सीन के लिए कोई रीटेक नहीं देंगी, फिर चाहे शॉट ढंग से लिया जाए या नहीं। वह चली जाएंगी। खैर, सीक्वेंस की शूटिंग शुरू हुई। जैसे ही जया बच्चन ने रेखा को धक्का दिया, तो उन्हें धकेलने के चक्कर में जया भी फ्रेम से बाहर चली गईं। जबकि जया को फ्रेम में रहकर ही कैमरे की तरफ देखना था। लेकिन, कैमरे में सिर्फ उनका दुपट्टा ही नजर आ रहा था।

'सिलसिला' का क्लाइमैक्स फिल्मसिटी में शूट

'सिलसिला' का क्लाइमैक्स मुंबई फिल्मसिटी में शूट किया जा रहा था। सेट तैयार किया गया था। एक आग वाला सीन शूट किया जाना था, जिसमें प्लेन क्रैश हो जाता है। उस आग में संजीव कुमार फंस जाते हैं और रेखा उन्हें बचाने के लिए दौड़ती हैं। अमिताभ और जया बच्चन भी संजीव कुमार को बचाने लोकेशन पर पहुंचते हैं। लेकिन जब अमिताभ, संजीव कुमार को बचाने दौड़ते हैं, तो जया रेखा का हाथ कसकर पकड़ लेती हैं और उन्हें बाहर धकेल देती हैं। कायदे से इसी तरह सीन शूट किया जाना था। लेकिन सीन शूट किए जाने से पहले रेखा ने कैमरामैन से कहा कि शॉट एक ही टेक में शूट किया जाए।

कार में बैठकर चली गईं रेखा, देखते रह गए सब

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रेखा जानती थीं कि शॉट सही से नहीं हुआ है, पर उन्होंने परवाह नहीं की और वह कार में बैठकर चली गईं। कैमरामैन को यकीन नहीं हुआ। उसे लगा कि रेखा मजाक कर रही होंगी। इसीलिए, इस बारे में उसने यश चोपड़ा को भी नहीं बताया था। पूरी यूनिट एकदम शॉक में आ गई। वहीं, अमिताभ बच्चन कुर्सी डालकर बैठे थे और सबकुछ देख रहे थे।

अमिताभ ने गुस्से में जया से पूछा तो लगीं रोने

अमिताभ ने आंखें तरेरते हुए जया को देखा और उनसे पूछा कि ऐसा क्या हुआ जो रेखा यूं चली गईं। जया रोने लगीं और अमिताभ से कहा कि उन्होंने रेखा से कुछ नहीं कहा है। पर रेखा ने सेट पर वापस आकर शूट करने से इनकार कर दिया।

रेखा के साथ फिर से काम करना चाहते हैं अमिताभ

अमिताभ और रेखा की यह साथ में आखिरी फिल्म थी। इसके बाद उन्होंने फिर कभी साथ में काम नहीं किया। हालांकि, एक इंटरव्यू में अमिताभ ने कहा था कि अगर उन्हें मौका मिला और अच्छी स्क्रिप्ट भी, तो वह रेखा के साथ फिर से काम करना चाहेंगे। वहीं, जया बच्चन ने भी साल 2008 में 'पीपल मैग्जीन' को दिए इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें अमिताभ और रेखा के दोबारा साथ काम करने से परेशानी नहीं है। जया ने कहा था, 'भला मुझे कोई दिक्कत क्यों होगी? लेकिन उनके साथ काम करने से ज्यादा इसे लेकर सनसनी फैलेगी। लोग उन्हें एक बार फिर साथ देखने का मौका गंवा देंगे।'

खबर संक्षेप

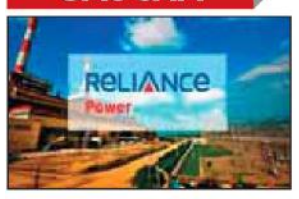

रिलायंस पावर बांड से 50 करोड़ डॉलर जुटाएगा

नई दिल्ली। रिलायंस पावर के निदेशक मंडल ने बांड जारी कर 50 करोड़ डॉलर (करीब 4,198 करोड़ रुपये) जुटाने की मंजूरी दे दी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि निदेशक मंडल ने सभी कर्मचारियों के लिए कर्मचारी शेयर विकल्प योजना की भी मंजूरी दी। सूचना के अनुसार, ''रिलायंस पावर के निदेशक मंडल ने पांच प्रतिशत सालाना ब्याज पर 50 करोड़ डॉलर जुटाने की योजना को मंजूरी दी है। यह राशि पांच प्रतिशत ब्याज पर 10 साल की अवधि वाले असुरक्षित विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांड के जरिये जुटायी जाएगी।''

बीसीएल बायोगैस संयंत्र पर 350 करोड़ करेगी निवेश

नई दिल्ली। बीसीएल इंडस्ट्रीज हरियाणा में बायोगैस संयंत्र और डिस्टिलरी स्थापित करने के लिए 350 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बना रही है। बीसीएल इंडस्ट्रीज के प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी अपनी हरित पहल को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है और फतेहाबाद में करीब 20 एमटीपीडी (मीट्रिक टन प्रतिदिन) क्षमता का बायोगैस संयंत्र स्थापित करेगी। उन्होंने कहा, '' यह बायोगैस संयंत्र प्रतिदिन 250 मीट्रिक टन धान की पराली का इस्तेमाल करेगा।

सोलरफिक्स इंडिया का जापान की कानेमासा से समझौता

नई दिल्ली। सौर ऊर्जा कंपनी सोलरफिक्स इंडिया ने साल 2030 तक भारत में 10 गीगावाट सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता विकसित करने के लिए जापान की कानेमासा के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। सोलरफिक्स इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और सह-संस्थापक अंकेत कपूर ने शुक्रवार को कहा कि यह क्षमता अलग-अलग भागों और चरणों में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और राजस्थान जैसे राज्यों में स्थापित की जाएगी।

महिंद्रा ने रखा छोटे इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन खंड में कदम

नई दिल्ली। घरेलू वाहन विनिर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने बृहस्पतिवार को छोटे इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन खंड में उतरने की घोषणा की। कंपनी ने दो टन से कम वजन वाले खंड में इलेक्ट्रिक चार-पहिया वाहन ''जियो'' को पेश किया है। इसकी कीमत 7.52 लाख रुपये से शुरू होती है। महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी की प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमन मिश्रा ने पीटीआई-भाषा से कहा कि इस खंड में डीजल की तुलना में इलेक्ट्रिक उत्पाद सात वर्ष की अवधि में ग्राहकों के लिए बढ़िया मूल्य देता है।

बीएमडब्ल्यू, मिनी की बिक्री इस साल 10 फीसदी बढ़ी

मुंबई। जर्मनी के लक्जरी कार विनिर्माता बीएमडब्ल्यू समूह की बीएमडब्ल्यू और मिनी ब्रांड की भारत में बिक्री इस साल जनवरी से सितंबर तक सालाना आधार पर 10 प्रतिशत वृद्धि के साथ 10,556 इकाई रही। कंपनी ने बीते साल 2023 के पहले नौ महीनों में बीएमडब्ल्यू और मिनी की 9,580 गाड़ियां बेची थी। समूह ने शुक्रवार को कहा कि उसने इस दौरान मोटरैड ब्रांड की 5,638 इकाइयां भी बेची है।

सितंबर में प्याज, आलू की कीमतों में उछाल से घर का बना खाना हुआ महंगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में महंगाई का आलम ये है कि खुदरा मुद्रास्फीति के 4 प्रतिशत से नीचे आने के बावजूद खाद्य महंगाई ऊंचाई पर बनी हुई है। इस बात पर मुहर एक रिपोर्ट भी लगाती है, जिसमें कहा गया है कि अब घर का बना खाना भी लोगों के लिए महंगा हो चुका है। आलू , प्याज और टमाटर जैसी सामान्य सब्जियों के दाम इतने बढ़ चुके हैं लोगों की घर की वेज थाली पिछले साल के मुकाबले इस साल सितंबर में 11 प्रतिशत महंगी हो गई है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर 2023 में शाकाहारी भोजन की थाली की एवरेज कॉस्ट 28.1 रुपए थी। इस साल सितंबर में ये बढ़कर 31.3 रुपए हो गई। जबकि अगस्त में इसकी एवरेज कॉस्ट 31.2 रुपए थी। इस तरह सालभर में आम लोगों का खाना 11 प्रतिशत महंगा हुआ है।

खास बातें

- खुदरा मुद्रास्फीति 4 फीसदी नीचे आने के बावजूद खाद्य मुद्रास्फीति ऊंची बनी हुई
- वेज थाली पिछले साल के मुकाबले सितंबर में 11 फीसदी महंगी हुई

महंगा हुआ आलू टमाटर प्याज

क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर में प्याज, आलू तथा टमाटर की कीमतें बढ़ी हैं। प्याज के दाम 53 प्रतिशत, आलू के 50 प्रतिशत और टमाटर के दाम 18 प्रतिशत तक बढ़े हैं। इसकी वजह प्याज तथा आलू की आवक कम होना है। वहीं भारी बारिश के चलते आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में टमाटर का उत्पादन प्रभावित हुआ है। प्रोडक्शन में कमी से दालों की कीमतों में पिछले साल की तुलना में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जबकि साल की शुरुआत में कीमतों में कटौती के कारण ईंधन की कीमतों में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है।

सब्जियों के बढ़ते दाम जिम्मेदार

क्रिसिल ने 'रोटी, राइस रेट' नाम से एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें सब्जियों के दाम में आई तेजी को थाली महंगी होने का सबसे बड़ा कारण बताया गया है। एक सामान्य वेज थाली की 37 प्रतिशत लागत सिर्फ सब्जियों की कीमत चुकाने में ही जाती है। इसके अलावा बीते एक साल में आटा, चावल, दाल और तेल के भी दाम बढ़े हैं।

नॉन-वेज थाली हुई सस्ती

मांसाहारी भोजन की थाली इस दौरान सस्ती हुई है। पिछले वर्ष की तुलना में इस साल नॉन-वेज थाली की एवरेज कॉस्ट 2 प्रतिशत घटकर 59.3 रुपए हो गई। वहीं ब्रॉयलर (एक तरह का चिकन) की कीमतों में 13 प्रतिशत की गिरावट आई जिसका इस थाली में 50 प्रतिशत योगदान है।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति

क्रिसिल की ये रिपोर्ट ऐसे समय में आई है, जब भारतीय रिजर्व बैंक अगले हफ्ते अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति जारी करने वाला है। मौद्रिक नीति से देश में महंगाई पर नियंत्रण किया जाता है। भारत में मौद्रिक नीति के निर्धारण में रिटेल इंफ्लेशन का अहम योगदान होता है, जिसका एक बड़ा वेटेज फूड प्राइस इंडेक्स का होता है।

पुराने प्रावधानों के तहत एक अप्रैल 2021 के बाद 90 हजार नोटिस हुए थे जारी

सुप्रीम कोर्ट की आयकर विभाग को राहत पुनर्मूल्यांकन नोटिस की वैधता रखी बरकरार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने आयकर विभाग को राहत देते हुए पुराने प्रावधानों के तहत एक अप्रैल 2021 के बाद राजस्व विभाग द्वारा जारी करीब 90,000 पुनर्मूल्यांकन नोटिस की वैधता बरकरार रखी है। शीर्ष अदालत ने बृहस्पतिवार को कई उच्च न्यायालयों के फैसलों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि कराधान व अन्य कानून (कुछ प्रावधानों में छूट और संशोधन) अधिनियम (टीओएलए) 2021 आयकर अधिनियम के तहत पुनर्मूल्यांकन नोटिस जारी करने की समय सीमा नहीं बढ़ाएगा। टीओएलए को कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान आयकर अनुपालन की समय सीमा बढ़ाने के लिए लाया गया था।

खास बातें

- शीर्ष अदालत ने कई उच्च न्यायालयों के फैसलों को किया खारिज
- कराधान व अन्य कानूनी अधिनियम के तहत समयसीमा नहीं बढ़ेगी

तीन सदस्यीय पीठ ने दिया फैसला

प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने तीन संसदीय कानूनों आयकर अधिनियम, टीओएलए और वित्त अधिनियम के परस्पर प्रभाव से संबंधित दो कानूनी प्रश्नों पर विचार किया।

अदालत ने कई सवालों पर गौर किया

शीर्ष अदालत ने इस सवालों पर गौर किया, '' क्या टीओएलए तथा इसके तहत जारी अधिसूचनाएं एक अप्रैल 2021 के बाद जारी किए गए पुनर्मूल्यांकन नोटिस पर भी लागू होंगी और क्या जुलाई तथा सितंबर 2022 के बीच नई व्यवस्था की धारा 148 के तहत जारी किए गए पुनर्मूल्यांकन नोटिस वैध हैं।''

112 पृष्ठों का फैसला लिखा

प्रधान न्यायाधीश ने 112 पृष्ठों का फैसला लिखते हुए कहा, '' हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि एक अप्रैल 2021 के बाद आयकर अधिनियम को प्रतिस्थापित प्रावधानों के साथ पढ़ा जाना चाहिए और यदि आयकर अधिनियम के प्रतिस्थापित प्रावधानों के तहत निर्दिष्ट कोई कार्रवाई या कार्यवाही 20 मार्च 2020 तथा 31 मार्च 2021 के बीच पूरी होनी है... तो टीओएलए एक अप्रैल 2021 के बाद भी आयकर अधिनियम पर लागू होता रहेगा।''

धारा 148 समय सीमा में छूट देने तक सीमित

पीठ ने कहा कि टीओएलए का प्रावधान '' आयकर अधिनियम की धारा 149 को केवल आयकर अधिनियम की धारा 148 के तहत पुनर्मूल्यांकन नोटिस जारी करने की समय सीमा में छूट देने तक ही सीमित है।'' पुनर्मूल्यांकन नोटिस को चुनौती देते हुए विभिन्न उच्च न्यायालयों में 9,000 से अधिक याचिकाएं दायर की गईं और करदाताओं के पक्ष में कई फैसले पारित किए गए।

राजस्व विभाग ने सुप्रीम कोर्ट का किया था रुख

इसके बाद ही राजस्व विभाग को सर्वोच्च न्यायालय का रुख करना पड़ा था। केंद्र ने मार्च 2020 में कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रसार को रोकने के लिए पूरे देश में लॉकडाउन लगाने की घोषणा की थी और टीओएलए लेकर आया था। 2021 के इस अधिनियम ने पूर्वव्यापी प्रभाव से '' निर्दिष्ट अधिनियमों के तहत कार्यों को पूरा करने या अनुपालन करने'' की समय सीमा 20 जून 2020 तक बढ़ा दी। आयकर विभाग द्वारा जारी किए गए पुनर्मूल्यांकन नोटिस 2013-14 से 2017-18 तक के कर निर्धारण वर्षों से संबंधित हैं। इसमें शामिल राशि हजारों करोड़ रुपये तक हो सकती है।

शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन गिरावट

सेंसेक्स 809 अंक लुढ़का

एजेंसी ▶▶| मुंबई

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और विदेशी पूंजी की निकासी जारी रहने के बीच शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में लगातार पांचवें सत्र में गिरावट रही। सेंसेक्स में करीब 809 अंक और निफ्टी में 235 अंक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों ने कहा कि उथल-पुथल भरे कारोबारी सत्र में दैनिक उपभोग के सामान बनाने बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी), वाहन और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली के कारण बाजार में गिरावट आई। इसके अलावा तेल उत्पादक पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता पैदा होने से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने भी बाजार की धारणा को प्रभावित किया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में लगातार पांचवें दिन गिरावट रही और यह 808.65 अंक यानी 0.98 प्रतिशत फिसलकर 81,688.45 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 235.50 अंक यानी 0.93 प्रतिशत का गोता लगाते हुए 25,049.85 पर आ गया। यह शेयर बाजार में गिरावट का लगातार पांचवां सत्र रहा।

- पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव प्रमुख कारण

निवेशकों को 16 लाख करोड़ का नुकसान

शेयर बाजारों में पांच दिनों से जारी गिरावट से निवेशकों को 16.26 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से बाजार में गिरावट आई है। बाजार में पांच दिनों से जारी गिरावट से बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 16,26,691.48 करोड़ रुपये घटकर 4,60,89,598.54 करोड़ रुपये पर आ गया।

सेवा क्षेत्र की गतिविधियां सितंबर में 10 महीने के निचले स्तर पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां सितंबर में 10 महीने के निचले स्तर पर आ गईं। एक मासिक सर्वेक्षण में शुक्रवार को कहा गया कि नए ऑर्डर, अंतरराष्ट्रीय बिक्री और उत्पादन वृद्धि में कमी के कारण ऐसा हुआ। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक अगस्त के 60.9 से गिरकर सितंबर में 57.7 पर आ गया। इससे पता चलता है कि उत्पादन में वृद्धि तो हुई है, लेकिन इसकी रफ्तार नवंबर 2023 के बाद से सबसे धीमी थी। खरीद प्रबंधकों से प्राप्त सूचना के आधार पर तैयार सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी के भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''भारत के सेवा पीएमआई आंकड़ों से पता चलता है कि सितंबर में सेवा क्षेत्र में धीमी गति से विस्तार हुआ। प्रमुख व्यवसाय गतिविधि सूचकांक 2024 में पहली बार 60 से नीचे आ गया, लेकिन 57.7 पर यह अभी भी दीर्घकालिक औसत से बहुत ऊपर है।''

- नए आर्डर व बिक्री व उत्पादन में वृद्धि की कमी के कारण हुआ

मजबूत श्रम मांग पैदा हुई

हालांकि, कुछ कंपनियों ने एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, पश्चिम एशिया और अमेरिका में लाभ देखा। भंडारी ने कहा, ''सेवा कंपनियों के मार्जिन में और कमी आने की आशंका है। नए कारोबार में लंबे समय तक मजबूत वृद्धि के कारण मजबूत श्रम मांग पैदा हुई है।''

विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के उच्चतम स्तर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 12.59 अरब डॉलर बढ़कर अबतक के उच्चतम स्तर 704.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.84 अरब डॉलर बढ़कर 692.29 अरब डॉलर पर जा पहुंचा था। मौजूदा 12.59 अरब डॉलर, अब तक की सबसे अधिक साप्ताहिक वृद्धि में से एक है। यह पहली बार है जब भंडार 700 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 27 सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 10.47 अरब डॉलर बढ़कर 616.15 अरब डॉलर हो गईं।

त्योहारी मांग से सोना 78,450 रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

त्योहारों के मौसम में आभूषण विक्रेताओं और खुदरा ग्राहकों की मांग बढ़ने के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोना 150 रुपये की तेजी के साथ 78,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के ताजा सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। बृहस्पतिवार को सोने का भाव 78,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत भी 1,035 रुपये की तेजी के साथ 94,200 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 93,165 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इसके अलावा 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 200 रुपये बढ़कर 78,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। सराफा व्यापारियों ने कीमती धातुओं में तेजी का श्रेय मौजूदा 'नवरात्रि' त्योहार के कारण आभूषण विक्रेताओं और खुदरा ग्राहकों की बढ़ी हुई लिवाली को दिया।

- खुदरा ग्राहकों की मांग बढ़ने से 150 रुपए की तेजी दर्ज

एमसीएक्स में चांदी के अनुबंध में वृद्धि

एमसीएक्स में दिसंबर डिलीवरी वाले चांदी के अनुबंधों की कीमत 219 रुपये या 0.24 प्रतिशत बढ़कर 93,197 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। शर्मा ने कहा, ''कॉमेक्स में चांदी वायदा में अगले सप्ताह की शुरुआत में कीमतें मजबूत रहने का संकेत है और आगामी सत्रों में नई ऊंचाई पर पहुंचा जा सकता है।''

मेजा ऊर्जा निगम ने 102 करोड़ रुपए का पहला लाभांश दिया

नई दिल्ली। यूपी स्थित मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड (एमयूएनपीएल) ने अपनी मूल कंपनियों एनटीपीसी और यूपीआरवीयूएनएल को 51-51 करोड़ रुपये का पहला लाभांश दिया है। एमयूएनपीएल सरकारी स्वामित्व वाली एनटीपीसी लिमिटेड और उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (यूपीआरवीयूएनएल) का 50:50 भागीदारी वाला संयुक्त उद्यम है। एमयूएनपीएल ने वित्त वर्ष 2023-34 के लिए एनटीपीसी को 51 करोड़ रुपये का अंतिम लाभांश दिया है। पिछले सप्ताह यूपीआरवीयूएनएल को 51 करोड़ रुपये का एक और लाभांश दिया गया था। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि एमयूएनपीएल ने पहली बार लाभांश है। कंपनी के चेयरमैन के षणमुग सुंदरम, मुख्य कार्यपालक अधिकारी कमलेश सोनी और मुख्य वित्तीय अधिकारी अमित रौतेला की अगुवाई में एक टीम ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में एनटीपीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह को औपचारिक चेक सौंपा। शीर्ष अधिकारियों की यह टीम अगले सप्ताह यूपीआरवीयूएनएल प्रबंधन को भी लाभांश चेक सौंपेगी। हाल ही में एमयूएनपीएल की 16वीं वार्षिक आम बैठक में लाभांश वितरण को मंजूरी दी गई थी।

केयरएज वैश्विक रेटिंग क्षेत्र में उतरी, 39 देशों की रेटिंग जारी

नई दिल्ली। केयरएज अपनी अनुषंगी कंपनी केयरएज ग्लोबल आईएफएससी लिमिटेड के जरिये वैश्विक रेटिंग क्षेत्र में कदम रखने वाली पहली भारतीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसी बन गई है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि गांधीनगर के गिफ्ट सिटी से संचालित होने वाली केयरएज ग्लोबल आईएफएससी लिमिटेड ने भारत समेत 39 देशों को सॉवरेन रेटिंग दी है। इस रेटिंग में जर्मनी, नीदरलैंड, सिंगापुर और स्वीडन को 'एएए'' रेटिंग दी गई है जबकि ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और अमेरिका को 'एए+'' रेटिंग मिली है। वहीं फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ब्रिटेन को 'एए-'' रेटिंग, पुर्तगाल को 'ए+'' और चीन एवं स्पेन को 'ए'' रेटिंग दी गई है। केयरएज ग्लोबल ने भारत को 'बीबीबी+'' रेटिंग (निवेश ग्रेड) दी है जो महामारी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार और बुनियादी ढांचे में निवेश पर बढ़ते ध्यान पर आधारित है।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल ने मल्टी ब्रांड रिटेलिंग के प्रवेश की संभावना खारिज की

'मल्टी-ब्रांड रिटेलिंग' नीति में कोई बदलाव नहीं होगा

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत में 'मल्टी-ब्रांड रिटेलिंग' के प्रवेश की संभावना को बृहस्पतिवार को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि ऐसा करने से अमेरिका की तरह 'मॉम-एंड-पॉप स्टोर्स' खत्म हो जाएंगे। 'मल्टी-ब्रांड स्टोर' एक रिटेल आउटलेट होता है जहां एक ही भौतिक या ऑनलाइन स्थान पर कई ब्रांडों के उत्पाद मिल जाते हैं। वहीं 'मॉम-एंड-पॉप स्टोर्स' से तात्पर्य उन छोटी दुकानों से है जो स्वतंत्र या पारिवारिक स्वामित्व वाली होती हैं। मंत्री ने कहा कि इसके अलावा भारत को तेज वृद्धि की ओर ले जाने के लिए देश सभी प्रकार के आवश्यक आर्थिक सुधारों के लिए तैयार है।

- अमेरिका की तरह 'मॉम-एंड-पॉप स्टोर्स' खत्म हो जाएंगे

किसी नीति पर फिर से विचार हो सकता है

गोयल ने यहां शोध संस्थान 'सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज' के सवाल के जवाब में कहा, '' अगर जरूरत पड़ी तो हम इनमें से किसी (नीति) पर फिर से विचार कर सकते हैं या सरकार के पास मंत्रिमंडल की मंजूरी के जरिये अधिक प्रतिशत (विभिन्न क्षेत्रों में विदेशी हिस्सेदारी) की अनुमति देने का अधिकार है।

संसदीय बदलाव की जरूरत

इसके अलावा हम संसद के जरिये भी इसमें बदलाव कर सकते हैं, इसमें कोई समस्या नहीं है। हालांकि मुझे नहीं लगता कि इनमें से किसी के लिए भी संसदीय बदलाव की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, '' महत्वपूर्ण क्षेत्र जहां कभी-कभी और विशेष रूप से अमेरिका जैसे देशों में ... मैं जो देखता हूं वह हैं 'मल्टी-ब्रांड रिटेल'।

अमेरिका को दुष्परिणाम भुगतने पड़े

यह बिल्कुल भी उचित नहीं है। मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि 'मल्टी-ब्रांड रिटेल' पर हमारी नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। अमेरिका को बड़ी प्रौद्योगिकी और बड़े रिटेल के दुष्परिणाम भुगतने पड़े हैं और इन दोनों के परस्पर प्रभाव के कारण देश भर में छोटे स्टोर लगभग खत्म हो गए हैं।''

देश में करीब 100 अरब छोटी-छोटी दुकानें

मंत्री ने कहा, '' भारत में पूरे देश में करीब 100 अरब छोटी-छोटी दुकानें हैं। आप जिस भी गांव में जाएंगे, वहां 10 या 12 छोटी दुकानें होंगी जो अलग-अलग तरह के उत्पाद बेचती होंगी। 10 या 12 छोटी दुकानें होंगी जो अलग-अलग सेवाएं प्रदान करती होंगी। देश के लगभग हर कोने में एक दवा की दुकान होगी।'' गोयल ने कहा कि अमेरिका ऐसा कर सकता है, क्योंकि उसकी जनसंख्या भारत की तुलना में बहुत कम है और लोगों के पास नौकरी के वैकल्पिक अवसर मौजूद हैं। उन्होंने कहा, '' ...शायद आप इस बात से संतुष्ट हैं कि बाकी युवा अब सिर्फ बिक्री करने वाले लड़के या 'डिलीवरी' (आपूर्ति) करने वाली लड़कियां बनकर रह गए हैं।

भारत तेल कीमतों को लेकर चिंतित नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव के बीच घटनाक्रम पर करीबी नजर रखे हुए है। हालांकि कच्चे तेल की मौजूदा कीमतों को लेकर वह चिंतित नहीं है। सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को यह बात कही। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, सरकार के पास कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में अस्थिरता से निपटने के लिए कई साधन मौजूद हैं। सूत्रों ने कहा कि भारत में कच्चे तेल की कीमतें इसके पहले काफी ऊंचे स्तर पर देखी जा चुकी हैं और मौजूदा कीमतें अभी भी उस स्तर पर नहीं पहुंची हैं। भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर है।

- पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव पर नजर

कच्चा तेल 77.44 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल

इस बयान के बाद बृहस्पतिवार को कारोबारी सत्र में कच्चे तेल के वायदा भाव में पांच प्रतिशत तक की तेजी आ गई। वहीं नवंबर आपूर्ति के लिए ब्रेंट क्रूड 4.8 प्रतिशत बढ़कर 77.44 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

जम्मू-कश्मीर में साथ होंगे भाजपा-अब्दुल्ला? पार्टी ने आरोपों को बताया 'निराधार'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में करीब 10 साल बाद विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं। तीन चरणों में जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर वोटिंग करा ली गई है। इस चुनाव के नतीजे आगामी 8 अक्टूबर की तारीख को जारी किए जाएंगे।

परिणाम से पहले ही फारूक अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कांफ्रेंस पर भारतीय जनता पार्टी के साथ चोरी छुपे बातचीत के आरोप लगे हैं। नेकां ने भी बयान जारी कर सफाई दी है। श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद अजीम मट्टू ने जुनैद अजीम मट्टू के आरोपों पर नेशनल कांफ्रेंस ने भी जवाब दिया है और इन दावों को निराधार बताया है। पार्टी ने कहा कि वह इंडी दलों के अलावा किसी अन्य राजनीतिक दल के संपर्क में नहीं है। पार्टी ने पलटवार करते हुए कहा कि अपनी हार को भांपने वाले लोग इस तरह के निराधार आरोप फैलाने पर उतर आए हैं।

श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद ने दी जानकारी

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा

हरियाणा चुनाव के लिए आज पड़ेंगे वोट

सैनी, हुड्डा, फोगाट, चौटाला का भाग्य होगा ईवीएम में लॉक

हरियाणा विधानसभा चुनाव में 5 अक्टूबर को सुबह 7 बजे से शाम छह बजे 90 सीटों पर मतदान होगा। पूरे प्रदेश में 1031 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं, जिनकी किस्मत का फैसला 2.03 करोड़ मतदाता करेंगे। 8 अक्टूबर को मतगणना होगी। हॉट सीट लाडवा में सीएम नायब सिंह सैनी भाजपा से गढ़ी-सांपला-किलोई में पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा कांग्रेस, ऐलनाबाद में अभय चौटाला इनेलो से, जुलाना में विनेश फोगाट कांग्रेस से, उचाना कलां में दुष्यंत चौटाला जजपा से चुनाव लड़ रहे हैं।

कुमारी सैलजा बोलीं

मुझे इग्नोर नहीं कर सकते

हरियाणा में कांग्रेस का सीएम कैंडिडेट कौन होगा इस सवाल के जवाब में सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हाईकमान सैलजा को इग्नोर नहीं कर सकता। एक इंटरव्यू में उन्होंने ये बात कही। उन्होंने कहा कि चीफ मिनिस्टर कांग्रेस कभी डेक्लेयर नहीं करती। हाईकमान को ही निर्णय लेना है. सीएम की रेस में कुछ लोग होंगे और उसमें सैलजा का नाम जरूर होगा।

अचानक सोनिया से मिलीं, सीएम बनने की कर रहीं तैयारी?

मतदान से ठीक से पहले शैलजा ने सोनिया गांधी से मुलाकात की है। इससे सियासी गलियारों में अटकलें शुरू हो गई हैं कि वे सीएम बनने की तैयारी कर रहीं। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, रणदीप सुरजेवाला भी मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल हैं।

हरियाणा की इन 10 सीटों पर 1-1 वोटों की अहमियत

100 से कम वोट करते रहे हैं फैसला

हरियाणा में 13 बार विधानसभा चुनाव हुए हैं। सीटों का विश्वलेषण करें तो 10 सीट ऐसी हैं, जहां पर जीत-हार का अंतर 100 वोट के बीच रहा है। राई, घरौंडा, रोहट, नारनौंद, दादरी, अटेली, यमुनानगर, साढ़ौरा और रेवाड़ी सीट पर जीत-हार का अंतर तीन वोटों से लेकर 86 वोट का रहा है। 2014 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में राई सीट पर कांग्रेस के जयतीर्थ ने इनेलो के इंद्रजीत को सिर्फ 3 वोट से मात दिया था। 1982 में साढ़ौरा में भाजपा के भागमल ने कांग्रेस के प्रभु राम को सिर्फ 10 वोटों से हराया था। घरौंडा सीट पर भाजपा प्रत्याशी रमेश ने समता पार्टी के रमेश कुमार राणा को सिर्फ 11 वोटों से हराया था। 2005 में घरौंडा सीट पर इनेलो की उम्मीदवार रेखा राणा ने कांग्रेस के जयपाल शर्मा को सिर्फ 21 वोट से हरा दिया था। 1991 के रोहट सीट से कांग्रेस के हुकुम सिंह ने जनता दल के महेंद्र सिंह को महज 38 वोटों से हराया था। नारनौंद में जनता दल के वीरेंद्र सिंह ने कांग्रेस के जसवंत सिंह को सिर्फ 38 वोट के अंतर से हराया था। मुनानगर विधानसभा सीट पर कांग्रेस के राजेश कुमार ने भाजपा की कमला वर्मा को 63 वोटों से हराकर विधायक चुने गए थे। अटेली सीट पर कांग्रेस के बंशी सिंह ने जनता दल के अजीत सिंह के सामने 66 वोट से मात दिया था। 1991 में दादरी सीट पर हरियाणा विकास पार्टी के प्रत्याशी धर्मपाल सिंह ने कांग्रेस के जगजीत सिंह को सिर्फ 80 वोटों से हराया था। 1977 में रेवाड़ी सीट पर जनता पार्टी के कर्नल रामसिंह ने शिव रतन सिंह को सिर्फ 86 वोट से हराकर विधायक बने थे।

खबर संक्षेप

लुटियंस जोन में होगा केजरीवाल का नया ठिकाना

नई दिल्ली। (आप के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को लुटियंस जोन में स्थित अपने नए पते पर जाने के लिए पुराना आवास छोड़कर चले गए हैं। केजरीवाल परिवार समेत मंडी हाउस के पास 5, फिरोजशाह रोड स्थित पार्टी के सदस्य अशोक मित्तल के आधिकारिक आवास के लिए रवाना हुए। इससे पहले केजरीवाल परिवार को उनके पुराने घर के कर्मचारियों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई।

डिप्टी स्पीकर नरहरी तीसरी मंजिल से कूदे

मुंबई। महाराष्ट्र के डिप्टी स्पीकर नरहरी झिरवाल मंत्रालय की तीसरी मंजिल से कूद गए। हालांकि मंत्रालय में लगे जाल की वजह से उनकी जान बच गई। झिरवाल धनगर समाज को एसटी कोटे में शामिल किए जाने का विरोध कर रहे हैं। वे एनसीपी के विधायक हैं। घटना शुक्रवार को घटी, जब धनगर समाज को एसटी कोटे में आरक्षण देने के खिलाफ झिरवाल ने मंत्रालय की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। हालांकि वे पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

अभिनेता गोविंदा अस्पताल से हो गए डिस्चार्ज

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर और नेता गोविंदा के फैन्स खुशी से झूम उठे है। गोविंदा को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। 1 अक्टूबर को गोविंदा को रिवॉल्वर की सफाई करने के दौरान गलती से गोली लगी थी। डेविड धवन, शत्रुघ्न सिन्हा, शिल्पा शेट्टी और कश्मीरा शाह ने गोविंदा से अस्पताल में मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। इस मामले में अभी तक सिर्फ डायरी ही बनी है। अभी इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। लेकिन अटकलें कुछ अलग हैं।

आज पीएम जारी करेंगे किसान सम्मान की किस्त

नई दिल्ली। पीएम मोदी शनिवार को पीएम किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त जारी करेंगे। इस योजना का लाभ 11 करोड़ से ज्यादा किसानों को मिलेगा। अगर आपने भी योजना का लाभ उठाने के लिए रजिस्ट्रेशन किया है तो आपको अपना नाम लाभार्थी लिस्ट में चेक कर लेना चाहिए। लाभार्थी लिस्ट में अगर आपका नाम होता है तो इसका मतलब है कि आपको योजना का लाभ मिलेगा। यदि नाम नहीं है तो दर्ज करवाने की सुविधा दी गई है। इससे किसानों को काफी सहूलियत होगी।

कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा

वैश्विक अनिश्चितता और प. एशिया में संघर्ष के बावजूद भारत तेजी से बढ़ रहा

भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी जीडीपी के साथ बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश

वित्त मंत्रालय के साथ साझेदारी में आर्थिक विकास संस्थान के कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन का तीसरा संस्करण 6 अक्टूबर तक चलेगा। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर समापन भाषण देंगे, जबकि भूटान के वित्त मंत्री ल्योनपो लेके दोरजी भी सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसमें 150 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविद् और नीति निर्माता शामिल होंगे।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में पीएम नरेंद्र मोदी ने रूस-यूक्रेन और पश्चिम एशिया संघर्ष का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन में ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया के दो बड़े क्षेत्रों में युद्ध की स्थिति बनी हुई है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी जीडीपी के साथ सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है।

पीएम ने कहा कि सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन हमारा मार्गदर्शक मंत्र है। जब लोगों का जीवन बदल जाता है, तो वे अपने देश में विश्वास करना शुरू कर देते हैं। फिर वही बात उनके जनादेश में दिखती है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों का विश्वास ही हमारी ताकत है। हम भारत की भलाई के लिए और अधिक संरचनात्मक सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जीवन में तभी बदलाव संभव जब देश में विश्वास करेंगे

5 प्लांट दुनिया में लगेंगे

मोदी ने कहा कि जल्द ही भारत के पांच सेमीकंडक्टर प्लांट दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लगाए जाएंगे और मेड इन इंडिया चिप्स दुनिया तक पहुंच सकेंगे। पीएम इंटर्नशिप स्कीम के तहत पहले दिन ही 111 कंपनियों ने पोर्टल पर रजिस्टर किया है। हम एक करोड़ युवाओं को बड़ी कंपनियों में इंटर्नशिप में मदद कर रहे हैंहमने युवाओं के कौशल विकास और इंटर्नशिप लेकर आए हैं।

भारत को विकसित बनाने हम लगातार सुधार करेंगे

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी प्रतिबद्धता है कि भारत को विकसित बनाने के लिए हम लगातार संरचनात्मक सुधार करते रहेंगे। भारत में समावेशी विकास हो रहा है। इसके चलते पिछले 10 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि भारत की वृद्धि का लाभ सभी को मिले। पीएम मोदी ने कहा कि वैश्विक नेता और वित्तीय विशेषज्ञ भारत के विकास की गति को देख रहे हैं। निवेशक मान रहे हैं कि भारत में निवेश का यह सही समय है। यह कोई संयोग नहीं है, बल्कि हमारी ओर से पूर्व में किए गए सुधारों का परिणाम है।

बुनियादी ढांचे पर निवेश को अभूतपूर्व स्तर पर बढ़ाया

पीएम ने कहा कि बीते दशक में हमने बुनियादी ढांचे पर निवेश को अभूतपूर्व स्तर पर बढ़ाया है। भारत के प्रक्रिया सुधार ने सरकार की गतिविधियों का हिस्सा बनाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए हम पीएलआई (प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव) लाए। पीएलआई के कारण 1.25 लाख करोड़का निवेश आया है। अंतरिक्ष क्षेत्र में अब 200 से अधिक स्टार्टअप हैं। भारत मोबाइल फोन के आयातक से उत्पादक बन गया है।

वित्त मंत्री ने कहा

आने वाले दशकों में भारतीयों का जीवन स्तर बदलेगा

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन (केईसी) के तीसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में सरकार द्वारा किए गए संरचनात्मक सुधारों से आने वाले दशकों में आम आदमी के जीवन स्तर में सबसे तेज वृद्धि होगी। हाल के दशक में भारत का महत्वपूर्ण आर्थिक प्रदर्शन पांच वर्षों में उसके 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तक पहुंचने में साफ नजर आता है।

5 साल में प्रति व्यक्ति आय को करीब दोगुना कर लेगा भारत

सीतारमण ने कहा कि भारत अगले पांच साल में अपने प्रति व्यक्ति आय को करीब दोगुना कर लेगा। भारत के बैंकिंग क्षेत्र की सुदृढ़ता और लचीलापन, परिसंपत्ति गुणवत्ता सुधार, खराब ऋणों के लिए बेहतर प्रावधान, निरंतर पूंजी पर्याप्तता और लाभप्रदता में वृद्धि पर निरंतर नीतिगत ध्यान द्वारा समर्थित है। उन्होंने कहा कि एनपीए अनुपात कई वर्षों के निचले स्तर पर है, बैंकों के पास अब कुशल ऋण वसूली तंत्र हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना कि वित्तीय प्रणाली स्वस्थ बनी रहे और चक्र लंबे समय तक चले, हमारी एक और मुख्य नीतिगत प्राथमिकता है। वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं सांसद एनके सिंह भी मौजूद रहे।

सीतारमण ने की खिंचाई, हिमाचल की सफाई

अब टॉयलेट सीट के हिसाब से राज्य में वसूला जाएगा टैक्स

एजेंसी ▶▶ शिमला

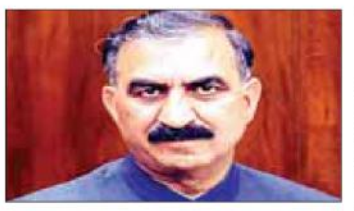

हिमाचल प्रदेश में एक नई सरकारी अधिसूचना को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इसमें कहा गया कि राज्य के शहरी क्षेत्रों में अब टॉयलट सीट की संख्या के आधार पर टैक्स लिया जाएगा। इस फैसले पर राष्ट्रीय स्तर पर भी बहस छिड़ गई है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य नेताओं ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मामले में विवाद बढ़ता देख सुक्खू सरकार और जल शक्ति विभाग ने सफाई पेश की। स्पष्ट किया है कि 'टॉयलेट सीट टैक्स' जैसी कोई बात नहीं है, लेकिन इस अधिसूचना ने जनता के बीच चिंता और सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं।

प्रति टॉयलेट सीट 25 रुपए का अतिरिक्त शुल्क लगेगा

हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों से उनके घरों में मौजूद टॉयलेट सीट की संख्या के आधार पर टैक्स वसूला जाएगा। प्रति टॉयलेट सीट 25 रुपए का अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा, जिसे सीवरेज बिल में शामिल किया जाएगा।

कांग्रेस सरकार का तर्क

इस फैसले के पीछे सरकार का तर्क है कि इससे राज्य में सीवरेज सिस्टम को बेहतर बनाने और पानी के उपयोग को सही तरीके से मॉनिटर करने में मदद मिलेगी। जल शक्ति विभाग का कहना है कि इस अधिसूचना का मकसद 100 फीसदी सीवरेज कनेक्टिविटी हासिल करना है, जिससे प्रदूषण कम हो।

सीतारमण ने 'अविश्वसनीय' बताया

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने इस फैसले की आलोचना करते हुए इसे 'अविश्वसनीय' बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि अगर यह सच है तो अविश्वसनीय है! जबकि पीएम नरेंद्र मोदी, स्वच्छता को जन आंदोलन बना रहे हैं, वहीं कांग्रेस टॉयलेट के लिए लोगों पर टैक्स लगा रही है! शर्म की बात है कि उन्होंने अपने कार्यकाल में अच्छी स्वच्छता प्रदान नहीं की, लेकिन यह कदम देश को शर्मसार करेगा।

केंद्र दे रहा अनुदान के तौर पर 500 करोड़, वेतन- पेंशन को 800 करोड़ रुपए

केंद्र की मदद के बिना कांग्रेस एक दिन भी नहीं चला पाएगी हिमाचल सरकार

स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने सुनाई हिमाचल की सुक्खू सरकार को खरी-खरी

एजेंसी ▶▶ बिलासपुर

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस केंद्र के मदद के बिना एक दिन भी हिमाचल प्रदेश की सरकार नहीं चला सकती। बिलासपुर में भाजपा की राज्य इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार राजस्व घाटे के अनुदान के तौर पर 500 करोड़ और वेतन और पेंशन भुगतान के लिए अनुदान के तौर पर 800 करोड़ रुपए देती है।

नड्डा ने दावा किया कि सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू 'अलग-अलग मौकों पर अलग-अलग' बात करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हिमाचल प्रदेश में केंद्र की मदद के बिना एक दिन भी सरकार नहीं चला सकती, लेकिन राज्य सरकार के पास कोई हिसाब नहीं है कि पैसा कहां खर्च हो रहा है?

सितंबर में कर्मचारियों को वेतन तक नहीं दे सके

नड्डा ने कहा कि इस सितंबर में पहली तारीख को राज्य सरकार के कर्मचारियों का वेतन न देकर सुक्खू ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के 'सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। उन्होंने इसे मौजूदा सरकार की 'सबसे बड़ी आपदा' बताया। कांग्रेस शासित राज्यों में नशाखोरी बढ़ रही है। हाल ही में 5,600 करोड़ के मादक पदार्थ जब्ती मामले में कांग्रेस के नेता की संलिप्तता पाई गई।

कांग्रेस का मतलब अपराधीकरण और कमीशन

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस है तो भ्रष्टाचार है, कांग्रेस का मतलबअपराधीकरण और कमीशन है। कांग्रेस सरकार राज्य को पीछे को ओर ले जा रही है। केंद्र सरकार के 100 दिनों का 'रिपोर्ट कार्ड' देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि छह करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा गया है। 3लाख करोड़ की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, 12 औद्योगिक स्मार्ट शहर, वाहनों के लिए अनुकूल 8 राष्ट्रीय गलियारों और आठ रूट पर रेल लाइन बिछाने को मंजूरी दी है।

भाजपा के पूर्व सांसद अर्जुन के घर पर हमला, फायरिंग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बैरकपुर से भाजपा के पूर्व सांसद अर्जुन सिंह के घर और ऑफिस पर शुक्रवार सुबह बमों से हमला और कई राउंड फायरिंग की गई। इसमें सांसद के पैर में गोली के छर्रा लगने और एक सीआईएसएफ जवान के घायल होने की खबर है। अर्जुन सिंह ने इस हमले के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। पूरे माले को लेकर सियासत भी गरमा गई है। इस हमले में उनकी सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ का एक जवान घायल हो गया। अर्जुन सिंह का दावा है कि उनके पैर में भी एक छर्रा लगा है।

भद्रकाली की 'पूजा'

वारंगल। वारंगल में शुक्रवार को पुजारी नवरात्रि उत्सव के दौरान देवी भद्रकाली के समक्ष 'पूजा' करते हुए।

दिल्ली की कोर्ट के अंदर हालिया बढ़ती घटनाओं पर चिंता

हाईकोर्ट ने 300 जजों के लिए मांगी 'एक्स' सुरक्षा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की कोर्ट के अंदर हालिया बढ़ती घटनाओं को देखते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार ने दिल्ली के सभी कोर्ट के 300 जजों के लिए एक्स कैटेगरी की सुरक्षा की मांग की है।

रजिस्ट्रार ने इसके लिए दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा से सुरक्षा प्रदान करने के लिए कहा है। हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल कंवल जीत अरोड़ा ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को आठ सप्ताह में निर्णय लेने को कहा है।

पुलिस ने मामला केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा

रजिस्ट्रार ने दिल्ली पुलिस आयुक्त अरोड़ा से सुरक्षा की मांग की

कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे दिल्ली पुलिस के सुरक्षा प्रभाग ने 300 जजों को एक्स श्रेणी सुरक्षा कवर प्रदान करने पर अंतिम निर्णय लेने के लिए मामला केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेज दिया है। उन्हें निजी सुरक्षा अधिकारी के रूप में कम से कम 600 पुलिसकर्मियों की आवश्यकता होगी।

उच्च न्यायालयों को आदेशों को बदलने का अधिकार तय करेगा सुप्रीम कोर्ट

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि वह खुली अदालतों में उच्च न्यायालय द्वारा सुनाए गए फैसलों को रद्द करने के मुद्दे पर नया नियम बनाएगा। शीर्ष न्यायालय यह तय करेगा कि उच्च न्यायालयों को अपने पहले के आदेशों को बदलने का अधिकार है या नहीं। शीर्ष अदालत के सामने एक मामला सामने आया, जिसमें मद्रास उच्च न्यायालय ने एक पूर्व आईपीएस अधिकारी के खिलाफ केस था।

एमसीडी स्थायी समिति के चुनाव पर सवाल

चुनाव की इतनी जल्दबाजी क्यों थी?

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के उपराज्यपाल कार्यालय से एमसीडी स्थायी समिति के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव नहीं कराने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि अगर आप एमसीडी स्थायी समिति के अध्यक्ष के लिए चुनाव कराते हैं तो हम इसे गंभीरता से लेंगे। कोर्ट ने एमसीडी स्थायी समिति के सदस्य के लिए चुनाव कराने में दिल्ली के उपराज्यपाल कार्यालय के अत्यंत जल्दबाजी करने पर भी सवाल उठाए।

गुवाहाटी में होगा विज्ञान महोत्सव

प्रौद्योगिकी में रचनात्मकता को बढ़ावा देगा यह 'महा' महोत्सव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक असम की राजधानी गुवाहाटी में आयोजित किया जाएगा। इस महोत्सव का आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और विज्ञान भारती के सहयोग से किया जा रहा है। भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का मकसद वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना, उपलब्धियों को स्वीकार करना और भारतीय लोगों में जागरूकता फैलाना है।केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि महोत्सव में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की संगोष्ठियां, प्रदर्शनियां, प्रतियोगिताएं, कार्यशालाएं, ज्ञान-साझाकरण गतिविधियां, प्रौद्योगिकी शो के साथ कई रोचक कार्यक्रम होंगे। यह महोत्सव विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। महोत्सव की शुरुआत साल 2015 में नई दिल्ली में हुई थी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)